वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2012-13

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

ए–13, सैक्टर–1, नौएडा - 201 301, जिला- गौतमबुद्धनगर (उ० प्र०)

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

वार्षिक रिपोर्ट
2012 - 13

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
पोत परिवहन मंत्रालय

मुख्यालय : ए–13, सैक्टर-1, नौएडा - 201 301, जिला- गौतमबुद्धनगर (उ० प्र०)
दूरभाष सं० : 0120–2544036, 2543972; फैक्स सं० 0120–2543973, 2521764
ई-मेल : iwainoi@nic.in, वेबसाइट : www.iwai.nic.in

प्राधिकरण के सदस्य (2012–13 के दौरान)

		दूरभाष सं.	फैक्स सं.
अध्यक्ष	**श्रीमती भुपिन्दर प्रसाद**, भा. प्र. से. (31.08.2012 तक)	0120–2543972	0120–2543973
	डॉ. विश्वपति त्रिवेदी, भा. प्र. से. (25.09.2012 से अब तक)		
सदस्य	**सुश्री जयश्री मुखर्जी**, भा. प्र. से. उपाध्यक्ष (11.07.2012 से अब तक)	0120–2544009	0120–2544009
सदस्य	**डॉ. श्रीमती टी. कुमार** अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, पोत परिवहन मंत्रालय	011–23710140	011–23715195
सदस्य	**श्री एम. सी. जौहरी** संयुक्त सचिव (पोत परिवहन) पोत परिवहन मंत्रालय	011–23710189	011–23722855
सदस्य	**श्री आर. पी. एस. कहलन** अध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट कोलकाता	033–22205370	033–22208226
सदस्य	**श्री सी. बी. सिंह** सलाहकार पोत परिवहन मंत्रालय	011–2376619	011–23350648
सदस्य	**श्री दीपक दास** सदस्य (वित्त), भा. अ. ज. प्रा.	0120–2544004	0120–2543976
सदस्य	**श्री देवेन्द्र शर्मा** सदस्य (आर. एम.), केन्द्रीय जल आयोग	011–26103221	011–2610744
सदस्य	**श्री एस. एस. मिश्रा** सदस्य (यातायात), भा. अ. ज. प्रा. (20.11.2012 तक)	0120–2543994	0120–2543982
सदस्य	**श्री एस. एस. पांडियन** सदस्य (तकनीकी), भा. अ. ज. प्रा. (28.02.2013 तक)	0120–25216640	120–2544041

अन्य विवरण

		दूरभाष सं.
सचिव	**श्री एस0 के0 भााही** (18.02.2013 तक)	0120–2544036
	श्रीमती त. साई अमूथा देवी (15.03.2013 से अब तक)	
अंकेक्षक	**भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक**	011–23235793
बैंकर्स	**सिंडीकेट बैंक** परिवहन भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110 001	011–23717573
	सिंडीकेट बैंक सैक्टर–18, नौएडा–201 301	0120–2514381
	केनरा बैंक सैक्टर–1, नौएडा–201 301	0120–2529163
	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सैक्टर–2, नौएडा–201 301	

क्षेत्रीय कार्यालय

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण गायघाट टर्मिनल – सह कार्यालय, गुलजारबाग, पटना–800 007 (बिहार)	0612–2630112 0612–2630005 0612–2630114	0612–2630100
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पी–78, गार्डन रीच रोड, कोलकाता – 700 043 (पश्चिम बंगाल)	033–24390393 033–24395577 033–24396055	033–24395570 033–24391710
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पांडु पोर्ट काम्प्लैक्स, पांडु, गुवाहाटी – 781 012 (असम)	0361–2570109 0361–2676925 0361–2676927 0361–2676929	0361–2570099 0361–2570055
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण राश्ट्रीय जलमार्ग रोड, एन0 एच0 47 बाइपास, कन्नाडिकाडू मरदू, एर्नाकुलम – 682 304 (केरल)	0484–2295064 0484–2389804	0484–2389445

उप–कार्यालय / ईकाईयाँ

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 360 / एफ / 44, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद – 211 006 (उ0 प्र0)	0532–2561151 0532–2560537	0532–2561152
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 52, द्वितीय तल, पटेल नगर, नदेसर, वाराणसी – 221 002 (उ0 प्र0)	0542–2505329	0542–2505329
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नवीन गांगुली रोड, दुर्गा स्थान (मंदिर घाट), भागलपुर – 821 001 (बिहार)	0641–2400651	0641–2400651
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ऑफिस बिल्डिग संख्या–1, एफबीपी ऑफिस काम्प्लैक्स, पी0 ओ0– फरक्का बैरेज, जिला–मुर्शिदाबाद–742 212 (पश्चिम बंगाल)	03485–255809	03485–255809
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण फकीरतला, पी0 ओ0–महेशगंज, स्वरूपगंज, नायडा–741 315 (पश्चिम बंगाल)		
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण दुर्गाबाड़ी रोड टिनियाली, ए. टी. रोड, नालियापूल, डिब्रूगढ़ – 786 001	0373–2302540	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण धुब्री टर्मिनल, फ्री इंडिया घाट, धुब्री–786 005		
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण आई.डब्लू.टी. टर्मिनल सह ऑफिस कॉम्प्लेक्स आश्रमम, नियर ईएसआई हॉस्पीटल, कोल्लम–691 002	0474–2766460	

1. अन्तर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र (अ0 ज0 प0) – सामान्य सूचना

अति प्राचीन काल से अन्तर्देशीय जल परिवहन (अ0 ज0 प0) भारत में परिवहन का एक सुविधाजनक और किफायती परिवहन साधन रहा है। रेल, सड़क और वायु जैसे माध्यमों होकर द्रुत गति से चलने वाले परिवहन साधन के अभ्युदय से अन्तर्देशीय जलमार्गों होकर परिवहन उपेक्षित हो गया। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में कार्गो की प्रकृति अथवा पत्तन/महत्वपूर्ण उद्योगों से सम्बद्धता होने के कारण परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में अन्तर्देशीय जल परिवहन के नैसर्गिक फायदे हैं। आजकल पानी के किनारे स्थित स्थानों के बीच लम्बी दूरी तक बल्क में मालों की ढुलाई करने के लिए यह पूरे विश्व में सबसे सस्ता परिवहन साधन के रूप में जाना जाता है। ईंधन की कम खपत करने, कम प्रदूषण फैलाने और रोजगार सृजन की संभाव्यता के कारण अन्तर्देशीय जल परिवहन सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत किए जाते हैं।

भारत में नदियों, अप्रवाही जल, संकरी खाड़ियों और कैनालों की संख्या काफी है जिन्हें परिवहन के किफायती और दक्ष परिवहन साधन के रूप में प्रयोग करने की संभावना है। 20वीं शताब्दी के मध्य तक अ0 ज0 प0 देश के विभिन्न भागों में परिवहन के महत्वपूर्ण साधन के रूप में प्रयुक्त हुआ था। परिवहन के अन्य उन्नत साधनों में बढ़ोत्तरी होने के कारण परिवहन के इस साधन के प्रयोग में कमी आ गई है और अब यह गंगा, ब्रह्मपुत्र और चम्पाकारा एवं उद्योगमंडल कैनालों के अलावा गोवा, असम, पश्चिम बंगाल और मुम्बई जैसे कुछ स्थानों में ही प्रचलन में हैं। इन क्षेत्रों में अ0 ज0 प0 साधन द्वारा कार्गो की ढुलाई में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2010–11 तक ढुलाई 70 मिलियन टन (4.755 बी.टी.के.एम.) के स्तर तक पहुंच गई थी। हालांकि, वर्ष 2012–13 में यह घटकर 30.5 मिलियन टन (3.053 बी.टी.के.एम.) हो गई थी। लौह अयस्क खनन पर प्रतिबंध के कारण गोवा जलमार्ग में कार्गो की कमी ही इसका मुख्य कारण है। उत्साहवर्द्धक सूचना यह है कि राष्ट्रीय जलमार्गों में कार्गो की ढुलाई वर्ष 2011–12 में हुई 4.921 मिलियन टन (1.299 बी.टी.के.एम.) से बढ़कर वर्ष 2012–13 में 6.389 मिलियन टन (1.583 बी.टी.के.एम) हो गई है।

वर्तमान में, देश में अ0 ज0 प0 माध्यम द्वारा कार्गो की ढुलाई 1 प्रतिशत से भी कम होती है। हालांकि, इसके शेयर को वर्ष 2020 तक 5 प्रतिशत (25 बी.टी.के.एम.) तक बढ़ाने का लक्ष्य है। तदनुसार विभिन्न परियोजनाओ/योजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है।

2. भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा0 अ0 ज0 प्रा0)

नौवहन और नौचालन के उद्देश्य से अन्तर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन हेतु भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा0 अ0 ज0 प्रा0) का गठन 27 अक्तूबर, 1986 को हुआ था, देखें भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 । भा0 अ0 ज0 प्रा0 राष्ट्रीय जलमार्ग (रा0 ज0) के रूप में घोषित जलमार्गों के विकास, अनुरक्षण और विनियमन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है। यह अ0 ज0 प0 से संबंधित सभी मामलों पर पोत परिवहन मंत्रालय को परामर्श भी देता है। राष्ट्रीय जलमार्गों से इतर जलमार्गों के विकास की जिम्मेदारी सम्बंधित राज्य सरकारों की है।

3. भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की भूमिका

भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 14 के अनुसार, भा0 अ0 ज0 प्रा0 को घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास और विनियमन का कार्य सौंपा गया है। अब तक, निम्नलिखित जलमार्गों की घोषणा राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप की गई है :–

(i) उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल राज्यों में (हल्दिया से इलाहाबाद तक – 1620 कि0 मी0) गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली की घोषणा रा0 ज0–1 के रूप में 1986 में की गई।

(ii) असम राज्य में (धुब्री से सदिया तक – 891 कि0 मी0) ब्रह्मपुत्र नदी की घोषणा रा0 ज0–2 के रूप में 1988 में की गई।

(iii) केरल राज्य में उद्योगमण्डल और चम्पाकारा कैनाल सहित कोट्टापुरम से कोल्लम तक पश्चिम तट कैनाल (205 कि0 मी0) की घोषणा रा0 ज0–3 के रूप में 1993 में की गई।

(iv) आंध्रप्रदेश, तमिल नाडु और संघशासित प्रदेश पुडुचेरी राज्यों में गोदावरी और कृष्णा नदियों सहित काकीनाडा – पुडुचेरी कैनाल (1078 कि0 मी0) की घोषणा रा0 ज0–4 के रूप में 2008 में की गई।

(v) पश्चिम बंगाल और उड़ीसा राज्यों में ब्राह्मणी नदी और महानदी डेल्टा सहित पूर्व तट कैनाल (588 कि0 मी0) की घोषणा रा0 ज0–5 के रूप में 2008 में की गई।

असम में बराक नदी के लखीपुर–भंगा प्रखण्ड (121 कि0 मी0) को रा0 ज0 6 के रूप में घोषित करने का कार्य सरकार के पास विचाराधीन है। इसके अतिरिक्त, पारगमन और व्यापार के लिए भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल के तहत सुंदरवन जलमार्ग के भारतीय क्षेत्रों का विकास और अनुरक्षण भा0 अ0 ज0 प्रा0 कर रहा है जिसके तहत एक देश का अन्तर्देशीय जलयान दूसरे देश के विनिर्दिष्ट मार्गों होकर पारगमन कर सकता है।

निम्नलिखित अवसंरचना मुहैया करके भा0 अ0 ज0 प्रा0 राष्ट्रीय जलमार्ग (रा0 ज0)–1, 2 और 3 को पूरी तरह कार्यकारी बनाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है :–

(क) लक्षित गहराई और चौड़ाई के साथ नाव्य जलपथ।
(ख) सड़क/रेल द्वारा प्रवेश और निर्गमन करने के लिए स्थायी और फ्लोटिंग टर्मिनल।
(ग) दिवस और रात्रि नौचालन के लिए सुविधाएं और
(घ) चैनल विकासात्मक कार्यों के लिए निकर्षक/जलयान

4. राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास

नौवहन और नौचालन हेतु किसी जलमार्ग को व्यवहार्य बनाने के लिए तीन मूलभूत अवसंरचनात्मक सुविधाओं की आवश्यकता होती हैं। ये हैं : (i) उपयुक्त आकार के अन्तर्देशीय जलयानों से ढुलाई करने के लिए पर्याप्त गहराई और चौड़ाई के साथ नौचालन चैनल, (ii) दिवस और रात्रि नौचालन के लिए नौचालन संबंधी सहायताएं और (iii) जलयानों की बर्थिंग, कार्गो/यात्रियों को चढ़ाने/उतारने तथा सड़क और रेल से सम्पर्क सुविधाएं मुहैया करने हेतु टर्मिनल।

राष्ट्रीय जलमार्ग 1 और 2 जलोढ़ नदियां हैं। इन नदियों की मुख्य विशेषताएं हैं– गुम्फल, टेढा–मेढा चलना और मानसून और गैर मानसून महिनों के दौरान जल स्तर में अधिक उतार–चढ़ाव होना। इन नदियों में कम वर्षा वाले मौसम के दौरान उथले क्षेत्र शोल बन जाते हैं और विशेषतः उपरी स्थानों में 2 मी0 न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एल.ए.डी.) का अनुरक्षण कठिन हो जाता है। इन नदियों में निर्बाध नौचालन सुविधाएं प्रदान करने के लिए नौचालानात्मक चैनल मुहैया करने के लिए प्रत्येक वर्ष मानसून के बाद संरक्षण कार्यों जैसे ड्रेजिंग और बंडालिंग से उथले स्थानों को हटाया जाता है। दूसरी तरफ, रा0 ज0–3, ज्वारीय नदियों और जल स्तर में एकरूपी ज्वारीय उतार चढाव सहित कैनालों से मिलकर बना है। अतः इस जलमार्ग में गहराई मुहैया कर देने के पश्चात समय–समय पर आवश्यकतानुसार मामूली अनुरक्षण निकर्षण द्वारा इस गहराई को वर्षों तक अनुरक्षित रखा जा सकता है। रा0 ज0 4 और 5, नहर और नदी प्रखण्डों से मिलकर बने हैं। रा0 ज0–4, में अपेक्षित गहराई को अनुरक्षित करने के लिए लॉक का प्रयोग करते हुए व्यापक रूप से निकर्षण की आवश्यकता होती है। इसी तरह, वार्षिक रूप से रा0 ज0–5 के नदी भागों के निचले स्थलों में निकर्षण की आवश्यकता पड़ती है, जबकि

जबकि नौचालन के लिए अपेक्षित गहराई को अनुरक्षित करने के लिए ब्रह्मणी नदी के उपरी स्थलों में नौचालानात्मक लॉक सहित पांच बांधों की सहायता से पानी इकट्ठा करना प्रस्तावित है।

5. **राष्ट्रीय जलमार्ग – 1**

[इलाहाबाद से हल्दिया तक गंगा भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली (रा0 ज0 1 – 1620 कि0 मी0)]

2012–13 के दौरान, रा0 ज0–1 में जलपथ, टर्मिनल और नौचालन सुविधाओं के विकास और अनुरक्षण के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :

जलपथ विकास –

जलयानों से निर्बाध और सुरक्षित जलयात्रा करने के लिए रा0 ज0 में जलपथ, लक्षित गहराई और चौड़ाई सहित नौचालानात्मक चैनल का अनुरक्षण किया जाना चाहिए। यह कार्य नदी संरक्षण कार्यों जैसे बंडालिंग और निकर्षण की सहायता से किया जाता था। वर्ष 2012–13 के दौरान संविदा द्वारा त्रिवेणी–राजमहल प्रखण्ड (399 कि0 मी0) में 3000 मी0 के बंडाल और राजमहल–चुनार प्रखण्ड (827 कि0 मी0) में 14,100 मी0 बंडाल स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त, भा0 अ0 ज0 प्रा0 के स्वामित्व वाले आठ कटर सक्शन ड्रेजरों (सी.एस.डी.) जैसे, सी. एस.डी. श्वेता, तापी, शिप्रा, जलंगी, महानंदा, अलकनंदा, यमुना, आई.डी.–IV और एक जलय सर्वेक्षण ड्रेजर की सहायता से त्रिवेणी–राजमहल प्रखण्ड में 5.48 लाख घन मीटर और राजमहल–चुनार प्रखण्ड में 5.69 लाख घन मीटर निकर्षण किया गया। एक एम्फिबियन ड्रेजर की अधिप्राप्ति करके फरक्का क्षेत्र में तैनात किया गया। इन कार्यों के फलस्वरूप, 2012–13 के दौरान रा0 ज0–1 के विभिन्न प्रखण्डों में निम्नलिखित न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एल.ए.डी.) अनुरक्षित की गई :–

(क)	हल्दिया–फरक्का प्रखण्ड (560 कि0 मी0)–		वर्ष भर 2.8 मी0
(ख)	फरक्का–बाढ़ प्रखण्ड (396 कि0 मी0)	–	लगभग 330 दिनों के लिए 2.5 मी0
(ग)	बाढ़–पटना प्रखण्ड (64 कि0 मी0)	–	लगभग 330 दिनों के लिए 2.2 मी0
(घ)	पटना–वाराणसी प्रखण्ड (363 कि0 मी0)	–	लगभग 240 दिनों के लिए 2.0 मी0
(ड.)	वाराणसी–इलाहाबाद (237 कि0 मी0)	–	लगभग 120 दिनों के लिए 1.5 मी0

टर्मिनलें –

गायघाट, पटना में दोनों निम्नतल जेट्टी और उच्चतल जेट्टी प्रचालन में है। दोनों जेट्टी, कंटनरों को हैंडिल करने में सक्षम है। जे0 आर0 जेट्टी, कोलकाता में स्थायी टर्मिनल का निर्माण कार्य प्रगति में है और यह कार्य मार्च 2013 तक लगभग 85% पूर्ण हो गया है। स्थायी जेट्टी पहले से ही विद्यमान है जिसका उपयोग पश्चिम बंगाल राज्य में फरक्का और पाकुड़ में किया जा रहा हे। रामनगर में भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा अधिग्रहित भूमि के साथ समुचित सड़क सम्पर्कता के अभाव के कारण वाराणसी टर्मिनल के निर्माण कार्य में अत्यधिक विलंब हो गया था। अतः टर्मिनल स्थल को एन0 एच0–7 से जोड़ते हुए समुचित सम्पर्क सड़क के निर्माण के लिए 1.85 हेक्टेयर अन्य भूमि के अधिग्रहण के लिए उत्तरप्रदेश सरकार की सहमति से एक प्रस्ताव तैयार किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार उक्त भूमि अधिग्रहण के लिए कदम उठा रही है।

इन स्थायी टर्मिनलों के अतिरिक्त हल्दिया, बीआईएसएन और बोटानिकल गार्डन (कोलकाता), शान्तिपुर, स्वरूपगंज, कटवा, हजारद्वारी, डी/एस फरक्का, यू/एस फरक्का, मंगलाहाट (राजमहल), समदाघाट (साहेबगंज), बटेश्वरस्थान, भागलपुर, मुंगेर, सिमरिया, बक्सर, गाजीपुर, वाराणसी और इलाहाबाद में भी फ्लोटिंग टर्मिनलें विद्यमान हैं। इन टर्मिनलों का समय–समय पर अनुरक्षण करके माल को चढ़ाने/उतारने, माल व्यवस्था में सहायता और जलयान पर चढ़ने/उतरने के लिए उपयोग किया जाता है।

अतः गायघाट–पटना में सी.पी.डब्ल्यू.डी. की सहायता से कार्यालय सह आर.आई.एस. भवन परिसर का निर्माण कार्य निर्माणाधीन है। यह कार्य मार्च, 2013 में लगभग 80% पूर्ण हो चुका है।

नौचालन सहायताएं –

त्रिवेणी और इलाहाबाद के बीच वर्श भर दिवस नौचालन हेतु चैनल चिन्ह मुहैया करके अनुरक्षित किए गए। पाक्षिक/मासिक रूप से तलस्पर्शी सर्वेक्षण करवा कर नदी संबंधी सूचनाएं जारी की गई और कार्गो/पर्यटक जलयानों को पायलटेज मुहैया की गई। त्रिवेणी और वाराणसी (1187 कि0 मी0) के बीच लाईटों/बीकनों से युक्त देशी नौकाओं/एमएस पोल्स द्वारा रात्रि नौचालन सुविधाएं अनुरक्षित की गई। डी.जी.पी.एस. तकनीक की नौचालन सहायताएं मुहैया करने के लिए अत्याधुनिक डीजीपीएस स्टेशन चालू किए गए हैं और यह स्टेशन भागलपुर, पटना और स्वरूपगंज में प्रचालन में है।

6. राष्ट्रीय जलमार्ग – 2

[सदिया से धुब्री तक ब्रह्मपुत्र नदी (रा0 ज0 2 – 891 कि0 मी0)]

2012–13 के दौरान, रा0 ज0–2 में जलपथ, टर्मिनल और नौचालन सुविधाओं के विकास और अनुरक्षण के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :

जलपथ विकास –

वित्तीय वर्ष के दौरान, सम्पूर्ण जलमार्ग में 17,460 मी0 के बंडाल खड़े और अनुरक्षित किए गए। इसके अतिरिक्त, दो कटर सक्शन ड्रेजर (सी.एस.डी.) जैसे सी.एस.डी. तेजू और सी.एस.डी. मनडोवी की सहायता से 0.94 लाख घन मीटर निकर्षण किया गया। फरवरी, 2013 के दौरान रा0 ज0–2 में सी.एस.डी. मनडोवी का प्रयोग किया गया। जलपथ में गहराई को बढ़ाने के लिए दो जलीय सर्वेक्षण ड्रेजर (एच.एस.डी.) एच.एस.डी. धनसीरी और एच.एस.डी. जय भोराली को तैनात किया गया। धुब्री–पांडु में 365 दिनों के लिए और पांडु–नीमाति में 230 दिनों के लिए 2.5 मी0 न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एल.ए.डी.) अनुरक्षित की गई। पांडु–डिब्रूगढ़ में 330 दिनों के लिए 2.0 मी0 न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एल.ए.डी.) और डिब्रूगढ़–ओरियमघाट (बालीजम) में 365 दिनों के लिए 1.5 मी0 एल.ए.डी. अनुरक्षित की गई।

टर्मिनलें –

पांडु में टर्मिनल का चरणबद्ध रूप से विकास करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया गया था। पांडु में एक निम्नतल जेट्टी को पहले ही प्रचालन में ले लिया गया है और 33.32 करोड़ रु. के लागत पर एक उच्चतल जेट्टी निर्माणाधीन है। मार्च, 2013 तक परियोजना में समग्र रूप से वास्तविक प्रगति 95 प्रतिशत हुई। 12.97 करोड़ रु. की लागत पर एन एफ रेलवे द्वारा पांडु टर्मिनल को कामाख्या रेलवे स्टेशन, गुवाहाटी से जोड़नेवाली ब्रॉड गेज साइडिंग का निर्माण किया गया। ट्रायल इंजन रन कार्य पूर्ण हो गया है और एन.एफ. रेलवे द्वारा राजपत्रित अधिसूचना के जारी हो जाने के पश्चात बी.जी. साइडिंग का प्रचालन शुरू हो जाएगा। सी.पी.डब्ल्यूडी. द्वारा रु. 4.64 करोड़ की लागत से पांडु टर्मिनल पर अन्य विकासात्मक कार्य जैसे तटरक्षण, आंतरिक सड़क प्रणाली का निर्माण/मरम्मत, जलनिकासी कार्य, हार्ड स्टैंड इत्यादि प्रगति पर है और पांडु में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी, भा0 अ0 ज0 प्रा0 में रु. 4.61 करोड़ की अनुमानित लागत से बनने वाले कार्यालय सह नदी सूचना प्रणाली के निर्माण के लिए एक अन्य योजना के लिए मंजूरी प्रदान की गई। यह निर्माण कार्य सी.पी.डब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है। मार्च, 2012 के दौरान रु. 12.32 करोड़ की लागत पर भारी यातायात की आवाजाही हेतु पांडु टर्मिनल को एन0 एच0–31 से जोड़ने के लिए वैकल्पिक सड़क के निर्माण के लिए प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की और यह निर्माण कार्य पी.डब्ल्यू.डी. (एन.एच. मण्डल) को सौंपा गया। हालांकि, उक्त भूमि पर स्थानीय लोगों के अनधिकृत अतिक्रमण के कारण सड़क का निर्माण कार्य कार्यान्वित नहीं किया गया। असम सरकार और एन0 एफ0 रेलवे से अनधिकृत अतिक्रमण को हटाकर भूमि को भा0 अ0 ज0 प्रा0 को सौंपने के लिए अनुरोध किया जा रहा है।

भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने दो रो–रो टर्मिनल एक धुब्री में और दूसरा हतसिंगमारी (धुब्री में ब्रह्मपुत्र नदी का विपरीत तट) में तैयार करने की योजना के लिए क्रमशः 28.98 करोड़ और रु. 33.31 करोड़ लागत की राशि की मंजूरी प्रदान की और यह कार्य जनवरी, 2013 के दौरान सी.पी.डब्ल्यू.डी. को सौंपा गया। इन टर्मिनलों की सहायता से घुमावदार सड़क रास्ते (220 कि0 मी0) की बजाय जोगीघोपा से होते हुए मेघालय से धुब्री (29 कि0मी0) तक सीधी अ0 ज0 प0 सम्पर्कता मुहैया हो जाएगी।

धुब्री, जोगीघोपा, तेजपुर, सिलघाट, नीमाती, बोगीबील, डिब्रूगढ़, सेंगाजन/पनबाड़ी और ओरियमघाट में माल की ढुलाई के लिए तैरते टर्मिनलों को सुविधा मुहैया करके अनुरक्षित किया गया। हतसिंगमारी, धुब्री, सिलघाट, विश्वनाथघाट, नीमाती, डिब्रूगढ़ और ओरियमघाट पर टर्मिनल की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

नौचालन सहायताएं –

संपूर्ण जलमार्ग में दिवस नौचालन हेतु चैनल चिन्ह मुहैया करके अनुरक्षित किए गए। धुबी और सिलघाट के बीच रात्रि नौचालन सुविधाएं भी मुहैया और अनुरक्षित की गई। मांग करने पर बहुत कम समय में शेष खंडों में रात्रि नौचालन सुविधाएं भी मुहैया की जा सकती है। अ0 ज0 प0 प्रचालकों को फेयरवे से संबंधित जानकारी मुहैया करने के लिए संपूर्ण जलमार्ग में पाक्षिक/मासिक आधार पर तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराकर नदी संबंधी सूचनाएं जारी की गई। इन सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए "डी.जी.पी.एस. तकनीकी का प्रयोग नौचालन" में करने हेतु अत्याधुनिक डी.जी.पी.एस. स्टेशनों को चालू किया गया और जोगीघोपा, सिलघाट और डिब्रूगढ में प्रचालन में किया गया है। धुब्री में एक अन्य स्टेशन की स्थापना का कार्य प्रगति में है।

7. राष्ट्रीय जलमार्ग – 3

[कोल्लम से कोट्टापुरम और उद्योगमंडल और चम्पाकारा कैनाल तक पश्चिम तट कैनाल (रा0 ज0 3 – 205 कि0 मी0)]

2012–13 के दौरान, रा0 ज0–3 में जलपथ, टर्मिनल और नौचालन सुविधाओं के विकास और अनुरक्षण के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :

जलपथ विकास –

रा0 ज0–3 एक ज्वारीय जलमार्ग है। इस जलमार्ग के चार सामुद्रिक मुहाने क्रमशः मुनांबम, कोची, कायमकुलम और निंदाकारा स्थानों पर है। यह विचार किया गया कि रा0 ज0–3 में नौचालन के लिए 2 मी0 की गहराई सहित चौड़े खण्डों में 38 मी0 और संकरे खण्डों में 32 मी0 की चौड़ाई के नौचालन चैनल का विकास किया जाएगा। उपर्युक्त आकार के नौचालन चैनल का विकास करने के लिए लगभग 87 कि0 मी0 से अधिक लंबाई तक 40.33 लाख घन मीटर भारी निकर्षण करने पर विचार किया गया था। निकर्षण करने के लिए, सम्पूर्ण रा0 ज0–3, को 7 खण्डों में विभाजित किया गया था– i) चम्पाकारा कैनाल ii) उद्योगमण्डल कैनाल, iii) कोट्टापुरम–कोची, iv) कोची–अलापुझा, v) अलापुझा–कायमकुल्लम, vi) कायमकुल्लम–इडापल्लीकोट्टा और vii) इडापल्लीकोट्टा–कोल्लम। भारी निकर्षण का कार्य चम्पाकारा कैनाल, उद्योगमण्डल कैनाल, कोट्टापुरम कोची और कोची–अल्लापुझा खण्ड में पूर्ण हो गया है और अन्य खण्डों में यह कार्य प्रगति में है। मार्च, 2013 तक भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने 30 लाख घन मीटर निकर्षण कार्य पूर्ण कर लिया, जिसके फलस्वरूप, चम्पाकारा और उद्योगमण्डल कैनाल (155 कि0 मी0) सहित कोट्टापुरम से अलापुझा (तकाझी जेट्टी) तक लक्षित नौचालात्मक चैनल मुहैया किए गए।

अनुबंध माध्यम से अलापुझा–कायमकुलम और कायमकुलम–इडापल्लीकोट्टा खंडों में भारी निकर्षण कार्य किया जा रहा है। इडापल्लीकोट्टा–कोल्लम खंड में 5 विभागीय ड्रेजरों (3 कटर सक्शन ड्रेजर और 2 एम्फिबियन ड्रेजर) की सहायता से निकर्षण किया जा रहा है। इडापल्लीकोट्टा–कोल्लम प्रखण्ड में हार्ड स्ट्राटा (लगभग 18000 घन मीटर मात्रा) है। हार्ड स्ट्राटा को हटाने के लिए विभिन्न तरीके को अपनाने के पश्चात्, भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने एक एम्फिबियन ड्रेजर की अधिप्राप्ति की जिसमें पानी के भीतर हार्ड स्ट्राटा को तोड़ने के लिए एक विशेष हाइड्रॉलिक हैमर लगा हुआ है। यह विशेष ड्रेजर पानी के भीतर हार्ड स्ट्राटा को हटाने के लिए उपयुक्त है और फरवरी, 2012 से इस प्रखण्ड में कार्य प्रगति पर है। हार्ड स्ट्राटा को हटाने के कार्य को तीव्रता से पूर्ण करने के लिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने फरवरी, 2013 के दौरान, एक और एम्फिबियन ड्रेजर को तैनात किया। दिसम्बर, 2013 तक अलापुझा–कोल्लम प्रखण्ड में कैनालों के निकर्षण और चौड़ा करने का कार्य पूर्ण हो जाने की सम्भावना है। इस निकर्षण कार्य को निर्बाध रूप से कार्यान्वित करने के लिए स्थानीय लोगों के निरंतर सहयोग की अनिवार्यता है।

सुरक्षित नौचालन के लिए कैनाल तटों का अपरदन से बचाव करना अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलाप है। मार्च, 2013 में चम्पाकारा और उद्योगमण्डल कैनाल में 14.67 कि0 मी0 कैनल तट में स्थायी तट रक्षण मुहैया किया गया है। अलापुझा और कोल्लम में भी जहां विद्यमान चैनल को चौड़ा करने की आवश्यकता है, वहां भारी निकर्षण के साथ–साथ तट रक्षण आवश्यकतानुसार मुहैया किए जा रहे हैं। मार्च, 2013 तक 2.77 कि0 मी0 तट रक्षण कार्य मुहैया किए गए।

निकर्षण सामग्री के निर्वहन, अधिक तट रक्षण की मांग, निरंतर कार्य में रूकावटों और स्थानीय लोगों द्वारा मुकदमेबाजी इत्यादि से संबंधी विभिन्न स्थानीय मामलों के कारण रा0 ज0–3 में भारी निकर्षण और इसका चौड़ा करने के कार्य की प्रगति में अत्यधिक बाधाएं आई। इन मामलों के समाधान के लिए, उच्चतम स्तर तक राज्य सरकार के साथ निरंतर अंतःक्रिया की गई।

टर्मिनलें –

टर्मिनलों की स्थापना के लिए विचार किए गए 11 स्थानों में से आठ स्थानों यथा–कोट्टापुरम, अलुवा, मरदु (कोची), वैकोम, चरतला (थनीरमुखम), त्रिकुनापुझा, कायमकुलम (आईराम थेंगु) और कोल्लम पर पहले ही टर्मिनल का निर्माण किया जा चुका है। रु. 9.04 करोड़ की लागत पर अलापुझा में एक टर्मिनल का निर्माण प्रगति पर है। शेष दो स्थानों यथा–कक्कानाडु और चावड़ा में टर्मिनलों का निर्माण कार्गो उपलब्धता के निश्चित होने पर दूसरे चरण में करने का प्रस्ताव है। प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए और निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कोट्टापुरम, अलुवा, मरदु (कोची), वैकोम, चरतला (थनीरमुखम), त्रिकुनापुझा, कायमकुलम, कोल्लम और अलापुझा (निर्माणाधीन) में अ0 ज0 प0 टर्मिनलों का प्रचालन और अनुरक्षण निजी क्षेत्र के माध्यम से कराने का प्रस्ताव है, जो खुली बोली प्रक्रिया द्वारा होगा।

रो–रो सुविधा युक्त दो अ0 ज0 प0 कंटेनर टर्मिनलें–एक बोलगट्टी में और दूसरा विलिंगडन आइलैंड में स्थित टर्मिनल का निर्माण कोचीन पत्तन न्यास के माध्यम से भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा कराया गया है ताकि आई.सी.टी.टी. वल्लारपदम को सम्बद्धता मुहैया किया जा सके और वल्लारपदम को जाने वाले ट्रक/ट्रेलर को कोची शहर के भीड़भाड़ वाली सड़कों से होकर गुजरने की आवश्यकता नहीं पड़े। ये टर्मिनलें 23/02/2011 से प्रचालन में हैं। मार्च, 2012 में रो–रो सुविधा की सहायता से 20 फीट वाले 28,688 और 40 फीट वाले 14,551 कंटेनरों द्वारा इन टर्मिनलों के बीच ढुलाई की गई।

8. राष्ट्रीय जलमार्ग – 4 और 5

हालांकि नवंबर, 2008 में दोनों जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्गों के रूप में घोषित कर दिया गया है, परंतु, इन राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास के लिए 11वीं योजना के दौरान कोई निधि आवंटित नहीं की गई। योजना आयोग के सुझाव के अनुसार, भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने व्यवहार्य गैप फण्डिंग (वी.जी.एफ.) की सहायता से पी.पी.पी. के माध्यम से व्यावसायिक रूप से अधिक विकासक्षम रा0 ज0–4 और 5 के प्रखण्डों के विकास की सम्भावना को तलाशा। तदनुसार, इन जलमार्गों केशेयर धारकों के साथ अंतःक्रिया की गई और अत्यधिक व्यावसायिक प्रखण्डों को अभिज्ञात किया गया। भारत अवसंरचना परियोजना विकास निधि (आई.आई.पी.डी.एफ.) और पी.पी.पी. पायलट प्रोजेक्ट इनिसिएटिव स्किम के तहत् आर्थिक कार्य विभाग (डी.ई.ए.) और एशियन विकास बैंक (ए.डी.बी.) ने इन परियोजनाओं के विकास के लिए मार्च, 2012 में मेसर्स ग्रांट थारटन को व्यापार सलाहकार के रूप में नियुक्त किया। परामर्शदाता ने अक्तूबर, 2012 में चरण–। अध्ययन रिपोर्ट की प्रारूप परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की। भा0अ0ज0प्रा0 द्वारा जारी टिप्पणियों के आधार पर परामर्शदाता से संशोधित रिपोर्ट प्राप्त होने की सम्भावना है, तदुपरांत पूंजी निवेश पर निर्णय लिया जाएगा।

9. प्रस्तावित राष्ट्रीय जलमार्ग – 6

लखीपुर से भंगा (121 कि0 मी0) तक बराक नदी को राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषित करना सरकार के विचाराधीन है। मेसर्स लारसन एण्ड टूब्रो द्वारा तैयार की गई डी.पी.आर. के आधार पर मंत्रालय को रु. 123.3 करोड़ की आंकलित लागत का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। मंत्रिमंडल नोट को परिचालित करके और मंत्रिमंडल से प्रस्ताव की औपचारिक सहमति लेने के पश्चात् दिनांक 22.03.13 को घोषणा के लिए बिल राज्य सभा में प्रस्तुत किया गया। जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मामलों को संसदीय स्थायी समिति को प्रेषित किया गया।

10. पारगमन एवं व्यापार पर भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल

भारत–बांग्लादेश सरकार ने दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्य के लिए अपने जलमार्गों का प्रयोग करने हेतु एक समझौता किया। अंतर–देश व्यापार के लिए कुछ अ0 ज0 प0 मार्ग जैसे (i) कोलकाता–सिलघाट–कोलकाता, (ii) कोलकाता–करीमगंज–कोलकाता, (iii) राजशाही–दहुलियन–राजशाही और (iv) सिलघाट–करीमगंज–सिलघाट का निर्माण किया गया। प्रत्येक देश में 5 पोर्ट ऑफ कॉल निर्दिष्ट किए गए। यह है : भारत में हल्दिया, कोलकाता, पांडु, करीमगंज और सिलघाट और बांग्लादेश में नारायणगंज, खुलना, मोंगला, सिराजगंज और आशुगंज। इस प्रोटोकॉल को दिनांक 31.03.2014 तक बढ़ाया गया है। इस प्रोटोकॉल के तहत् प्रत्येक वर्ष कोलकाता/हल्दिया और बांग्लादेश के बीच 15 लाख से अधिक फ्लाई ऐश की ढुलाई की जाती है। जुलाई, 2012 में भारत और बांग्लादेश के बीच ढांका में आयोजित पोत परिवहन सचिव स्तर की वार्ता के दौरान यह प्रस्तावित किया गया कि व्यापार समझौते सहित प्रोटोकॉल की वैधता बंद की जाएगी।

11. राष्ट्रीय अन्तर्देशीय नौवहन संस्थान (निनी)

भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने पटना में निनी का निर्माण किया और निनी फरवरी, 2004 से क्रियाशील है। निनी में नियमित रूप से डेक और इंजन रेटिंग के लिए इंडक्शन पाठ्यक्रम, सेरांग और ड्राइवरों के लिए प्रारंभिक पाठ्यक्रम, मूल और उन्नत निकर्षण पाठ्यक्रम, जलीय सर्वेक्षकों के लिए पुनःचर्या पाठ्यक्रम, जलयानों की मरम्मत और अनुरक्षण इत्यादि आयोजित किए जाते हैं। अब तक निनी में अ0 ज0 प0 क्षेत्र के लिए 1700 से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया। मेसर्स ए.आर.आई. द्वारा संस्थान का प्रशासन और प्रबंध किया जाता है। फरवरी, 2010 के दौरान निनी को आई.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाण पत्र दिया गया। 13वें और 14वें बैच के प्रशिक्षु को 100% रोजगार प्राप्त हो गया है और 15वें बैच के 50% प्रशिक्षु को रोजगार प्राप्त हुआ है। शिक्षु अधिनियम के तहत् भा0 अ0 ज0 प्रा0 के जलयानों पर निनी प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की नियुक्ति के लिए एक योजना को कार्यान्वित किया गया। मार्च, 2010 में ''अन्तर्देशीय जलयान में मैन्यूवियरिंग सिमुलेटर'' की स्थापना उसे चालू किया गया। इसके अतिरिक्त, भा0 अ0 ज0 प्रा0 और मेसर्स ए.आर.आई. के बीच 50:50 राजस्व शेयरींग, आधार पर निनी में एक ''मैरिन सिमुलेटर सेंटर'' की स्थापना की गई और अब तक, इस सेंटर में 26 उम्मीदवारों को प्रशिक्षिण दिया जा चुका है। यह संस्थान डी. जी. पोत परिवहन द्वारा नदी, समुद्र जलयानों और तटीय जलयानों के लिए जनशक्ति प्रदान करने के लिए नौचालनात्मक वॉच किपिंग ऑफिसर पाठ्यक्रमों को आयोजित करने के लिए अनुमोदित किया गया। 15 अप्रैल, 2012 में पहला पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। यह संस्थान, बिहार सरकार को नौका नियमावली, 2010 और बिहार सरकार के लिए IV नियमावली को तैयार करके अनुपालन करने हेतु सहायता भी प्रदान करता है। आई.एम.यू. से अ0 ज0 प0 क्षेत्र में डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए अनुमोदन की प्रक्रिया प्रगति में है।

भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कार्मिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और तकनीकी पाठ्यक्रम निनी में भी आयोजित किए गए। भा0 अ0 ज0 प्रा0 के सर्वेक्षकों को उच्च तकनीकी उपकरणों जैसे ए0डी0सी0पी0 कुल स्टेशन, डी0जी0पी0एस0 रेफरेंस स्टेशन, साइड स्केन सोनार, सब–बॉटम प्रोफाइलर, ज्वार मापक इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभिन्न सर्वेक्षण उपकरणों के प्राधिकृत आपूर्तिकर्ताओं को आमंत्रित किया गया। सितंबर, 2012 के दौरान निनी, पटना में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

निनी, पटना में सर्वेक्षण उपकरण एवं डाटा प्रोसेसिंग पर आधारित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए सभी सर्वेक्षक

निनी में उच्च तकनीकी उपकरणों का प्रशिक्षण

निनी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

अन्तर्देशीय नौचालन सिमुलेटर का निरीक्षण करती हुई श्रीमती वी. कुमार, वरिष्ठ परिवहन सलाहकार, योजना आयोग

समापन समारोह
उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को प्रमाण–पत्र देते हुए श्री सुरेश कुमार सिन्हा, भा.प्र.से., अपर सचिव (परिवहन), बिहार सरकार

समापन समारोह
उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को शील्ड प्रदान करते हुए कमाण्डर पी. के. श्रीवास्तव, सचिव, कार्यक्रम सलाहकार समिति, निनी

	प्रतिभागियों की संख्या							
माह	बीटीएम	ईसीडीआईएस	आरएमआई	एलएसएचएस	एलसीएचएस	आरओसी	एआरपीए	एसएमएस
अप्रैल-12	8	6						
मई-12	11	11	1					
जून-12	4	10	1					
जुलाई-12	5	17	1					
अगस्त-12	2	4	1					
सितंबर-12	3	7						
अक्तूबर-12	8	6						
नवंबर-12	7	12		1				
दिसंबर-12	7	12		1	1			
जनवरी-13	2	5			1	2	2	
फरवरी-13	3	7				7	5	5
मार्च-13		11				6	4	

बीटीएम–ब्रीज टीम प्रबंधन

ईसीडीआईएस–इलेक्ट्रॉनिक चार्ट डिस्पले इन्फॉर्मेशन सिस्टम

आरएमआई–आपदा प्रबंधन

एलएसएचएस–लार्ज शीप हैंडलिंग सिमुलेटर

एलसीएचएस–लिक्विड कार्गो हैंडलिंग सिमुलेटर

आरओसी –रडार आब्जर्बर्स कोर्स

एआरपीए–ऑटोमेटिक रडार प्लोटिंग ऐड

एसएमएस –शीप मैन्यूरिंग सिमुलेटर

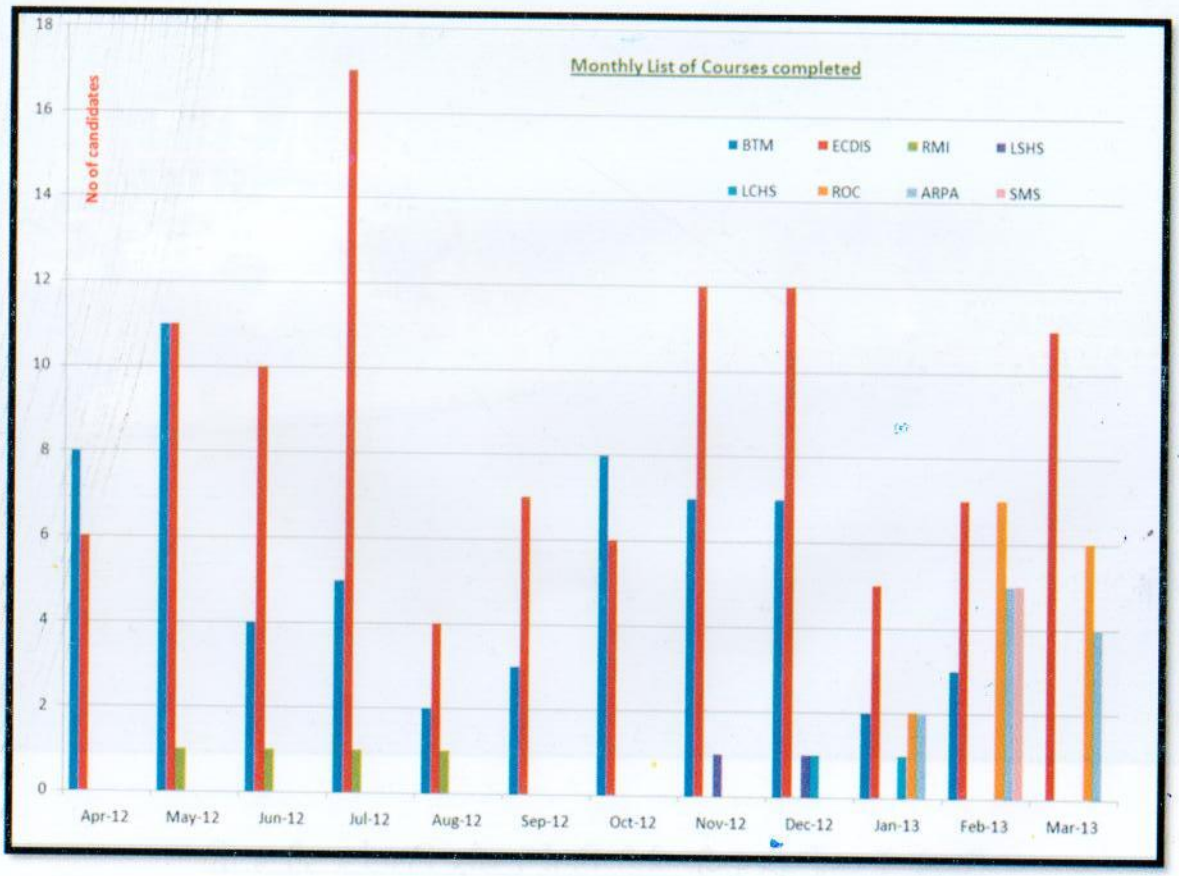

12. इण्डो–म्यांमार कालादान मल्टीमॉडल पारगमन परिवहन परियोजना

यह परियोजना विदेश मंत्रालय की संकल्पना थी, जिससे म्यांमार में कालादान नदी से हल्दिया/कोलकाता पत्तनों के साथ मिजोरम को वैकल्पिक सम्पर्कता मुहैया की जा सके। इस परियोजना में हल्दिया से सिटवे तक तटीय नौवहन/समुद्रीय नौवहन, सिटवे से पलेतवा (म्यांमार में) तक अ0 ज0 प0 और तदुपरांत पलेतवा से मिजोरम तक सड़क द्वारा ढुलाई करने पर विचार किया गया। यह परियोजना विदेश मंत्रालय द्वारा संचालित और निधिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने अ0 ज0 प0 घटकों के लिए दिनांक 19.03.09 को स्वीकार पत्र द्वारा भा0 अ0 ज0 प्रा0 को परियोजना विकास परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया। इसके फलस्वरूप, विदेश मंत्रालय ने रु. 342 करोड़ की लागत से पत्तन और अ0 ज0 प0 घटकों के निर्माण के लिए एक भारतीय संविदाकार (मेसर्स एस्सर प्रोजेक्ट (आई) प्राइवेट लिमिटेड) को नियुक्त किया। सिटवे और पलेतवा पर पत्तन सुविधाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। 300 टन माल के छः जलयानों का निर्माण कार्य भी प्रगति में है। 7.9 मी0 गहरे सम्पर्क चैनल के विकास के लिए सिटवे पत्तन में लगभग 11 लाख घन मीटर का भारी निकर्षण कार्य पूर्ण हो चुका है। मार्च, 2013 तक सम्पूर्ण कार्य की प्रगति लगभग 50% थी।

सिटवे में आई.डब्ल्यू.टी. जेट्टी निर्माण और निकर्षण की प्रगति

सिटवे में पत्तन और बैकअप सुविधाओं के निर्माण की प्रगति

13. फरक्का में एन.टी.पी.सी. पावर प्लांट के लिए कोयले की ढुलाई

एन0टी0पी0सी0 ने जुलाई, 2010 में अ0 ज0 प0 माध्यम से सात वर्षों के लिए हल्दिया से फरक्का तक 3 एम.एम.टी.पी.ए. आयातित कोयले की ढुलाई के लिए लिखित प्रतिबद्धता दी। तदुपरांत, भा0 अ0 ज0 प्रा0 और एन0टी0पी0सी0 ने निजी क्षेत्र से पूर्ण निवेश प्राप्ति पर विचार करने के लिए एक परियोजना को तैयार किया। इस परियोजना के अंतर्गत (क) हल्दिया में अवसंरचना ट्रांसशिपमेंट (ख) 3 एम.एम.टी.पी.ए. कोयले की ढुलाई के लिए बार्ज/अन्तर्देशीय जलयानें (ग) फरक्का में जेट्टी को उतारना और (घ) फरक्का में नदी के तट से पावर प्लांट के कोयले स्टेक यार्ड तक सामग्री हैंडलिंग/कन्वेयर बेल्ट प्रणाली सम्मिलित हैं। खुली प्रतिस्पर्द्धात्मक संविदा के उपरांत, मेसर्स जिंदल आई0टी0एफ0 लिमिटेड को संचालक के रूप में चयनित किया गया, जिसको फ़रक्का में ट्रांसशीपर, बार्जों और अवसंरचना को उतारने के लिए लगभग रु. 650–700 करोड़ की राशि का निवेश करना होगा। सैंडहैंड में ट्रांसशीपर को स्थापित किया गया, 17 बार्जों का निर्माण किया गया है और इनका पंजीकरण कार्य पूरा किया गया। कन्वेयर प्रणाली का निर्माण कार्य निर्माणाधीन है और जुलाई, 2013 तक इस कार्य के पूर्ण हो जाने की सम्भावना है। जेट्टियों का निर्माण कार्य और क्रेनों को स्थापित करने का कार्य पूरा किया गया। सितंबर/अक्तूबर 2013 तक कोयले की ढुलाई प्रारंभ हो जाने की संभावना है।

इस परियोजना की प्रगति से प्रभावित होकर भा0 अ0 ज0 प्रा0 और एन0 टी0 पी0 सी0 ने बाढ़ (पटना के समीप) में एन0 टी0 पी0 सी0 के 3300 एम0 डब्ल्यू0 सुपर थर्मल पावर प्लांट के लिए 10 वर्षों के लिए 3 एम.एम.टी.पी.ए. कोयले की ढुलाई हेतु एक समरूपी परियोजना को भी तैयार किया। प्रत्याशित संविदाकारों के साथ विस्तृत अंत:क्रिया करने के उपरांत, इस परियोजना के लिए एक आर0एफ0डी0 भी आमंत्रित की जाएगी और 2013–14 के दौरान इस परियोजना को अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा।

14. तकनीकी–आर्थिक अध्ययन

वर्ष 2009–10 के दौरान गोदावरी और कृष्णा नदियों सहित काकीनाड़ा–पुदुचेरी कैनालों और ब्राह्मणी नदी और महानदी डेल्टा सहित पूर्व तट कैनाल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी पूरी हो गई है और इनका ई.आई.ए./ई.एम.पी. अध्ययन चरम सीमा पर है। दो तकनीकी अध्ययनों को अंतिम रूप प्रदान करने का कार्य प्रगति में है। यह अध्ययन है : (क) गोवा जलमार्गों के डी.पी.आर. (ख) बराक नदी के डी.पी.आर.। अग्रलिखित अध्ययनों का कार्य प्रगति में है : (क) अन्तर्देशीय सह तटीय जलयान के प्रतिमान का डिजाइन (ख) रा0 ज0–1 के इलाहाबाद–गाजीपुर प्रखण्ड में 3 मी0 एल0 ए0 डी0 मुहैया करने के लिए तकनीकी व्यवहार्यता और (ग) रा0 ज0–3 के उत्तर और दक्षिण भाग की ओर से विस्तार करने के लिए समीक्षा व्यावहारिकता अध्ययन। पी.एम.ओ. के आदेशानुसार, मेसर्स राइट्स के द्वारा एकीकृत राष्ट्रीय जलमार्ग परिवहन ग्रिड पर आधारित अध्ययन को प्रारंभ किया गया। सरकार से भा0 अ0 ज0 प्रा0 को अनुदान सहायता जारी रखने के लिए एक शर्त्त के रूप में आई.एम.यू. द्वारा 11वीं योजना से 12वीं योजना तक जारी स्कीमों के तृतीय पक्ष मूल्यांकन अध्ययन को प्रारंभ किया गया। पोत परिवहन मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी गई।

15. वर्ष 2012–13 के दौरान सर्वेक्षण गतिविधियां

जलमार्ग के जलीय आकृति विज्ञान स्थिति को आंकने के लिए नियमित रूप से जलीय सर्वेक्षण कराए गए। भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने अत्याधुनिक सर्वेक्षण एवं संचार उपकरण से लेंस 18 अत्याधुनिक सर्वेक्षण लांच (रा0 ज0–1 में 12 + रा0 ज0–2 में 6 + रा0 ज0–3 में 1) की प्राप्ति की। नौचालानात्मक चैनल में विद्यमान गहराई को मापने के लिए रा0 ज0–1, 2, 3 और सुंदरवन में पाक्षिक/मासिक आधार पर तलस्पर्शी सर्वेक्षण, जो अधिकतम गहराई मार्ग सहित सिंगल लाईन लोंगिटूडनल सर्वेक्षण है, कराए गए। अ0 ज0 प0 उपभोक्ताओं/चालकों को नवीनतम नौचालानात्मक सूचना प्रदान करने के लिए तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराने के पश्चात् नदी सूचनाएं जारी की गई। इसके अतिरिक्त, कम वर्षा वाले मौसम के दौरान

यदि किसी भी स्थान पर नौचालानात्मक चैनल की गहराई में कमी पाई जाती है, तो उस स्थान को सीमांकित करके नदी संरक्षण कार्य जैसे निकर्षण और बंडालिंग करने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण कराए जाएंगे। प्रगतिशील और उत्तर निकर्षण/बंडालिंग सर्वेक्षण की सहायता से निकर्षण और बंडालिंग के प्रभावों का निरीक्षण किया जाता है। टर्मिनल सर्वेक्षण वर्ष में दो बार कराए जाते हैं, जेट्टी के लिए सम्पर्क चैनल में गहराई को आंकने के लिए एक सर्वेक्षण मानसून से पहले और दूसरा मानसून के बाद।

225 उथले स्थलों पर विभागीय स्तर पर कराए गए पूर्व/उत्तर बंडालिंग और निकर्षण सर्वेक्षणों का ब्यौरा नीचे प्रस्तुत है :–

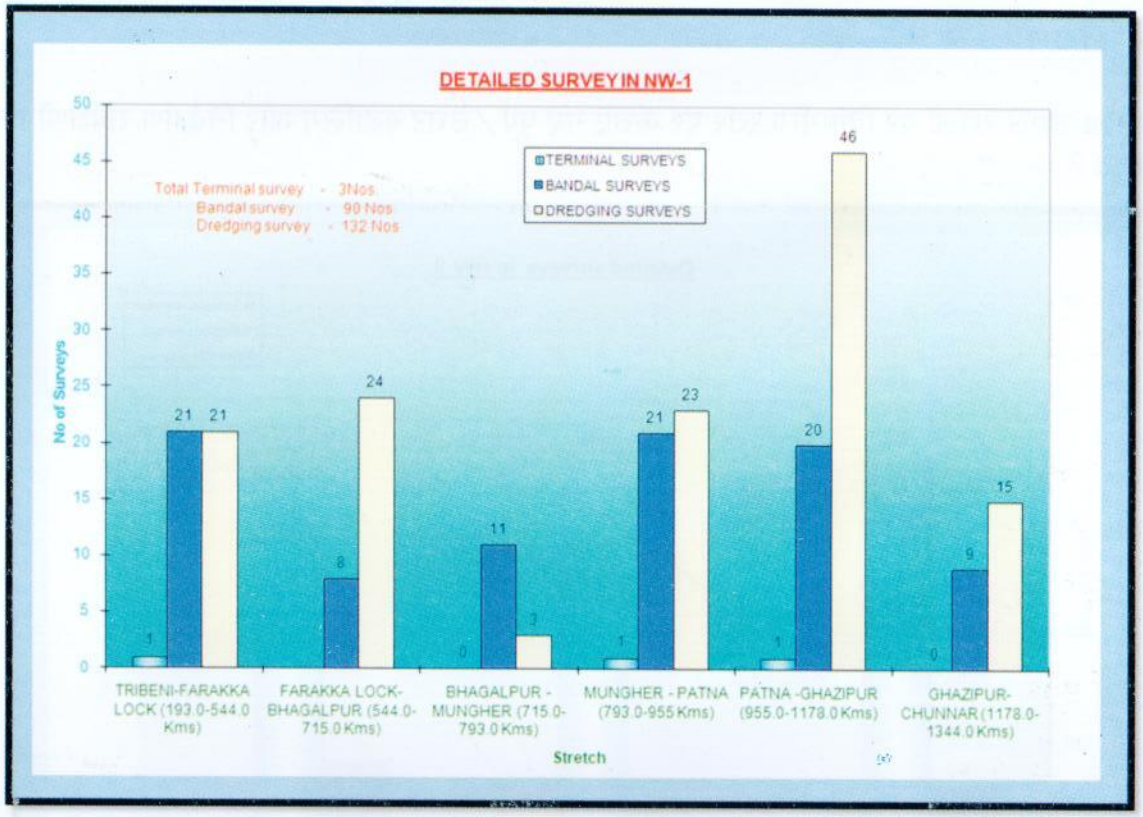

टर्मिनल सर्वेक्षण

त्रिवेणी–फरक्का प्रखण्ड में बी.टी.पी.एस. जेट्टी, त्रिवेणी (194.0) में, और मुंगेर–पटना प्रखंडों में सीमारीया (851.0) और गायघाट (955.0) में टर्मिनल सर्वेक्षण कराए गए।

अन्य सर्वेक्षण

उपरोक्त विभागीय सर्वेक्षणों के अतिरिक्त बाढ़ वाले मौसम के दौरान फरक्का–बाढ़ प्रखण्ड में तट से तट सर्वेक्षण भी कराए गए।

भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (सुंदरवन)

भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में सिल्वर ट्री प्वाईंट से बेहारीखल (बांग्लादेश सीमा) तक मासिक रूप से तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए। कुल 1,872 लाइन कि0 मी0 तलस्पर्शी सर्वेक्षण करके भा0 अ0 ज0 प्रा0 वेबसाइट पर नदी सूचनाएं प्रकाशित की गई।

राष्ट्रीय जलमार्ग – 2

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

विभागीय तलस्पर्शी सर्वेक्षणों को पाक्षिक रूप से संचालित करके नदी सूचनाएं जारी (हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में) की गई। वर्ष के दौरान, कुल 15249 लाईन कि0 मी0 तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए।

विस्तृत सर्वेक्षण

128 उथले स्थलों पर विभागीय स्तर पर कराए गए पूर्व / उत्तर बंडालिंग और निकर्षण सर्वेक्षणों का ब्यौरा नीचे प्रस्तुत है :–

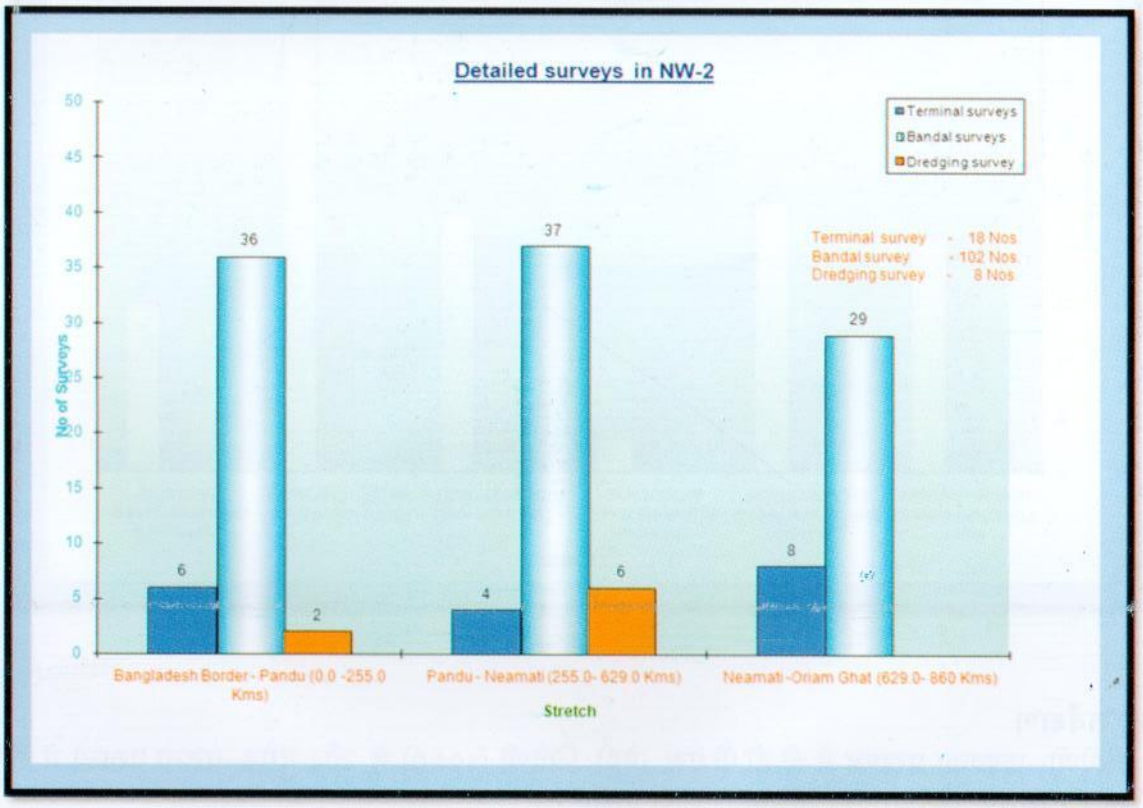

टर्मिनल सर्वेक्षण

चालू वर्ष के दौरान हतसिंगमारी (2), धुब्री (32), जोगीघोपा (108), सिलघाट (441), तेजपुर (भूमरागुरी) (470), विश्वनाथ (470), नीमाति (629), दिखोमुख (660), बोगीबील (738), सेंगाजन (775) और ओरियमघाट (860) में टर्मिनल सर्वेक्षण कराए गए।

अन्य सर्वेक्षण

मई–जून, 2012 के दौरान धुब्री में 25 कि0 मी0 की लम्बाई तक तट से तट तक सर्वेक्षण कराए गए और हतसिंगमारी में 4 कि0 मी0 की लम्बाई तक क्रॉस सेक्शनल सर्वेक्षण कराए गए। उपरोक्त के अतिरिक्त, ओ.डी.सी. की ढुलाई के लिए नदी में नौगम्यता का मूल्यांकन करने के लिए लोहित नदी और डिबांग नदी में क्रमशः 81 कि0 मी0 और 42 कि0 मी0 की लम्बाई तक आवीक्षण सर्वेक्षण कराए गए।

डी0 जी0 पी0 एस0 आधारित नौचालन प्रणाली

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 और राष्ट्रीय जलमार्ग–2 में सुरक्षित और दक्षतापूर्वक जलयानों के प्रचालन के लिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने रा0 ज0–1 में रु. 9.71 करोड़ की लागत पर और रा0 ज0–2 में रु. 7.91 करोड़ की लागत पर डिफ्रेन्शियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डी.जी.पी.एस.) रेफरेंश स्टेशनों के लिए परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। इसके अनुसार, रा0 ज0–1 में स्वरूपगंज, भागलपुर, पटना और वाराणसी और रा0 ज0–2 में जोगीघोपा, सिलघाट और डिब्रूगढ़ पर डी0 जी0 पी0 एस0 स्टेशनों को स्थापित करने के लिए विचार किया गया। इन स्टेशनों को इस तरह से नियोजित किया गया है कि 150 कि0 मी0 की त्रिज्या में सब–मीटर परिशुद्धता के साथ कवर किया जा सकता है। स्वरूपगंज, भागलपुर और पटना के स्टेशन को चालू किया गया और यह स्टेशन रा0 ज0–1 पर प्रचालन में है। इसी प्रकार, जोगीघोपा और डिब्रूगढ़ के स्टेशनों को भी चालू किया गया और यह स्टेशन रा0 ज0–2 पर प्रचालन में है। कार्य पूरा होने के बाद आगामी वर्ष के दौरान अन्य स्टेशनों के चालू होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में सुरक्षित और प्रभावी नौचालन हेतु सुविधाएं प्रदान करने के लिए रु. 2.2 करोड़ की लागत पर धुब्री में एक अतिरिक्त स्टेशन को स्थापित करने के लिए परियोजना को संस्तुति प्रदान की और यह कार्य प्रगति में है।

डी.जी.पी.एस. स्टेशन–स्वरूपगंज

डी.जी.पी.एस. स्टेशन–नियंत्रण कक्ष

राष्ट्रीय जलमार्ग – 3

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

विभागीय तलस्पर्शी सर्वेक्षणों को मासिक रूप से संचालित कराकर नदी सूचनाएं जारी (हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में) की गई। वर्ष के दौरान, कुल 2,706 लाइन कि0 मी0 तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए।

विस्तृत सर्वेक्षण

चेराई (5.78 कि0 मी0), मुनांबम (9.84 कि0 मी0), केएमएमएल स्थल (166.0 कि0 मी0), एफएसीटी (उद्योगमण्डल) (22.5 कि0 मी0), अम्बालामुगल (23.5 कि0 मी0), कोविलथोट्टम (166.5 कि0 मी0), कोट्टापुरम टर्मिनल (1.5 कि0 मी0), अलुवा टर्मिनल (सी.एच. 22.5) में पूर्व और उत्तर निकर्षण कार्य कराए गए। वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 1.43 लाख घन मीटर निकर्षण कराया गया।

उपरोक्त सर्वेक्षणों के अतिरिक्त, अक्तूबर, 2012 के दौरान जलमार्ग में समुद्र पत्तन और हवाईपत्तन के बीच 12.3 कि0 मी0 की लम्बाई तक तट से तट सर्वेक्षण कराए गए।

राष्ट्रीय जलमार्ग – 4 और 5

राष्ट्रीय जलमार्ग 4 और 5 के प्रधान्य प्रखण्डों की वर्तमान स्थिति के मूल्यांकन के लिए, गहराई मापन और स्थलाकृतिक सर्वेक्षणों सहित विस्तृत जलीय सर्वेक्षण के संचालन का कार्यभार 3 विभिन्न ठेकेदारों को सौंपा गया। रा0 ज0–4 में सर्वेक्षण कार्य अग्रलिखित प्रखण्डों – गोदावरी नदी (171 कि0 मी0), काकीनाडा कैनाल (50 कि0 मी0), उत्तर बकिंगघम कैनाल (137 कि0 मी0) एवं दक्षिण बकिंगघम कैनाल (40 कि0 मी0) में कराए गए। इसी प्रकार के रा0 ज0–5 में अग्रलिखित प्रखण्डों – ''तलचर से धम्रा'' (265 कि0 मी0) तक, मतई नदी (39 कि0 मी0) महानदी डेल्टा नदी (67 कि0 मी0) और ''पाडानीपल से सुजानपुर तक (50 कि0 मी0), में सर्वेक्षण कराए गए। यह सर्वेक्षण कार्य प्रगति में है।

परियोजना सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है (रा0 ज0–4)

पोत परिवहन मंत्रालय सहित संसदीय सलाहकार समिति के निदेशानुसार दिसम्बर, 2012 के दौरान रा0 ज0–4 के विकास के लिए दक्षिण बकिंगघम कैनाल के शोल्लिंगानानूर–कलपक्कम प्रखण्ड (37 कि0 मी0) में विभागीय परियोजना सर्वेक्षण कराए गए। इस आधार पर फरवरी, 2013 में प्राधिकरण ने जलमार्ग के इस प्रखण्ड के विकास के लिए आंकलित लागत रु. 46.23 करोड़ राशि की मंजूरी प्रदान की। वास्तविक निकर्षण मात्रा को आंकने के लिए, निजी ठेकेदार को इस प्रखण्ड के लिए विस्तृत जलीय सर्वेक्षण का कार्यभार सौंपा गया। यह सर्वेक्षण कार्य प्रगति में है।

हल्दिया–फरक्का प्रखण्ड में नदी सूचना सेवाओं (आर0 आई0 एस0) की स्थापना :

रा0 ज0–1 के हल्दिया–फरक्का प्रखण्ड में नदी सूचना सेवा प्रणाली की स्थापना के लिए आंकलित लागत रु. 14.2 करोड़ की एक योजना को मंजूरी प्रदान की। इसके बाद, कार्य को कार्यान्वित कराने के लिए एक एजेन्सी को चयनित करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई, हालांकि, इस परियोजना के लिए अनुभवी ठेकेदारों के चयन के लिए निविदा को निरस्त कर दिया गया। निविदा को आगामी वित्तीय वर्ष में पुनः आमंत्रित किया जाएगा।

अध्यक्ष, भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा ईएनसी और आईडब्ल्यूएन सॉफ्टवेयर का विमोचन

इलेक्ट्रॉनिक नौचालन चार्टों और अन्तर्देशीय जलमार्ग नौचालन सॉफ्टवेयर का विमोचन

दिनांक 6 मार्च, 2013 को भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा0 अ0 ज0 प्रा0), नौएडा के मुख्यालय में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में प्राधिकरण के अध्यक्ष डा0 विश्वपति त्रिवेदी, भा.प्र.से. ने राष्ट्रीय जलमार्ग–1 के सागर–फरक्का प्रखण्ड (560 कि0 मी0) के लिए एस0 57 फॉर्मेट में इलेक्ट्रॉनिक नौचालन चार्टों (ईएनसी) और वास्तविक समय नौचालन सॉफ्टवेयर जैसे–अन्तर्देशीय जलमार्ग नौचालन (आईडब्ल्यूएन) सॉफ्टवेयर का विमोचन किया। सॉफ्टवेयर और चार्टों का निर्माण अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार किया गया। इस वास्तविक समय नौचालन सॉफ्टवेयर से रा0 ज0–1 के हुगली–भागीरथी–फरक्का फिडर कैनाल क्षेत्र में विशेषतः मेसर्स जिंदल आई0टी0एफ0 लि0 द्वारा सेंडहैंड (बंगाल की खाड़ी) और फरक्का एन0टी0पी0सी0 पावर प्लांट की परियोजना में 3 एम0एम0टी0पी0ए0 आयातित कोयला परिवहन के लिए अन्तर्देशीय जलयानों के प्रचालन में सुरक्षा, बचाव और उत्पादकता में बढ़ोत्तरी होगी। प्रीलोडेड ई0एन0सी0 और आई0डब्ल्यू0एन0 सॉफ्टवेयर सहित कम्प्यूटर/लैपटॉप, डिजिटल ईको साउण्डर और जी0पी0एस0/डी0जी0पी0एस0 रिसीवर से लैस कोई भी जलयान वास्तविक समय नौचालन सुविधा मुहैया करेगा। दिनांक 22 और 23 मार्च, 2013 को कोलकाता में अन्तर्देशीय जलयानों के मास्टरों को ई0एन0सी0 (इलेक्ट्रॉनिक नौचालन चार्ट) प्रशिक्षण दिया गया इसमें निजी परिचालकों सहित 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

16. कार्टोग्राफी कक्ष/सेमिनार/प्रशिक्षण

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, नौएडा का मुख्यालय का कार्टोग्राफी कक्ष आधुनिक चार्ट बनाने वाले हार्डवेयर, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी0आई0एस0) और ईमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कार्टोग्राफरों को इन हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का प्रशिक्षण प्राप्त है। अगस्त और सितंबर, 2012 के दौरान आई0आई0सी0 एकेडमी, हैदराबाद में भा0 अ0 ज0 प्रा0 के सर्वेक्षकों और ड्राफ्टमैनों का ई0एन0सी0 और पेपर चार्टों को अद्यतन करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

आई.आई.सी. एकेडमी, हैदराबाद में प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 के हल्दिया–फरक्का प्रखण्ड के लिए ई0एन0सी0 का नियमित अद्यतन करने के लिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 के क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में आधुनिक उपकरण और सॉफ्टवेयर से लैस एक ई.एन.सी. कक्ष की स्थापना की गई। भारतीय राष्ट्रीय कार्टोग्राफिक संघ द्वारा दिनांक 11 से 13 अक्तूबर, 2012 तक देहरादून में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''संधारणीय भू–संसाधन प्रबंधन हेतु कार्टोग्राफी'' में भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने भाग लिया। भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने उपरोक्त सम्मेलन में आयोजित प्रदर्शनी में समुद्री उत्पादों को प्रदर्शित किया। सम्मेलन में श्री जी0 प्रशांत, कनिष्ठ जलीय सर्वेक्षक ने ''संधारणीय विकास हेतु राष्ट्रीय जलमार्गों में मैपिंग'' शीर्षक पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसे श्रोतागण ने पूर्ण समर्थन दिया।

17. वर्ष 2012–13 के दौरान माल की ढुलाई

किफायती नौचालन के लिए न्यूनतम अवसंरचनात्मक सुविधाएं जैसे–आवश्यक नौचालन गहराई, रात्रि नौचालनात्मक सुविधाएं, डी0जी0पी0सी0, यांत्रिक टर्मिनलें और जलयानें, को मुहैया करने के उपरांत ही अ0 ज0 प0 माध्यम से पर्याप्त माल की ढुलाई करना अपेक्षित है। वर्तमान में, जलमार्ग के विकसित प्रखण्डों में भी जल परिवहन करने के लिए पर्याप्त अन्तर्देशीय जलयान उपलब्ध नहीं है। रा0 ज0–1 में केवल 77 कार्गो जलयानें (28 सी0आई0डब्ल्यू0टी0सी0 जलयानें और 49 निजी जलयानें) उपलब्ध हैं और लगभग सभी जलयानें हल्दिया और कोलकाता के बीच लाईटेज ऑपरेशन में तैनात है। रा0 ज0–2 पर अ0 ज0 प0 निदेशालय, असम सरकार, केवल 12 जलयानों का प्रचालन कर रही है। रा0 ज0–2 में कार्गो जलयानों की अत्यधिक कमी है। इसके अतिरिक्त, चालू वर्ष में मेसर्स जिंदल आई0 टी0 एफ0 ने अ0 ज0 प0 माध्यम से एन0टी0पी0सी0, फरक्का के लिए आयातित कोयले की ढुलाई के लिए 14 जलयानों की अधिप्राप्ति की। इन जलयानों का अभी तक उपयोग नहीं किया गया।

भा0 अ0 ज0 प्रा0 के पास 7 कार्गो जलयानें हैं जिनमें से 4 जलयानों जैसे एम0 वी0 राजगोपालाचारी, एम0 वी0 रविन्द्रनाथ टैगोर, एम0 वी0 लाल बहादुर शास्त्री और एम0 वी0 वी0 वी0 गिरी को रा0 ज0–1, रा0 ज0–2 और भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर चार्टर आधार पर जल परिवहन के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त, तीन जलयानों जैसे एम0 वी0 होमी भाभा, एम0 वी0 जाकिर हुसैन और एम0 वी0 विश्वेश्वरैय्या को रा0 ज0–1, रा0 ज0–2 और भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में केवल नौका चार्टर आधार पर निजी प्रचालकों को खुले टेंडर के आधार पर दिया गया।

हालांकि, अ0 ज0 प0 माध्यम से भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कार्गो जलयानों, बांग्लादेशी जलयानों, देशी नौकाओं और छोटे यांत्रिक यानों (100 टन क्षमता से कम वाले) की सहायता से माल की ढुलाई होती है। वर्ष 2008–09, 2009–10, 2010–11, 2011–12 और 2012–13 के दौरान राष्ट्रीय जलमार्गों 1, 2 और 3, गोवा और मुम्बई जलमार्गों पर कार्गो की ढुलाई से संबंधित विस्तृत विवरण मिलियन टन (एम0 टी0), टन कि0 मी0 (टी0 के0 एम0) और बिलियन टन कि0 मी0 (बी0 टी0 के0 एम0) में अनुलग्नक में इंगित है।

राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या–1, 2 और 3 पर कार्गो की ढुलाई वर्ष 2012–13 के दौरान हुए 7.06 मिलियन टन (1529 मिलियन टन कि0 मी0) की तुलना में वर्ष 2012–13 के दौरान 6.38 मिलियन टन (1588 मिलियन टन कि0 मी0) हुई।

वर्ष के दौरान, अ0 ज0 प0 माध्यम से भारत से बांग्लादेश तक 16.93 लाख एम0टी0 कार्गो का निर्यात किया गया। जिसमें से 15.83 लाख एम0टी0 फ्लाई ऐश थी। पटना, हल्दिया, कोलकाता और पांडु जेट्टियों में कार्गो हैंडलिंग के लिए क्रेन और अन्य यांत्रिक हैंडलिंग उपकरण तैनात किए गए।

राष्ट्रीय जलमार्गों पर वृहत आकार के कार्गो (ओ.डी.सी.) की ढुलाई भी की गई। ये मुख्य रूप से रा0 ज0–1 और रा0 ज0–2 के निकट विद्युत परियोजनाओं शुरू होने से संबंधित है। वर्ष के दौरान रा0 ज0–1 में कोलकाता से जमनियां, हल्दिया से जमनियां, बलिया, बख्तियारपुर और इलाहाबाद तक 2939 एम0 टी0 के बृहत आकार के हैवी लिफ्ट प्रोजेक्ट कार्गो के 7 प्रेषित माल और भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर कोलकाता से सिलघाट, करीमगंज, जोगीघोपा और करीमगंज, पांडू से एन0 एस0 डॉक तक, और कोलकाता में 2672 एम0 टी0 के प्रेषित माल की ढुलाई की गई।

वर्ष 2012–13 के दौरान, भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने रा0 ज0–1 पर मेसर्स हेरिटेज (पूर्व में पाण्डव क्रूज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली) के अन्तर्देशीय जल क्रूज जलयान एम0 वी0 बंगाल पांडव और मेसर्स असम बंगाल नौचालन कम्पनी प्राईवेट लि0 के एम. वी. सुकापा की सुविधा उपलब्ध कराई। वर्ष के दौरान, क्रूज जलयानों पर विदेशी पर्यटकों ने कोलकाता–सिमरिया/राजमहल/पटना/बक्सर–कोलकाता के बीच 24 यात्राएं की। रा0 ज0–2 पर मेसर्स असम बंगाल नेविगेशनल कंपनी और ब्रह्मपुत्र क्रूज प्रा0 लि0 नदी क्रूजों का प्रचालन कर रहे हैं। मेसर्स असम बंगाल नौचालन कम्पनी और मेसर्स फार होराइजन टूर्स ने रा0 ज0–2 पर एम0 वी0 चरैदेव और एम0 वी0 महाबाहु नामक दो क्रूज जलयानों को लगाया। रा0 ज0–3 में कई आवास नौकाएं और पर्यटक नौकाएं चल रही हैं।

मेसर्स जिंदल आई.टी.ए.लि. ने फरक्का में सैंडहैड से एन0टी0पी0सी0 के थर्मल पावर प्लांट तक 3 एम0 एम0 टी0 पी0 ए0 आयातित कोयले की ढुलाई के ठेके के लिए रा0 ज0–1 पर 14 बार्ज और सागर पर एक ट्रांशिपोर्ट का प्रयोग किया। माल को उतारने वाली जगह (फरक्का) पर निर्माण कार्य प्रगति में है और मेसर्स जिंदल आई.टी.एल. ने और अधिक अन्तर्देशीय कार्गो जलयानों की अधिप्राप्ति की। आगामी वर्ष में परिवहन कार्य प्रारंभ होने की संभावनाएं हैं।

भा0 अ0 ज0 प्रा0 कार्गो विशेष परियोजनाओं के लिए अ0 ज0 प0 में निजी निवेश को बढ़ावा दे रहा है। इन परियोजनाओं की देखरेख प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा की जा रही है।

आई0 एल0 एण्ड एफ0 एस0 अवसंरचना विकास कॉर्पोरेशन लि0 द्वारा एन0 टी0 पी0 सी0 सुपर थर्मल पावर स्टेशन, बाढ़ के लिए 10 वर्षों के लिए 3 एम.एम.टी.पी.ए. आयातित कोयले की ढुलाई हेतु व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई। परियोजनाओं में अग्रलिखित विषयों पर विचार किया गया–एक ट्रांसशीपर को किराए पर लेना/अधिग्रहण करना, 1500 एम.टी. क्षमता के लगभग 70 बार्ज, एन0 टी0 पी0 सी0 द्वारा बाढ़ में लगभग 5 एकड़ भूमि की अधिप्राप्ति, बाढ़ में बर्थिंग और कार्गो हैंडलिंग अवसंरचना का निर्माण और तीन वर्षों में नदी फ्रंट और एन0 टी0 पी0 सी0 कोयला यार्ड स्टैक को जोड़ने के लिए लगभग 3.5 कि0 मी0 कन्वेयर का निर्माण करना। वर्ष 2013–14 के दौरान, एन0 टी0 पी0 सी0 द्वारा यह कार्य आर0 एफ0 पी0 को आमंत्रित करने के पश्चात् सफल बोलीकार को सौंपने की संभावना है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, कुछ अन्य व्यवहार्य परियोजनाओं के लिए भी निजी क्षेत्र निवेश को अभिज्ञात किया गया है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत एन0 टी0 पी0 सी0 पावर प्लांट, बोंगईगांव, असम के लिए 0.5 एम. एम.टी.पी.ए. आयातित कोयले की ढुलाई, अ0 ज0 प0 माध्यम से एफ0 सी0 आई से त्रिपुरा तक खाद्यान्न का परिवहन, आई.डब्ल्यू.टी. माध्यम से अन्य कार्गो जैसे खाद्यान्न, एल.पी.जी., बिटुमैन, उर्वरकों का परिवहन और रा0 ज0–3 पर भा0 अ0 ज0 प्रा0 के टर्मिनलों का प्रचालन और अनुरक्षण करना सम्मिलित है।

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या– 1, 2, 3, गोवा और मुम्बई के जलमार्गों पर वर्ष 2008–09 से 2012–13 तक कार्गो की ढुलाई

प्रखंड		2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	ढुलाई किए गए कार्गो के प्रकार
राष्ट्रीय जलमार्ग–1 गंगा	एमटी	1,348,385	1,811,070	1,871,178	3,309,839	2,716,436	सीमेंट, फ्लाई ऐश, लौह अयस्क, लौह अयस्क फाइन, कोयला, स्टील शेड, टायर्स, आयरन फाइन, आयरन इंगौट, गैल्वेनाइज्ड स्टील प्लेन शीट, स्टोन चिप्स, फर्नेस ऑयल, एचएफ एचएसडी, ल्यूब ऑयल, बॉल्डर, दाल, एल्युमीनियम ब्लॉक, बालू, क्लीप्स, शीप ब्लॉक, लॉग, मैंगनीज अयस्क, पेट्रोलियम कोक, कुकिंग कोल, रॉक फॉस्फेट, टिम्बर, पीज, स्लैग ऑयल, नन कुकिंग कोल, ओडीसी इत्यादि।
	टीकेएम	705,570,044	1,047,703,720	1,227,702,794	1,454,368,323	1,511,961,380	
	बीटीकेएम	0.705	1.048	1.228	1.454	1.512	
राष्ट्रीय जलमार्ग–2 ब्रह्मपुत्र	एमटी	2,179,435	2,114,895 ^	2,163,745 ^	2,406,448 ^	2,426,804 ^	बांस, बांस उत्पाद, सामान्य कार्गो, अंतर्राज्यीय कार्गो, उर्वरक, खाद्यान्न, दूध और अन्य आवश्यक सामग्री इत्यादि।
	टीकेएम	55,171,401	59,126,385	57,335,351	61,327,453	58,047,828	
	बीटीकेएम	0.055	0.059	0.057	0.061	0.058	
राष्ट्रीय जलमार्ग–3 पश्चिम तट नहर	एमटी	766,214	667,197	885,694	1,343,770	1,236,403	फॉस्फेरिक एसिड, सल्फर, जस्ता, फर्नेस ऑयल, रॉक फॉस्फेट, कंटेनर में विभिन्न सामग्री, फर्नेस ऑयल बंकरिंग, पीओएल (जलयान के बंकरिंग), पेयजल, क्ले सहित लाईम शेल और अन्य अपशिष्ट, द्रव बहिःस्राव।
	टीकेएम	10,912,125	9,750,256	14,227,990	13,251,939	13,990,516	
	बीटीकेएम	0.011	0.01	0.014	0.013	0.014	
राष्ट्रीय जलमार्गों का योग	एमटी	**4,294,034**	**4,593,162**	**4,920,617**	**7,060,057**	**6,379,642**	
	टीकेएम	**771,653,570**	**1,116,580,361**	**1,299,266,135**	**1,528,947,714**	**1,583,999,724**	
	बीटीकेएम	**0.772**	**1.117**	**1.299**	**1.529**	**1.584**	
गोवा जलमार्ग	एमटी	45,580,000	53,030,000	54,500,000	43,279,347	7,582,266	लौह अयस्क, लौह अयस्क पैलेट्स, कोयला और अन्य।
	टीकेएम	2,279,000,000	2,651,500,000	2,725,000,000	2,163,967,350	379,113,300	
	बीटीकेएम	2.279	2.651	2.725	2.164	0.379	
मुम्बई जलमार्ग (धरमतर खाड़ी)	एमटी	10,155,962	11,991,109	14,875,355	19,947,750	9,722,819	कोयला, सिमेंट, बॉक्साइट, लौह अयस्क पैलेट्स, पत्थर, लाईम स्ओन एवं क्लिंगर इत्यादि।
	टीकेएम	548,421,948	647,519,886	803,269,170	1,077,178,521	525,032,249	
	बीटीकेएम	0.548	0.648	0.803	1.077	0.525	
कुल योग	एमटी	**60,029,996**	**69,614,271**	**74,295,972**	**70,287,155**	**23,684,728**	
	टीकेएम	**3,599,075,518**	**4,415,600,247**	**4,827,535,305**	**4,770,093,586**	**2,488,145,273**	
	बीटीकेएम	**3.599**	**4.416**	**4.828**	**4.770**	**2.488**	

नोट :

1. ये आँकड़े अ0 ज0 प0 प्रचालकों से भा0 अ0 ज0 प्रा0 के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा एकत्र किए गए हैं।
2. गोवा में 50 कि0मी0 और मुम्बई जलमार्ग में 54 कि0मी0 औसत अ0 ज0 प0 दूरी ली गई है।

^ अ0 ज0 प0 निदेशालय, असम सरकार से अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने तक के लिए अस्थायी आँकड़े। पिछले तीन वर्ष के औसत के आधार पर आँकड़े।

18. वित्तीय निष्पादन

क. आय और व्यय

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार से 16,187 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई थी और 532.73 लाख रुपए की राशि प्राधिकरण द्वारा अल्पावधि जमा पर ब्याज, टेंडर फर्मों की बिक्री, वृहत आकार के कार्गो/सामान्य कार्गो की ढुलाई, बर्थिंग/पायलटेज, प्रभार इत्यादि से अर्जित की गई थी। मुख्य स्कीमों के अनुसार व्यय के ब्योरे निम्नलिखित हैं :–

(रु. लाख में)

क्रम सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2011–12	चालू वर्ष 2012–13
1.	तकनीकी अध्ययन	100.00	100.00
2.	ऋण ब्याज इमदाद/आईवीबीबीएस	131.54	90.16
3.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–1**		
	(क) नदी संरक्षण कार्य	2,967.51	3,687.59
	(ख) कार्गो बर्थ निर्माण	89.00	810.34
	(ग) निकर्षकों एवं एलाइड जलयानों का निर्माण	1,347.36	1,561.25
	(घ) कार्गो जलयान की अधिप्राप्ति	-	65.93
	(ड.) स्टील पांतून की अधिप्राप्ति	-	15.19
	(च) कार्यालय भवन का निर्माण	124.80	-
	(छ) सर्वे उपकरण की अधिप्राप्ति	-	16.26
	(ज) डीजीपीएस स्टेशन का स्थापन	69.81	-
	(झ) कार्यालय भवन	-	435.84
4.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–2**		
	(क) नदी संरक्षण कार्य	961.17	1,637.35
	(ख) टर्मिनल का निर्माण	1,050.65	2,029.50
	(ग) निकर्षकों एवं एलाइड जलयानों का निर्माण	181.45	659.80
	(घ) डी.जी.पी.एस. की अधिप्राप्ति	122.85	56.52
	(ड.) स्टील पांतून का निर्माण	-	62.37
	(च) बहुद्देशीय टग का अधिग्रहण	482.64	101.38
	(छ) कार्यालय भवन का निर्माण	310.72	-
	(ज) निनी छात्रावास का निर्माण	2,537.70	1,144.54
5.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–3**		
	(क) विकास कार्य	1,051.69	1,378.43
	(ख) टर्मिनलों का निर्माण	1,463.45	773.65
	(ग) ड्रेजिंग यूनिट की अधिप्राप्ति	78.27	100.84
6.	आई.टी. संबंधी कार्यकलापों पर व्यय	17.11	73.89
7.	अ0 ज0 प0 विकास निधि	156.88	164.79
8.	स्थापना (आयकर सहित)	1,780.00	1,775.00
	योग	**15,024.60**	**16,740.62**

ख. स्रोत और निधि का विनियोग

(रु. लाख में)

क्रम सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2011–12	चालू वर्ष 2012–13
	स्रोत		
1.	पूँजी अनुदान में वृद्धि	8,288.25	8,294.56
2.	**पूँजीगत कार्य में कमी**	223.30	-
3.	वर्ष के दौरान व्यय से अधिक आय	-	-
4.	पूँजीगत कार्य की प्रगति में कमी	-	3,818.83
	योग	**8,511.55**	**12,113.39**
	विनियोग		
1.	स्थायी परिसम्पत्तियों में वृद्धि	4,785.47	11,727.59
2.	पूँजीगत कार्य की प्रगति में वृद्धि	3,726.08	-
3.	कार्यशील पूँजी में वृद्धि	-	385.80
	योग	**8,511.55**	**12,113.39**

ग. रोकड़ प्रवाह के विवरण

(रु0 लाख में)

	वित्तीय वर्ष 2011–12	वित्तीय वर्ष 2012–13
प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह		
आय से अधिक व्यय	(6,532.26)	(8,173.64)
पूंजी आरक्षित	96.68	(2.34)
मूल्यह्रास	1,979.13	2,599.60
प्रतिस्थापन आरक्षित	(1,979.13)	(2,599.60)
चुकता ब्याज	-	-
हानि : ब्याज से आय	(244.14)	(189.82)
जोड़ : स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि / बट्ट खाता / न्यून : बिक्री पर लाभ	(1.87)	(1.23)
भंडार के लोप के लिए प्रावधान	-	-
कार्मिकों के लाभ हेतु खुले आरक्षित का प्रावधान	-	-
प्रचालन लाभ	**(6,681.59)**	**(8,367.03)**
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन हेतु समायोजन		
भंडारण में वृद्धि / कमी	14.21	80.75
ऋण और अग्रिम में वृद्धि / कमी	(125.38)	(421.48)
अन्य के खाते में जमा में वृद्धि / कमी	286.67	(149.95)
चालू दायित्वों में वृद्धि / कमी	(1,861.37)	(724.05)
अन्य दायित्वों और प्रावधानों में वृद्धि / कमी	(588.06)	1.86
प्रचालन से सृजित रोकड़	**(8,955.52)**	**(9,579.90)**
आयकर (शुद्ध)	-	-
प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से शुद्ध रोकड़	**(8,955.52)**	**(9,579.90)**
निवेश संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह (क)		
स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद और सीडब्ल्यूआईपी में कमी / सीडब्ल्यूआईपी में वृद्धि	(8,745.96)	(11,980.05)
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री	234.42	252.46
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ	1.87	1.23
प्रतिस्थापन आरक्षित से	8.09	12.40
सीडब्ल्यूआईपी में वृद्धि	-	3,818.82
सरकारी अनुदान की प्राप्ति	15,474.45	17,101.25
ब्याज से आय	244.14	189.82
निवेश संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह (ख)	**7,217.01**	**9,395.93**
वित्तीय कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह		
बैंक ओवर ड्राफ्ट में वृद्धि / कमी	-	-
लाभांश और कारपोरेट लाभांश कर	-	-
वित्तीय कार्यलापों से शुद्ध रोकड़		
वर्ष के दौरान रोकड़ और रोकड़ समतुल्य में कुल वृद्धि / कमी	(1,738.51)	(183.97)
वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	5,064.84	3,326.33
वर्ष के अंत में रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	**3,326.33**	**3,142.36**

19. कार्मिक और प्रशासन

यथा दिनांक 31.03.2013 को मुख्यालय में 36 अधिकारी एवं 66 स्टाफ तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में 49 अधिकारी एवं 176 स्टाफ कार्यरत थे। प्राधिकरण ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिशद की रिपोर्ट के आधार पर पुनर्संरचना प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। यह प्रस्ताव भारत सरकार के विचाराधीन है।

प्राधिकरण अपने सभी कार्यकलापों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु प्रगामी रूप में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। प्राधिकरण के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में समय–समय पर हिन्दी कार्यशालाएं और अन्य संबंधित कार्यकलाप आयोजित किए गए। प्राधिकरण के मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में हिन्दी दिवस / सप्ताह / पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी कार्यालयों में विभिन्न प्रकार की हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा भा0 अ0 ज0 प्रा0 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) नौएडा के सभी सदस्य कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित कराने का अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है। भा0 अ0 ज0 प्रा0 के अध्यक्ष इस समिति के अध्यक्ष हैं। नराकास, नौएडा के विभिन्न सदस्य कार्यालयों में राजभाशा हिन्दी के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं पर विचार–विमर्श करने के लिए अर्द्धवार्षिक बैठक नियमित रूप से आयोजित की गई। सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों को राजभाशा हिन्दी में अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और अन्य संबंधित गतिविधियाँ न0 रा0 का0 स0, नौएडा के तत्वावधान में आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक लाने वाले सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के बच्चों को प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया जाता है।

आभारोक्ति

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, कर्मचारियों द्वारा सभी स्तरों पर दिए गए अमूल्य सहयोग और योगदान के लिए कृतज्ञता सहित आभार व्यक्त करता है।

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत के लेखा नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक और अन्य सरकारी विभागों / अभिकरणों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त करता है।

कृते एवं भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
के निमित्त

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
तुलन पत्र यथा दिनांक

गत वर्ष (रुपए)	पूँजी एवं दायित्व	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
1	2	3	4	5
	पूँजी			
9,437,244	पूँजी यू/एस 11 (i) (ग)		9,437,244	
6,834,931,808	पूँजी अनुदान यू/एस 18		7,664,387,398	
(1,132,734,406)	न्यून प्रतिस्थापन आरक्षित		(1,383,232,813)	
(7,152,956)	विस्थापन पट्टा किराया		(7,566,865)	6,283,024,964
	आरक्षित एवं अधिशेष			
13,939,944	पूँजी आरक्षित		14,945,955	
(4,271,696)	कटौती		(5,512,022)	9,433,933
	सामान्य रिजर्व			
	कटौती			
	उधारी			
	चालू दायित्व एवं प्रावधान			
300,635,944	चालू दायित्व	I	291,536,084	
17,477,233	प्रावधान		17,663,069	
133,037,438	अन्यों के खातों में जमा		118,042,635	427,241,788
6,165,300,553	योग			**6,719,700,685**

अनुसूची I से VIII लेखा के अभिन्न भाग हैं।

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
31 मार्च, 2013

गत वर्ष (रुपए)	संपत्ति एवं परिसंपत्तियाँ	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
6	7	8	9	10
	स्थायी परिसम्पत्तियाँ	II		
4,325,496,709	सकल ब्लॉक		5,498,255,974	
1,137,006,102	न्यून मूल्य ह्रास		1,388,744,835	
3,188,490,607	शुद्ध ब्लॉक		-	4,109,511,139
26,582,684	पट्टा भूमि		**26,582,684**	
(7,152,956)	न्यून बट्टा		**(7,566,865)**	**19,015,819**
1,586,904,251	पूँजीगत कार्य में प्रगति			**1,205,021,620**
-	<u>निवेश (लागत पर)</u>		-	-
-	सरकारी प्रतिभूति		-	-
5,300,000	से इतर सरकारी प्रतिभूति		-	**5,300,000**
	<u>चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम</u>	III		
47,109,536	भंडार, कलपुर्जे एवं उपकरण		**39,034,434**	
-	(लागत पर)		-	
985,433,857	विविध देनदार		**1,027,581,990**	
332,632,574	जमा, ऋण एवं अग्रिम		**314,235,683**	**1,380,852,107**
	नकद एवं बैंक शेष			
	<u>विविध व्यय</u>			
-	आय एवं व्यय खाता (नामे शेष)			-
6,165,300,553	**योग**			**6,719,700,685**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
दिनांक 31 मार्च, 2013

गत वर्ष (रुपए)	व्यय	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
1	2	3	4	5
	प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे	IV		
100,854,613	वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें		110,426,937	
74,577,598	सर्वेक्षण		79,704,461	
177,979,482	निकर्षण		286,829,029	
37,879,446	बंडालिंग		35,103,205	
-	नौचालन एवं चैनल मार्किंग			
11,241,586	के लिए सहायता		14,057,134	
	बार्जिंग			
36,918,588	टर्मिनल सुविधाएं		36,007,003	
29,786,259	जलयान मरम्मत		32,103,579	
23,425,478	प्रशिक्षण संस्थान निनी		26,072,050	
59,936,656	रात्रि नौचालन		65,378,404	
-	लॉक का अनुरक्षण		-	
-	तट रक्षण		683,000	
440,000	नदी प्रशिक्षण कार्य		-	
14,022,681	प्रोटोकॉल		12,599,543	
	अन्य प्रशासनिक			
23,628,987	एवं विविध खर्चे		34,940,415	733,904,760
	प्रशासनिक खर्चे			
58,397,953	वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें	V		73,583,396
20,147,975	सामान्य एवं अन्य खर्चे	VI	-	23,858,416
	वित्तीय प्रभार			
			-	-
318,815	बैंक कमीशन / प्रभार		-	59,987
	ब्याज			
	आई.टी. खर्चे			7,388,640
	बट्टे खाते में डालना			
	विदेशी मुद्रा			
	तकनीकी अध्ययन एवं			
15,031,852	परामर्शी शुल्क		-	14,291,358
-			-	
197,913,351	मूल्य ह्रास		-	259,959,807
13,154,000	इमदाद		-	9,016,000
-	परिसम्पत्तियों की बिक्री पर		-	-
-	हानि / कीमत / बट्टे खाते में डालना			
15,688,062	अ0 जा0 प0 प्रोन्नयन संबंधी कार्यकलाप		-	16,478,687
6,481,860	पूर्वावधि समायोजन लेखा			-
917,825,242	**योग**			**1,138,541,051**

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय

गत वर्ष (रुपए)	आय	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
6	7	8	9	10
653,225,606	सरकार के राजस्व अनुदान			817,364,436
24,413,887	ब्याज / आय			18,981,771
-	परामर्शी शुल्क			-
123,346	स्टोरेज और हैंडलिंग प्रभार			-
	घाट शुल्क			-
	डिमरेज			-
158,750	पायलटेज प्रभार			222,278
2,104,393	बर्थिंग प्रभार			2,288,216
4,918,959	अन्य			17,628,039
34,779,994	विविध प्राप्तियाँ			17,502,600
	किराया टर्मिनल			-
	उभय प्रविष्टियों			
	के अनुसार			
	पूँजी आरक्षित			
197,913,351	उभय प्रविष्टियों			259,959,807
186,956	के अनुसार			123,490
	स्थायी परिसम्पत्तियों पर लाभ			
				-
				-
				4,470,414
	पूर्वावधि समायोजन आय से व्यय की अधिकता को तुलन पत्र में दर्शाया गया			
917,825,242	योग		-	1,138,541,051

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

अन्य अनुसूचियाँ
एवं
अंकेक्षण रिपोर्ट

अनुसूची–I

चालू दायित्व और प्रावधान यथा दिनांक 31.03.2013

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)	
	क) चालू दायित्व	-	
7,463,052	(i) फुटकर लेनदारों के लिए दायित्व	203,169	
139,300,006	(ii) खर्चों के लिए दायित्व	135,897,378	
65,394,139	(iii) अधिशेष में प्राप्त अनुदान	63,304,957	
88,478,747	(iv) अन्य	92,130,580	291,536,084
	ख) प्रावधान		
-	(i) उपदान हेतु प्रावधान	1,086,039	
1,099,361	(ii) अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान हेतु प्रावधान (प्रतिनियुक्ति)	1,099,633	
1,052,009	(iii) बोनस के लिए प्रावधान	1,021,684	
15,248,000	(iv) पेंशन एवं उपदान अंशदान के लिए प्रावधान	14,400,455	
-	(v) अवकाश नकदीकरण का प्रावधान	-	-
77,863	(vi) नई पेंशन का प्रावधान	55,258	17,663,069
	ग) अन्यों के खातों में जमा		
133,037,438	विविध पार्टियाँ	118,042,635	118,042,635
451,150,615	**योग**		**427,241,788**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(एस० जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2012 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2013 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
नौएडा	सर्वे उपकरण	4,490,899	-		4,490,899
	वाहन	1,913,013	-	-	1,913,013
	फर्नीचर एवं उपस्कर	4,536,137	83,781	(126,800)	4,493,118
	कार्यालय उपकरण	3,038,897	137,983	-	3,176,880
	बिजली अधिष्ठापन	1,128,526	-		1,128,526
	वातानुकूलन यंत्र	3,377,527			3,377,527
	जलशीतलक एवं प्रशीतलक	138,486	44,265		182,751
	पंखे एवं वायुशीतलक	1,169,054	3,619		1,172,673
	जनरेटर सेट	1,148,720			1,148,720
	साइकिल	27,711	-		27,711
	अस्थायी संरचना	539,260			539,260
	पुस्तकालय पुस्तकें	899,579	44,303		943,882
	कम्प्यूटर	15,937,589	2,189,621	(3,528,491)	14,598,719
	संचार उपकरणं	778,471	-		778,471
	भवन	24,937,527			24,937,527
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	1,254,386	43,175		1,297,561
	आवासीय क्वार्टर	30,732,753			30,732,753
	योग (क)	**96,048,535**	**2,546,747**	**(3,655,291)**	**94,939,991**
कोलकाता	टर्मिनल	37,320,571	19,800,500		57,121,071
	वाहन	1,213,641			1,213,641
	फर्नीचर एवं उपस्कर	1,240,534	122,321		1,362,855
	कार्यालय उपकरण	510,544	32,630	-	543,174
	बिजली अधिष्ठापन	67,889	-	-	67,889
	सर्वे उपकरण	22,703,941	1,380,000		24,083,941
	पुस्तकालय पुस्तकें	120,081	4,364		124,445
	गति नौकाएं	2,961,016	-		2,961,016
	जलयान साधारण	157,857,969	48,267,249		206,125,218
	पंखे एवं वायुशीतलक	69,443	6,880		76,323
	संचार नेटवर्क	450,413	-		450,413
	बार्ज	120,209,101	-		120,209,101
	साइकिल	5,975	-		5,975
	जलयान निकर्षक एकक	196,634,886	300,418,616	(12,262,624)	484,790,878
	कम्प्यूटर	2,187,001	153,621		2,340;622
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	1,104,784	-		1,104,784
	रात्रि नौचालन उपकरण	24,933,132	5,302,840	(191,500)	30,044,472
	वातानुकूलन यंत्र	135,350	523,504	-	658,854
	जेनरेटर सेट	608,357	577,512		1,185,869
	डीजीपीएस स्टेशन	14,215,359	-		14,215,359
	योग (ख)	**584,549,987**	**376,590,037**	**(12,454,124)**	**948,685,900**

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2013

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पतियों का समायोजन	31.03.2013 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2013 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2012 को	वर्ष हेतु		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
2,645,517	213,318		2,858,835	1,632,064
1,465,230	181,736		1,646,966	266,047
3,212,834	284,414	(200,015)	3,297,233	1,195,885
1,138,167	150,902	-	1,289,069	1,887,811
706,310	53,605	-	759,915	368,611
1,889,204	160,433		2,049,637	1,327,890
	-		-	
59,111	8,681		67,792	114,959
726,356	55,702	-	782,058	390,615
616,281	54,564	-	670,845	477,875
21,300	1,959	-	23,259	4,452
539,260	-	-	539,260	-
899,579	44,303	-	943,882	-
15,937,589	2,366,453	(7,169,532)	11,134,510	3,464,209
341,206	36,977		378,183	400,288
5,284,266	406,482		5,690,748	19,246,779
891,703	210,335		1,102,038	195,523
5,009,440	500,944		5,510,384	25,222,369
41,383,353	**4,730,808**	**(7,369,547)**	**38,744,614**	**56,195,377**
16,772,136	2,713,251		19,485,387	37,635,684
1,154,735	-		1,154,735	58,906
454,041	69,727		523,768	839,087
196,780	21,884		218,664	324,510
11,862	3,226	-	15,088	52,801
10,672,897	838,895	393,300	11,905,092	12,178,849
120,081	4,364		124,445	-
2,305,133	92,930		2,398,063	562,953
60,790,607	6,882,929		67,673,536	138,451,682
26,962	3,471		30,433	45,890
256,161	12,719		268,880	181,533
17,126,577	4,014,984		21,141,561	99,067,540
2,839	331		3,170	2,805
80,246,648	29,118,141		109,364,789	375,426,089
1,684,635	160,653		1,845,288	495,334
1,030,110	22,203		1,052,313	52,471
7,555,933	1,436,210	(37,467)	8,954,676	21,089,796
24,164	31,439	-	55,603	603,251
35,197	56,329	-	91,526	1,094,343
675,230	675,230	-	1,350,460	12,864,899
201,142,728	**46,158,916**	**355,833**	**247,657,477**	**701,028,423**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2012 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2013 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
पटना	भूमि	35,051,442	100		35,051,542
	वाहन	886,075		-	886,075
	फर्नीचर एवं उपस्कर	487,464	20,930	-	508,394
	कार्यालय उपकरण	363,661	-	-	363,661
	बिजली अधिष्ठापन	37,801	-		37,801
	वातानुकूलन यंत्र	133,348	-	-	133,348
	पंखे एवं वायुशीतलक	32,925			32,925
	जलशीतलक एवं	-			-
	प्रशीतलक	10,249	31,450	-	41,699
	जेनरेटर सेट	61,962		-	61,962
	सर्वे उपकरण	21,299,006	115,000	-	21,414,006
	जलयान : निकर्षक एकक	328,154,648	14,193,963	-	342,348,611
	जलयान : साधारण	136,752,802	675,468		137,428,270
	गति नौकाएं	2,745,901			2,745,901
	बार्ज	84,062,200	-		84,062,200
	अस्थायी संरचना	1,018,158	-		1,018,158
	साइकिल	2,672			2,672
	कम्प्यूटर	3,231,578	321,029	-	3,552,607
	पुस्तकालय पुस्तकें	69,792	-		69,792
	सर्वे उपकरण (कम्प्यूटर)	4,925,875	124,849		5,050,724
	सर्वे स्तंभ	649,995			649,995
	संचार उपकरण	1,052,901	-		1,052,901
	भवन	1,419,250	-	(1,419,250)	-
	टर्मिनल	297,885,758	283,031,000	-	580,916,758
	रात्रि नौचालन बोया	9,277,200			9,277,200
	डीजीपीएस स्टेशन	32,245,501	-	-	32,245,501
	बीकन टावर	15,895,321	-		15,895,321
	क्रेन	44,807,338	1,519,486		46,326,824
	योग (ग)	**1,022,560,823**	**300,033,275**	**(1,419,250)**	**1,321,174,848**
गुवाहाटी	संचार उपकरण	1,459,976	213,150		1,673,126
	वाहन	590,523			590,523
	फर्नीचर एवं उपस्कर	816,119	103,653		919,772
	कार्यालय उपकरण	415,483	80,489	-	495,972
	बिजली अधिष्ठापन	29,479	17,500		46,979
	पंखे एवं वायुशीतलक	39,580	-		39,580
	सर्वे उपकरण	16,513,363	-	234,540	16,747,903
	साइकिल	680			680
	पुस्तकालय पुस्तकें	33,805	1,745		35,550
	जलयान गति नौका	3,155,336	-		3,155,336
	जेनरेटर सेट	36,100			36,100
	कम्प्यूटर	4,060,614	96,190		4,156,804
	टर्मिनल–पांडु	471,670,062	35,663,065	-	507,333,127
	रात्रि नौचालन उपकरण	13,079,910	-	(619,356)	12,460,554
	बार्ज	133,745,241	-		133,745,241
	जलयान – साधारण	177,923,392	7,236,606	(1,000,000)	184,159,998
	पांडु टर्मिनल	32,491,017	3,362,872		35,853,889
	जलयान निकर्षक यूनिट	687,965,738	257,238,857	-	945,204,595
	क्रेन	44,969,796			44,969,796
	वातानुकूलन यंत्र	103,450	-		103,450
	भवन	-		-	-
	योग (घ)	**1,589,099,664**	**304,014,127**	**(1,384,816)**	**1,891,728,975**

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2013

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2013 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2013 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2012 को	वर्ष हेतु			
			(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
-				35,051,542
841,769	-	-	841,769	44,306
413,223	32,181	-	445,404	62,990
248,028	17,274	-	265,302	98,359
29,867	1,796		31,663	6,138
67,079	6,334	-	73,413	59,935
31,279	-		31,279	1,646
-			-	-
9,737	1,981	-	11,718	29,981
60,649	-	-	60,649	1,313
13,077,167	1,017,165	-	14,094,332	7,319,674
207,309,046	23,964,403	-	231,273,449	111,075,162
32,413,151	4,590,104		37,003,255	100,425,015
1,974,990	194,135		2,169,125	576,776
26,274,412	2,807,677		29,082,089	54,980,111
1,018,158	-		1,018,158	-
2,538			2,538	134
3,072,195	52,039	-	3,124,234	428,373
69,792	-		69,792	-
4,679,581	20,238		4,699,819	350,905
216,026	21,905		237,931	412,064
850,824	50,013		900,837	152,064
275,800	-	(275,800)	-	-
70,707,893	27,593,546	-	98,301,439	482,615,319
1,762,668	440,667		2,203,335	7,073,865
2,875,832	1,531,661	-	4,407,493	27,838,008
1,510,054	755,027		2,265,081	13,630,240
12,242,989	1,547,316		13,790,305	32,536,519
382,034,747	**64,645,462**	**(275,800)**	**446,404,409**	**874,770,439**
1,034,281	39,703		1,073,984	599,142
560,997	-		560,997	29,526
454,585	39,029		493,614	426,158
138,893	19,385	-	158,278	337,694
21,006	1,429		22,435	24,544
16,494	1,289		17,783	21,797
6,450,827	779,477	132,153	7,362,457	9,385,446
646	-		646	34
33,805	1,745		35,550	-
1,699,971	207,346		1,907,317	1,248,019
24,010	1,715		25,725	10,375
3,454,922	144,127		3,599,049	557,755
87,082,619	24,098,325	451,425	111,632,369	395,700,758
4,162,584	621,295	(294,194)	4,489,685	7,970,869
28,887,494	4,467,092		33,354,586	100,390,655
44,779,982	6,944,527	-	51,724,509	132,435,489
-			-	35,853,889
178,635,068	66,164,321		244,799,389	700,405,206
10,513,937	1,501,991		12,015,928	32,953,868
16,011	4,914		20,925	82,525
-	-	-	-	-
367,968,132	**105,037,710**	**289,384**	**473,295,226**	**1,418,433,749**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2012 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2013 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
भागलपुर	बोया	54,467			54,467
	वाहन	152,658			152,658
	फर्नीचर एवं उपस्कर	182,158	-	-	182,158
	कार्यालय उपकरण	49,525	2,765		52,290
	बिजली अधिष्ठापन	3,227			3,227
	पंखे एवं वायुशीतलक	5,899			5,899
	सर्वे उपकरण	2,210,143	-		2,210,143
	बार्ज	561,255			561,255
	साइकिल	701			701
	पुस्तकालय पुस्तकें	22,014	-		22,014
	संचार उपकरण	157,026			157,026
	भूमि	36,734			36,734
	कम्प्यूटर	211,197	-		211,197
	डीजीपीएस स्टेशन	18,320,308	-	-	18,320,308
	टर्मिनल्स–	609,463	2,097,000	-	2,706,463
	योग (ङ)	**22,576,775**	**2,099,765**	**-**	**24,676,540**
कोची	वाहन	383,614	-		383,614
	फर्नीचर एवं उपस्कर	660,094	19,920		680,014
	कार्यालय उपकरण	311,981	-		311,981
	पंखे एवं वायुशीतलक	49,925	-		49,925
	वातानुकूलन यंत्र	67,595	-		67,595
	सर्वे उपकरण	10,868,270	13,300	(1,614,540)	9,267,030
	संचार उपकरण	734,727	-		734,727
	जेनरेटर	354,969	-		354,969
	कम्प्यूटर	3,700,617	8,500		3,709,117
	सर्वे लांच	4,983,591	-		4,983,591
	गति नौकाएं	1,120,418	-	-	1,120,418
	भूमि (टर्मिनल)	99,109,062	6,452,638		105,561,700
	भूमि चौड़ा करना	107,533,525	102,613,902		210,147,427
	पुस्तकालय पुस्तकें	19,847	-		19,847
	भवन	3,968,162			3,968,162
	टर्मिनल	257,198,260	13,883,756		271,082,016
	ड्रेजर	144,491,818	41,023,953	-	185,515,771
	रात्रि नौचालन	29,899,328	325,162	(296,148)	29,928,342
	थोटापल्ली में पैदल पार करने वाला पुल	2,188,615	-		2,188,615
	फोर्क लिफ्टस	6,370,925	-		6,370,925
	हाइड्रोलिक क्रेन	68,945,177			68,945,177
	अस्थायी टर्मिनल	1,196,370	-		1,196,370
	योग (च)	**744,156,890**	**164,341,131**	**(1,910,688)**	**906,587,333**
इलाहाबाद	कम्प्यूटर	255,569	45,415		300,984
	फर्नीचर एवं उपस्कर	154,341		-	154,341
	कार्यालय उपकरण	63,554			63,554
	पंखे एवं वायुशीतलक	12,155			12,155
	पुस्तकालय पुस्तकें	22,425	4,000		26,425
	बिजली अधिष्ठापन	24,950			24,950
	भूमि	2,405,763			2,405,763
	टर्मिनल		5,882,942		5,882,942
	सर्वे उपकरण	4,072,378	-	-	4,072,378
	योग (छ)	**7,011,135**	**5,932,357**	**-**	**12,943,492**

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2013

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2013 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2013 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2012 को	वर्ष हेतु			
			(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
52,612	-		52,612	1,855
151,776			151,776	882
128,977	8,653	-	137,630	44,528
39,994	2,484		42,478	9,812
1,892	153		2,045	1,182
5,899	-		5,899	-
1,358,661	104,982		1,463,643	746,500
554,410	-		554,410	6,845
650	16	-	666	35
22,014	-	-	22,014	-
157,026	-		157,026	-
			-	36,734
211,197	-		211,197	-
2,527,166	870,215	-	3,397,381	14,922,927
28,949	128,557	-	157,506	2,548,957
5,241,223	**1,115,060**	**-**	**6,356,283**	**18,320,257**
360,293	-		360,293	23,321
444,903	26,123		471,026	208,988
147,595	11,163		158,758	153,223
18,225	2,222		20,447	29,478
37,636	3,211		40,847	26,748
4,844,490	395,755	(525,453)	4,714,792	4,552,238
290,891	34,900		325,791	408,936
100,096	16,861		116,957	238,012
3,307,400	95,432		3,402,832	306,285
2,285,323	166,452		2,451,775	2,531,816
554,498	79,214		633,712	486,706
-	-		-	105,561,700
-	-		-	210,147,427
19,847	-		19,847	-
625,885	64,681		690,566	3,277,596
51,201,183	12,216,917		63,418,100	207,663,916
18,534,736	12,986,104	-	31,520,840	153,994,931
9,141,466	1,421,611	(70,264)	10,492,813	19,435,529
608,630	103,959		712,589	1,476,026
2,252,124	450,424		2,702,548	3,668,377
23,163,836	4,874,424		28,038,260	40,906,917
1,196,370	-		1,196,370	-
119,135,427	**32,949,453**	**(595,717)**	**151,489,163**	**755,098,170**
226,380	11,612	-	237,992	62,992
109,482	9,769	-	119,251	35,090
33,323	2,765		36,088	27,466
5,630	578		6,208	5,947
22,425	4,000		26,425	-
13,035	1,185		14,220	10,730
-			-	2,405,763
	279,440		279,440	5,603,502
2,206,081	159,063	-	2,365,144	1,707,234
2,616,356	**468,412**	**-**	**3,084,768**	**9,858,724**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2012 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2013 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
वाराणसी	फर्नीचर एवं उपस्कर	129,719	-		129,719
	कम्प्यूटर	275,505	33,000		308,505
	कार्यालय उपकरण	53,297	-		53,297
	पंखे एवं वायुशीतलक	5,875			5,875
	वाहन	243,069			243,069
	संचार उपकरण	59,764	6,193		65,957
	पुस्तकालय पुस्तकें	1,225	-		1,225
	सर्वे उपकरण	2,484,913		-	2,484,913
	भूमि		29,662,024		29,662,024
	योग (ज)	**3,253,367**	**29,701,217**	**-**	**32,954,584**
निनी	फर्नीचर एवं उपस्कर	3,508,642	36,000	-	3,544,642
	जेनरेटर सेट	657,371	-	-	657,371
	कम्प्यूटर	1,308,702	53,800	-	1,362,502
	कार्यालय उपकरण	1,122,919	60,690	-	1,183,609
	वायुशीतलक	1,237,281	-	-	1,237,281
	भवन / कार्यशाला	54,563,546	7,861,000	(2,459,000)	59,965,546
	छात्रावास एवं रसोई	596,467	10,490		606,957
	कार्यशाला उपकरण	331,832			331,832
	फायर मॉक अप उपकरण	3,007,560	2,224,306		5,231,866
	ओबीएम के साथ एफआरपी बोट		528,962		528,962
	जल शीतलक एवं प्रशीतलक	341,183	26,390	-	367,573
	अस्थाई संरचना	879,301	8,000		887,301
	पाठ्य सामग्री एवं उपकरण	330,116	114,467		444,583
	सिमुलेटर	32,367,125	1,327,250	(1,963,000)	31,731,375
	पुस्तकालय पुस्तकें	88,056	410,123		498,179
	सॉफ्टवेयर	3,023,100	85,300		3,108,400
	विद्युत स्थापन	101,676	-		101,676
	पंखे एवं वायुशीतलक	1,895	-		1,895
	भूमि	152,450,100	-		152,450,100
	योग (झ)	**255,916,872**	**12,746,778**	**(4,422,000)**	**264,241,650**
कालादान	फर्नीचर एवं उपस्कर	63,845	-		63,845
	अस्थाई संरचना	15,364	-		15,364
	कम्प्यूटर	243,452	-		243,452
	योग (ञ)	**322,661**	**-**	**-**	**322,661**
	कुल योग (क+ख+ग+घ+ड.+च+छ+ज+झ+ञ)	**4,325,496,709**	**1,198,005,434**	**(25,246,169)**	**5,498,255,974**
	गत वर्ष	3,846,949,729	501,988,779	23,441,799	4,325,496,709

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2013

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2013 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2013 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2012 को	वर्ष हेतु			
			(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
73,008	8,211	-	81,219	48,500
181,652	38,842	(43,302)	177,192	131,313
23,544	2,532		26,076	27,221
2,511	279		2,790	3,085
230,919	-		230,919	12,150
27,708	3,427		31,135	34,822
1,225	-		1,225	-
795,277	117,851	(151,342)	761,786	1,723,127
				29,662,024
1,335,844	171,142	(194,644)	1,312,342	31,642,242
1,921,314	224,376	-	2,145,690	1,398,952
249,800	31,225	-	281,025	376,346
733,306	125,001	-	858,307	504,195
296,634	56,221	-	352,855	830,754
280,605	58,774	-	339,379	897,902
7,550,507	977,438	(320,655)	8,207,290	51,758,256
60,377	28,831		89,208	517,749
47,286	15,763		63,049	268,783
282,888	248,512		531,400	4,700,466
-	37,398		37,398	491,564
129,649	17,461	-	147,110	220,463
879,301	8,000		887,301	-
330,116	114,467		444,583	-
2,664,594	1,776,958	(109,928)	4,331,624	27,399,751
88,056	410,123		498,179	-
490,045	503,872		993,917	2,114,483
4,830	4,830		9,660	92,016
90	90		180	1,715
			-	152,450,100
16,009,398	4,639,340	(430,583)	20,218,155	244,023,495
12,123	4,041		16,164	47,681
15,364	-		15,364	-
111,407	39,463		150,870	92,582
138,894	43,504	-	182,398	140,263
1,137,006,102	259,959,807	(8,221,074)	1,388,744,835	4,109,511,139
934,355,190	197,913,351	4,737,561	1,137,006,102	3,188,490,607

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

अनुसूची–III

चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम यथा दिनांक 31.03.2013

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	क) भंडार, कलपुर्जे एवं यांत्रिक उपकरण		
	(लागत पर)		
37,645,000	1) समुद्री कलपूर्जे	28,687,365	
566,991	2) स्थायी भंडार	456,505	
-	3) उपभोज्य एवं अंकण सामग्री		
105,781	4) लेखन सामग्री	259,778	
8,542,232	5) पो0 ओ0 एल0 स्टॉक	9,360,397	
249,532	6) अन्य	270,389	39,034,434
	ख) विविध देनदार		
	1) प्रतिभूति		
	2) अप्रतिभूति		
	–सुविचारित		
	1) 6 माह से अधिक		
	2) 6 माह से कम		
	–संदेहयुक्त		
	ग) जमा, ऋण एवं अग्रिम		
5,440,940	1) स्टाफ को अग्रिम	5,412,385	
60,332	2) विभागीय अग्रिम	98,339	
917,520,613	3) संविदाकारों एवं प्रदायकों को अग्रिम	947,708,145	
12,584,859	4) जमा	13,842,260	
45,160,795	5) क्षतिपूर्य दावे	55,381,930	
638,462	6) पूर्व प्रदत्त खर्चे	2,410,212	
4,027,866	7) अन्य	2,728,719	1,027,581,990
	घ) नकद एवं बैंक शेष		
22,724	1) उपलब्ध नकद / स्टैम्प	42,018	-
74,400,850	2) अनुसूचित बैंकों में नकद	161,667,844	-
-	3) पारगमन में प्रेषण		
258,209,000	4) अल्पावधि जमा	152,525,821	314,235,683
1,365,175,977	योग		1,380,852,107

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

अनुसूची–IV

31.03.2013 को समाप्त वर्ष के लिए प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 1		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
73,899,230	स्टाफ लागतें	80,636,602	
	2. कार्य खर्चे		
58,488,059	(i) सर्वेक्षण	58,637,651	
110,900,860	(ii) निकर्षण	173,862,601	
14,431,186	(iii) बंडालिंग	15,332,239	
	(iv) नौचालन एवं चैनल		
4,787,966	मार्किंग के लिए सहायता	8,670,849	
22,792,082	(v) टर्मिनल सुविधाएं	22,299,835	
23,440,648	(vi) जलयानों की मरम्मत	27,036,863	
33,082,046	(vii) रात्रि नौचालन	32,463,956	
-	(viii) नदी प्रशिक्षण कार्य		
	3. अन्य प्रशासनिक खर्चे एवं		
5,630,126	विविध खर्चे	4,657,085	**423,597,681**
	राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 2		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
16,454,972	स्टाफ लागतें	18,358,069	
	2. कार्य खर्चे		
8,620,380	(i) सर्वेक्षण	16,315,927	
23,448,260	(ii) बंडालिंग	19,770,966	
	(iii) नौचालन एवं चैनल		
6,453,620	मार्किंग के लिए सहायता	5,386,285	
6,768,258	(iv) टर्मिनल	8,217,380	
13,561,937	(v) ड्रेजिंग	25,422,996	
4,392,665	(vi) जलयानों की मरम्मत	5,066,716	
21,636,440	(vii) रात्रि नौचालन	25,277,098	
14,022,681	(viii) प्रोटोकॉल	12,599,543	
440,000	(ix) नदी प्रशिक्षण कार्य	-	
23,425,478	(x) प्रशिक्षण खर्चे (निनी)	26,072,050	
	(xi) तट रक्षण	683,000	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
1,283,721	खर्चे	1,600,318	**164,770,348**

जारी है.....

अनुसूची–IV

31.03.2013 को समाप्त वर्ष के लिए प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 3		
	1. वेतन और भत्ते		
9,312,820	एवं अन्य स्टाफ लागतें	11,203,266	
	2. कार्य खर्चे		
2,459,480	(i) सर्वेक्षण	1,465,297	
53,516,685	(ii) ड्रेजिंग	87,543,432	
-	(iii) चैनल मार्किंग		
5,218,170	(iv) रात्रि नौचालन	7,637,350	
7,358,248	(v) टर्मिनल सुविधाएं	5,489,788	
1,952,946	(vi) जलयानों की मरम्मत		-
-	(vii) लॉक गेट का अनुरक्षण		
-	(viii) तट रक्षण		-
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
779,129	खर्चे	695,418	114,034,551
	राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 4 एवं 5		
	1. कार्य खर्चे		
	(i) सर्वेक्षण	993,638	993,638
	(ii) ड्रेजिंग		
	कालादान परियोजना		
-	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ	-	
1,187,591	लागतें	229,000	
	2. कार्य खर्चे		
5,009,679	(i) सर्वेक्षण	2,291,948	
	(ii) ड्रेजिंग		
	(iii) टर्मिनल सुविधाएं		
14,848,507	(iv) अन्य परामर्शदात्री	24,803,055	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
1,087,504	खर्चे	3,184,539	30,508,542
590,691,374	**योग**		**733,904,760**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

अनुसूची–V

31.03.2013 को समाप्त वर्ष के लिए वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें	
50,288,485	i) वेतन और भत्ते	57,628,209
-	ii) मानदेय	63,300
2,455,509	iii) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	2,941,809
-	iv) दैनिक मजदूरी	242,045
124,376	v) अतिरिक्त समय भत्ता	126,457
234,872	vi) बोनस	255,596
-	vii) अवकाश वेतन एवं	-
1,099,361	पेंशन अंशदान	1,099,633
428,138	viii) आवास किराया	1,112,279
68,776	ix) वर्दी	39,604
561,004	x) स्टाफ कल्याण खर्चे	837,388
1,518,223	xi) शिक्षा शुल्क	1,327,440
-	xii) पेंशन एवं उपादान अंशदान	5,054,620
687,390	xiii) छुट्टी नकदीकरण	625,463
146,452	xiv) नये कर्मियों के लिए एनपीएस अंशदान	273,270
785,367	xv) एल.टी.सी. व्यय	1,956,283
58,397,953	**योग**	**73,583,396**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(एस० जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

अनुसूची–VI

31.03.2013 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य एवं अन्य खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
3,400,566	i) मरम्मत और अनुरक्षण	3,024,764
1,160,351	ii) स्टाफ भर्त्ती पर खर्चे	589,546
920,599	iii) डाक टिकटें, दूरभाष एवं तार	1,290,026
1,364,028	iv) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,621,593
962,141	v) वाहन चालन एवं अनुरक्षण	2,443,473
18,714	vi) विज्ञापन एवं प्रचार	117,152
229,557	vii) वाहन प्रतिपूर्ति	221,600
5,481,017	viii) यात्रा खर्चे –अन्तर्देशीय	7,644,786
2,462,652	–विदेशी	2,606,660
109,108	ix) समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	147,303
111,738	x) विविध खर्चे	242,354
120,193	xi) उपभोज्य	128,701
1,900,898	xii) बिजली एवं जल प्रभार	1,827,124
1,038,045	xiii) अंकेक्षण शुल्क एवं खर्चे	925,087
389,420	xiv) विधायी प्रभार	358,350
209,085	xv) संगोष्ठी एवं कार्यशाला/सम्मेलन	263,623
210,800	xvi) हिन्दी प्रोन्नयन	349,866
69,063	xvii) प्राधिकरण की बैठक पर व्यय	56,408
20,157,975	**योग**	**23,858,416**

कृते तथा प्राधिकरण के निर्मित

(एस0 जयरामन)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)

(दीपक दास)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

अनुसूची–VII

लेखाओं से संबंधित टिप्पणियाँ, यथा दिनांक 31.03.2013

1. 12,050.21 लाख रु0 (गत वर्ष 15,869.04 लाख रु0) के प्रगति परक पूँजीगत कार्य में निम्नलिखित कार्य हैं :–

क्रम संख्या	पार्टी का नाम	उद्देश्य	राशि
1.	नेप्चून मेरीन (प्रा0) लि0	कार्य नौकाओं का निर्माण	71.97
2.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–गुवाहाटी	पांडु में उच्चतल जेट्टी का निर्माण	3,196.97
3.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 – केरल	रा0 ज0–3 एवं कार्यालय में टर्मिनल का निर्माण	946.35
4.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 – पटना	कार्यालय भवन का निर्माण	395.92
5.	एन0 एस0 डी0 आर0 सी0	जलीय सर्वेक्षण ड्रेजर का डिजाइन और रूपांतरण	5.40
6.	एच0 डी0 पी0 ई0–कोलकाता	कार्य नौका का निर्माण	1,950.09
7.	एन0 एफ0 रेलवे	पांडु में बी0 जी0 साइडिंग का निर्माण	1,155.00
8.	एल्कोम मेरीन सर्विस (प्रा0) लि0	डिब्रुगढ़ एवं सिलघाट के लिए डी0 जी0 पी0 एस0 की आपूर्ति	112.44
9.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 – कोलकाता	जीआर जेट्टी का निर्माण	2815.03
10.	मेसर्स ए0 सी0 राय एंड कंपनी	बहुद्देशीय टग का निर्माण	2.63
11.	मेसर्स ए0 सी0 राय एंड कंपनी	डम्ब एंकर पांतुन का निर्माण	1.94
12.	मेसर्स मौजमुल इस्लाम	डी0जी0पी0एस0 धुब्री में आवासीय कक्ष का निर्माण	24.76
13.	मेसर्स एल्कोम मेरीन सर्विस (प्रा0) लि0	धुब्री में डी0जी0पी0एस0 की आपूर्ति	130.94
14.	मेसर्स ए0 आर0 आई0	सिमुलेटर की आपूर्ति	19.63
15.	मेसर्स बिट्टू इंटरप्राईजेज	निनी में बिजली का कार्य	3.93
16.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	डिजाइन को तैयार करना	2.67
17.	ए0 शर्मा एसोसिएट्स	नौएडा कार्यालय भवन का निर्माण	28.34
18.	मेसर्स आईडिस इन्कॉपोरेटेड प्रा0 लि0	नौएडा कार्यालय भवन का निर्माण	7.28
19.	नौएडा	नौएडा कार्यालय का निर्माण	0.94
20.	एन0 एफ0 रेलवे	पांडु में क्वार्टर का विध्वंस	224.00
21.	मेसर्स डी0 पी0 शर्मा	निनी संस्थान की चारदिवारी	39.70
22.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–पटना	निनी में एनेक्सी भवन का निर्माण	191.21
23.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–पटना	निनी में स्वीमिंग पुल का निर्माण	13.37
24.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–गुवाहाटी	कार्यालय भवन का निर्माण	75.50
25.	सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–गुवाहाटी	पांडु पोर्ट, ड्रेन इत्यादि का विकास	216.92
26.	मेसर्स अनुराग इंटरप्राईजेज	नौएडा में कार्यालय भवन का निर्माण	417.28
		योग	12,050.21

2. वर्ष 2012–2013 के दौरान प्राधिकरण ने अध्यक्ष और बोर्ड के पूर्णकालिक सदस्यों पर निम्नलिखित राशि खर्च की :–

वेतन	मकान किराया	अवकाश वेतन / पेंशन अंशदान	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	यात्रा खर्चे		योग
				विदेश	देश	
6565978	701336	763330	122298	671857	3278955	**12103754**
गत वर्ष						
7082827	142500	1099361	74108	1382305	933986	**10715087**

वर्ष के दौरान भा0 अ0 ज0 प्रा0 के अध्यक्ष ने भारतीय प्रतिनिधियों के साथ 11 से 13 जून, 2012 तक नीदरलैंड और 2–3 जुलाई, 2012 तक बांग्लादेश का दौरा किया। अध्यक्ष (दिनांक 24.09.2012 को प्राधिकरण में अध्यक्ष के रूप में कार्यरत) ने 5 से 16 मार्च, 2013 तक सिडनी, आस्ट्रेलिया का दौरा किया। उपाध्यक्ष ने 4 दिसंबर, 2012 और 14 से 19 जनवरी, 2013 तक बांग्लादेश का दौरा किया। सदस्य (तकनीकी) ने 27 से 2 जून, 2012 तक नीदरलैंड का दौरा किया।

3. नौएडा में 90 वर्षों के लिए पट्टे के आधार पर अनुसंधान एवं विकास सह कार्यालय परिसर के निर्माण के लिए 244.49 लाख रु0 (गत वर्ष 244.49 लाख रु0) लागत की भूमि और कोलकाता में 15 वर्शों के लिए पट्टे के आधार पर टर्मिनल के निर्माण के लिए 21.34 लाख (गत वर्श 21.34 लाख रु0) कीमत की भूमि ली गई और प्रति वर्ष 4.14 लाख रु0 (गत वर्ष 4.14 लाख रु0) बट्टे खाते में डाले जा रहे हैं।

4. (i) आयकर अपील अधिकरण (आईटीएटी) ने निर्धारण वर्श 1988–89 से 1997–98 (निर्धारण वर्श 1990–91 को छोड़कर) के बारे में अपना निर्णय दिया है जिसमें कहा गया है कि प्राधिकरण को अनुदान पूंजीगत अनुदान है, इसलिए आयकर नहीं लगेगा। आईटीएटी आदेश को प्रभावी बनाते समय एसीआईटी, नौएडा ने नया निर्धारण आदेश जारी कर दिया है, जिसमें प्राधिकरण की विविध प्राप्ति को आय के रूप में माना गया है। उक्त आदेश के विरुद्ध प्राधिकरण ने आयकर आयुक्त (अपील), गाजियाबाद के पास अपील दायर की है, जिसे खारिज कर दिया गया है। आयकर आयुक्त के आदेश के विरुद्ध प्राधिकरण ने आईटीएटी, नई दिल्ली के पास फिर अपील की। आईटीएटी, नई दिल्ली ने मामले की सुनवाई करके निर्णय की समीक्षा करने के आदेश सीआईटी (अपील) के लिए पारित किया है। सीआईटी (अपील) ने अपील को खारिज कर दिया है और प्राधिकरण ने सीआईटी (अपील) के विरुद्ध आईटीएटी, नई दिल्ली के पास अपील दायर किया है। आईटीएटी ने एओ को इस निदेश के साथ आदेश पारित किया है कि इस मामले को बहाल करके और निर्धारिती को अवसर देने के बाद ही कानून के अनुसार आदेश दिया जाना चाहिए। पहले के आदेश को वैध करार देते हुए सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा ने आदेश पारित कर दिया। प्राधिकरण ने सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा के आदेश के विरूद्ध आयकर आयुक्त (अपील) के पास अपील दायर कर दी है, जो अभी भी लंबित है। हालांकि, निर्धारण वर्श 1990–91 वर्श के लिए किए गए अपील सीआईटी (अपील) के पास अभी भी लंबित है।

(ii) सहायक आयकर आयुक्त (एसीआईटी), नौएडा ने हाल के निर्धारण आदेश के विरुद्ध अर्थदण्ड लगा करके उसकी मांग कर दी है। उक्त अर्थदंड आदेश के विरुद्ध आयकर आयुक्त (सीआईटी) (अपील), गाजियाबाद के पास भी अपील दायर की गई थी, जो खारिज हो गई थी। सीआईटी (अपील) के आदेश के विरुद्ध प्राधिकरण ने आईटीएटी, नई दिल्ली में अपील की है जिसे आईटीएटी द्वारा सांख्यिकीय उद्देश्यों के कारण निस्तारित कर दिया गया था। सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा को आईटीएटी, नई दिल्ली के नए आदेश के अनुसार निर्धारण वर्श 1988–89, 1989–90, 1991–92 से 1996–97 तक के लिए 11.19 करोड़ रु0 की रकम का अर्थदंड वापस करने के लिए कहा गया है। सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा ने इस दावे के साथ आदेश जारी किया है कि आईटीएटी निदेश को ध्यान में रखते हुए धारा 271 (1) के तहत अर्थदंड का पुनर्समायोजन की आवश्यकता नहीं है। सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा के आदेश के विरुद्ध प्राधिकरण ने आईटीएटी, नई दिल्ली के निदेश के अनुसार धारा 154 के तहत समीक्षा करने के लिए सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा के पास अर्जी दायर की है, जिसका अब तक निबटारा नहीं हुआ है।

(iii) वर्ष 1988–89 से निर्धारण वर्श 1997–98 तक के लिए आईटीएटी, नई दिल्ली के आदेश के विरुद्ध आयकर विभाग ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपील भी दायर की है।

5. कैनाल को चौड़ा करने और 11 टर्मिनलों के लिए भूमि की लागत के रूप में 4676.61 लाख रु0 (गत वर्ष 3469.26 लाख रु0) की रकम का अग्रिम भुगतान केरल सरकार को किया गया था। उपर्युक्त में से लगभग 12.3809 हेक्टेयर भूमि मार्च, 2013 तक रु. 3157.10 लाख में पूंजीकृत की गई। प्राधिकरण ब्याज सहित माननीय न्यायालयों के आदेशों के अनुसार अधिग्रहित भूमि की बढ़ी हुई कीमत का भी भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है।

6. सीपीडब्ल्यूडी को रु. 3113.82 लाख (गत वर्ष 3198.71 लाख) की रकम अग्रिम के रूप में दी गई। अब तक रु. 1191 60 लाख की रकम पूंजीकृत की गई है। चालू वर्ष में अब तक कोल्लम टर्मिनल (रु. 550.14 लाख), अलापूझा टर्मिनल (रु. 304.92 लाख) और चावड़ा (रु. 9.45 लाख), कक्कानाडु टर्मिनल (रु. 49.80 लाख), कायमकुलम (रु. 2.57 लाख) के निर्माण हेतु अब तक व्यय किए गए रु. 946.35 लाख को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त चालू वर्ष में मरदु कार्यालय परिसर के निर्माण के लिए रु. 43.00 लाख की रकम का भुगतान किया गया है, जिसमें से रु. 29.39 लाख को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है।

7. विलिंगडन द्वीप और बोलघट्टी में जेट्टी के निर्माण के लिए कोचीन पत्तन न्यास को जमा रूप में 1660.00 लाख रु0 (गत वर्ष 1660.00 लाख रु0) की रकम का भुगतान किया गया, जिसमें रु. 1519.28 लाख रु0 (गत वर्ष 1380.38 लाख रु0) की रकम को पूंजीकृत किया गया है।

8. गायघाट, पटना में उच्च स्तरीय जनरल कार्गो बर्थ के निर्माण के संबंध में अधिशासी अभियंता, पटना केन्द्रीय प्रभाग–II, सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 के पास जमा रूप में 2862 लाख रु0 (गत वर्ष 2862 लाख रु0) की रकम निर्गत की गई है। इनमें से रु. 2830.31 लाख (गत वर्श 2645.41 लाख रु0) की राशि पूंजीकृत की गई।

9. पांडु, गुवाहाटी में उच्च स्तरीय जनरल कार्गो बर्थ के निर्माण के संबंध में सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, गुवाहाटी के पास जमा रूप में 3332.00 लाख रु0 (गत वर्ष 3332.00 लाख रु0) की रकम निर्गत की गई है। इसमें से 3196.97 लाख रु0 (गत वर्श 2861.51 लाख रु0) को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के लिए लगाया गया है।

10. पांडु टर्मिनल, गुवाहाटी में बी0 जी0 साइडिंग के निर्माण और 28 यूनिट टाईप–II क्वाटर्स, गुवाहाटी के प्रतिस्थापन कार्य के संबंध में एन0 एफ0 रेलवे, गुवाहाटी के पास जमा रूप में 1254 लाख रु0 की रकम (गत वर्ष 1254 लाख रु0) निर्गत किया गया है और उपर्युक्त में से 1379.00 लाख रु0 (गत वर्श 973.00 लाख रुपए) को प्रगतिपरक पूँजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है।

11. इलाहाबाद टर्मिनल हेतु भूमि के अधिग्रहण के लिए जिलाधिकारी, इलाहाबाद के पास अग्रिम रूप में 35.20 लाख रु0 की रकम (गत वर्ष 35.20 लाख रु0) निर्गत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2005–06 के दौरान 8.759 हेक्टेयर भूमि की लागत के रूप में 24.06 लाख रु0 की रकम को पूंजीकृत किया गया है।

12. दिनांक 15.12.2002 को भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कर्मचारियों के लिए पोत परिवहन मंत्रालय के तहत दीप पोत एवं दीप घर के महानिदेशक से 225.28 लाख रु0 के अन्तरण शुल्क, स्टाम्प शुल्क इत्यादि की कुल स्थानान्तरण लागत पर सैक्टर–34, नौएडा में 53 फ्लैट अधिकार में ले लिये गये हैं। क्वाटरों को अधिकार में ले लिए गए हैं, मरम्मत भी हो गयी है और भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कर्मचारियों को आवंटित कर दिए गए हैं। इस प्रकार, 307.33 लाख रुपए (गत वर्ष 307.33 लाख रु0) को पूँजीकृत किया गया है। हालांकि, क्वाटर भा0 अ0 ज0 प्रा0 के नाम से पंजीकृत नहीं किये जा सके क्योंकि फ्लैटों को अब तक प्रथम स्वामी डी जी एल एल के नाम पर पंजीकृत नहीं किया गया है। नौएडा को भूमि किराया, इत्यादि का भुगतान करने के लिए डी जी एल एल को मनाने के उपरांत नौएडा में प्राथमिक पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद यह भा0 अ0 ज0 प्रा0 के नाम पर हस्तांतरित हो जाएगा।

13. एम. ओ. टी. टग–III और फ्लैट टर्नी नामक दो जलयानों को प्राधिकरण द्वारा अनुपयोगी घोषित किया गया है। उनका कबाड़ मूल्य क्रमशः 18.75 लाख और 7.05 लाख रुपया निर्धारित किया गया है। दोनों जलयानों के निस्तारण के लिए खुला टेंडर मंगाया गया था। कुछ कारणों से सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले को यह काम नहीं दिया गया। सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले ने प्राधिकरण के निर्णय के विरुद्ध निचली अदालत में मामला दायर किया है। न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा है। सीआईडब्ल्यूटीसी से बिना लागत के एम.ओ.टी. टग – III प्राप्त हो गया है। इस प्रकार लेखा में कीमत के रूप में 1.00 रु0 डाल दिया गया है।

14. बोयाओं और लाइटों की चोरी के कारण हुई हानि के लिए मैसर्स ओरियंटल इंश्योरेंस कम्पनी के पास से 34.47 लाख रु0 का दावा किया गया था जिसमें सन् 2004 से दंडात्मक ब्याज शामिल है। बीमा कम्पनी केवल 23.93 लाख रु0 के लिए सहमत हुई है। प्राधिकरण को ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी का निर्णय स्वीकार्य नहीं है और प्राधिकरण ने बीमा कंपनी को दावे का निपटारा शीघ्र करने के लिए कहा है।

15. वर्ष 2002–2003 के दौरान कुर्सी, एंकर और अनुशंगी सामानों सहित 47 बोया और 7 दिवस चिन्ह कोलकाता क्षेत्र में खो गए। प्राधिकरण ने 28.91 लाख रुपए का बीमा दावा किया और बीमा एजेन्सी से रु. 5.92 लाख की राशि प्राप्त की गई। रु. 22.99 लाख की राशि की प्राप्ति शेष है।

16. मार्च, 2005 के दौरान कर और स्पेयर पार्टस की लागत को छोड़कर 873 लाख रु0 की लागत पर फ्लोटिंग ड्राई डॉक के निर्माण और सुपुर्दगी हेतु प्राधिकरण ने मैसर्स एचडीपीईएल कोलकाता के साथ उपबंध पर हस्ताक्षर किया है। प्राधिकरण ने ठेके को रद्द कर दिया है और एचडीपीईएल – कोलकाता को 261.90 लाख रु0 की रकम को ठेकेदार को दिए गए अग्रिम के रूप में दर्शाया गया है। तेल टैंकर और कंटेनर जलयानों के लिए ऋण शोधन क्षति और जलयानों की मरम्मत के लिए रु0 71.48 लाख की राशि समायोजित की गई है और शेष राशि रु0 190.42 लाख को प्राप्य दावे के रूप में दर्शाया है। परियोजना की समीक्षा के लिए एक समिति गठित कर दी गई है और समिति ने सिफारिश की है कि कार्य मैसर्स एचडीपीईएल को पुनः दिया जा सकता है। इसके बाद स्टील की कीमत इत्यादि में वृद्धि होने के कारण एचडीपीईएल ने परियोजना लागत बढ़ा दिया है। प्रस्ताव प्राधिकरण के समक्ष रखा गया था और उस पर हुए विचार–विमर्श के अनुसार एचडीपीईएल द्वारा दिए गए दर को समुचित रूप से न्यायोचित किया जाना है। इसी बीच में प्राधिकरण पहले भुगतान की गई रकम का समायोजन भी कंपनी को दिए गए कार्यों की समग्र प्रगति को प्रभावित किए बिना करने का प्रयास कर रहा है।

17. रु. 359.85 लाख रु0 की लागत पर 3 कार्य नौकाओं के निर्माण के लिए वर्श 2003 में मैसर्स नेप्चून मेरीन प्राइवेट लिमिटेड को एक कार्य सौंपा गया था। संविदा के अनुसार 53.98 लाख रु0 की बैंक गारंटी सहित 161.93 लाख रु0 निर्गत कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2008–09 में 53.98 लाख रु0 की बैंक गारंटी लगाकर निधि प्राप्त कर ली गई है। संविदा की निबंधन और शर्त्तें का अनुपालन नहीं हो पाने के कारण संविदा दिनांक 29.07.2009 को समाप्त कर दिया गया था और माध्यस्थम की नियुक्ति कर दी गई है। दिनांक 11.12.2008 से प्राधिकरण के कब्जे में एक कार्य नौका है। कार्य नौका को टेस्ट एण्ड ट्रायल के दौरान आईआरएस और अ0 ज0 प0 निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार की अपेक्षा के अनुसार नहीं है। आवश्यक मरम्मत/रूपांतर का कार्य प्राधिकरण को सौंपा गया और कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान रु. 122.90 लाख की राशि पूंजीकृत की गई। शेष रु. 71.97 लाख राशि को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है।

18. प्राधिकरण ने पीपीपी रीति के आधार पर अ0 ज0 प0 परियोजनाओं को अभिज्ञात और विकास करने के लिए परियोजना विकास संगठन के रूप में मैसर्स आईएल एंड एफएस अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड को नियुक्त किया है। प्राधिकरण ने परियोजनाओं के विकास करवाने हेतु परियोजना विकास निधि के प्रारंभिक निधि में 50 प्रतिशत शेयर के रूप में 50,00000 रु0 का योगदान दिया है। योगदान दिए गए रकम को निवेश के रूप में दर्शाया गया है।

19. भारत में मिजोरम राज्य के साथ म्यांमार के सिटवे पत्तन को जोड़ने वाली कालादान नदी पर मल्टीमोडल पारगमन परिवहन सुविधा के निर्माण के लिए परियोजना विकास परामर्शदाता के रूप में भा0 अ0 ज0 प्रा0 की नियुक्ति विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने किया है। प्राधिकरण और विदेश मंत्रालय के बीच दिनांक 19.03.2009 को उपर्युक्त कार्य से संबंधित करार हुआ है। वर्ष के दौरान 305.10 लाख रु0 (गत वर्ष 227.95 लाख रु0) की रकम व्यय हुआ है और 34.73 लाख रु0 (गत वर्ष 49.20 लाख) की रकम बैंक से ब्याज के रूप में प्राधिकरण को परियोजना पर प्राप्त हुआ है। रु. 120.72 लाख राशि परामर्शदाता शुल्क सेवा कर के रूप में भुगतान की गई और उक्त राशि की प्रतिपूर्ति विदेश मंत्रालय से की जानी है, हालांकि अनुबंध में कर मामलों के संबंध में कुछ स्पष्ट नहीं है।

20. प्राधिकरण ने भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कार्मिकों के लिए पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम से तीन पॉलिसी ली है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने सभी तीन पॉलिसी के लिए बीमांकीय मूल्यांकन मुहैया किया है। यथा दिनांक 31.03.2013 के बीमांकीय मूल्यांकन के अनुसार पेंशन के लिए 5006.00 लाख रु0 (गत वर्ष रु. 3,865 लाख रु0), उपदान के लिए 377.83 लाख रु0 (गत वर्ष 639.67 लाख रु0) और छुट्टी नकदीकरण के लिए 245.66 लाख रु0 (गत वर्ष 486.97 लाख रु0) की राशि अपेक्षित है। जीवन बीमा निगम की बीमांकिक मूल्यांकन ग्राह्य नहीं है। प्राधिकरण ने जीवन बीमा निगम को उक्त निधि का संशोधित बीमांकिक मूल्यांकन मुहैया करने को कहा है; जो अभी लंबित है।

प्राधिकरण के कर्मचारियों के संबंध में सामान्य भविष्य निधि और पेंशन/उपदान निधि के व्यवस्था और प्रबंधन कार्य के लिए प्राधिकरण ने दिनांक 24.05.2005 से प्रभावी "भा0 अ0 ज0 प्रा0–सामान्य भविष्य निधि" और दिनांक 25.03.2003 से प्रभावी "भा0 अ0 ज0 प्रा0–कर्मचारी पेंशन निधि" नामक अलग–अलग न्यासों की स्थापना की। जीवन बीमा निगम, भारत, भा0 0 ज0 प्रा0–कर्मचारी पेंशन निधि का प्रबंधन करता है। भा0 अ0 ज0 प्रा0 कर्मचारी पेंशन निधि खाते के अनुसार न्यास के पास पेंशन और उपदान निधि में क्रमशः रु. 3,924.00 लाख और रु. 697.80 लाख उपलब्ध है। छुट्टी नकदीकरण निधि के लिए जीवन बीमा निगम के पास रु. 536.67 लाख की राशि उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए, जीवन बीमा निगम द्वारा संशोधित बीमांकिक मूल्यांकन मुहैया नहीं किया गया। वर्ष के दौरान जीवन बीमा निगम द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाणपत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष 2011–12 के लिए वर्तमान वर्ष के अंशदान पर विचार करने के उपरांत पेंशन और उपदान के लिए क्रमशः रु. 144.00 लाख और रु. 10. 86 लाख मुहैया किए गए। वर्तमान वर्ष के अंशदान पर विचार करने के उपरांत निधि की अनुपलब्धता के कारण छुट्टी नकदीकरण प्रावधान मुहैया नहीं किया गया।

21. प्राधिकरण ने तीन कंपनियों यथा i) मैसर्स रॉयल लॉजिस्टिक (शिप) लिमिटेड, कोलकाता ii) मैसर्स एसकेएस वाटरवेज लिमिटेड, कोलकाता और iii) मैसर्स विवदा लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के साथ तीन संयुक्त उद्यम परियोजनाओं के शेयर धारक उपबंध में प्रवेश किया है। मैसर्स रॉयल लॉजिस्टिक (शिप) लिमिटेड, कोलकाता और मैसर्स एसकेएस वाटरवेज लिमिटेड, कोलकाता के साथ शेयर धारक उपबंध के अनुसार प्रत्येक कंपनी का प्रारंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी 5.00 लाख रुपया है और इतना ही संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा 70 प्रतिशत के अनुपात में और भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा 30 प्रतिशत के अनुपात में योगदान दिया जाना है। तदनुसार, वर्श के दौरान प्राधिकरण ने प्रारंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी के रूप में प्रत्येक कंपनी में 1.50 लाख रु0 का अपने शेयर का योगदान किया है।

22. 1 जनवरी, 1999 से 31 अगस्त, 2006 तक भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कोची स्थित कार्यालय, 2347–एन, पारामारा शॉपिंग काम्प्लैक्स, पारामार रोड, कोची–18 के बकाया किराया के बढ़े हुए रकम को कार्यालय के चालू खाता से राजस्व तहसीलदार, एर्नाकुलम द्वारा जब्त किए हुए रकम को कोची निगम द्वारा आरआर कार्यवाही प्रारंभ करके 42.20 लाख रुपए की रकम निकाल लिया गया है। कोची निगम के निर्णय के विरुद्ध प्राधिकरण ने केरल उच्च न्यायालय में अपील दायर किया है। यह मामला अभी लंबित है।

23. माध्यस्थों के समक्ष 3 माध्यस्थम संबंधी मामले लंबित हैं जिनमें से दो मामले 2047 लाख रुपए की आकस्मिक दायित्व वाले भारी निकर्शण संबंधी कार्यों से संबंधित हैं और एक मामले जलयानों के निर्माण पर हुए लगभग 1600 लाख रु. की हानि से संबंधित है। फिलहाल केरल उच्च न्यायालय में दो मामले, नौएडा औरा बालासोर की निचली अदालतों में दो मामले और दिल्ली, इलाहाबाद, गोवाहाटी और पटना के उच्च न्यायालयों में सेवा से संबंधित 14 मामले लंबित हैं और दिल्ली एवं इंदौर के उच्च न्यायालयों में ब्याज इमदाद से संबंधी 2 मामले लंबित हैं।

उपर्युक्त के अलावा, लगभग 640 लाख रु0 की रकम सहित भूमि अधिग्रहण हेतु उच्च क्षतिपूर्ति के भुगतान के लिए केरल के विभिन्न न्यायालयों और उच्च न्यायालय में क्रमशः 42 एलएआर मामले और 13 एलएए मामले लंबित हैं।

24. पटना में निनी में मेरिनटाइम सिमुलेटर सेंटर की स्थापना के लिए मेसर्स एआरआई, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हुआ था। समझौता ज्ञापन के अनुसार सिमुलेटर पर आने वाले पूंजीगत लागत को भा0 अ0 ज0 प्रा0 और एआरआई 50:50 के अनुपात में शेयर करेगा तथा इसके प्रचालन पर आने वाले व्यय के बाद अर्जित शुद्ध राजस्व का शेयर भी समान रूप से किया जाएगा। वर्ष के दौरान सिमुलेटर के कुल लागत को पूंजीकृत कर दिया गया है और मेसर्स एआरआई द्वारा व्यय की गई 114.83 लाख रु0 (गत वर्ष रु. 104.77 लाख) की रकम को पूंजी आरक्षित के रूप में दर्शाकर मूल्य ह्रास लगाया गया है।

25. प्राधिकरण ने आवृत क्षेत्र को रु. 78 प्रति वर्ग फुट की दर पर तृतीय तल डी0 जी0 शिपिंग, मुम्बई को, चौथा तल उर्जा दक्षता सेवा लि0 (ई0 एस0 एल0) को और छठा तल कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि0 (कॉनकोर) को किराया पर देने के लिए स्वीकार पत्र दिया। प्रत्येक तल का आवृत क्षेत्र 8378.60 वर्ग फुट है। वर्ष के दौरा डी0 जी0 शिपिंग, ई0एस0एल0 और कॉनकोर से क्रमशः रु. 40.00 लाख, रु. 58.82 लाख और रु. 117.64 लाख की राशि नौएडा कार्यालय के उर्ध्वाधर विस्तार के निर्माण हेतु अग्रिम के रूप में प्राप्त किए। प्राधिकरण ने भवन के उर्ध्वाधर विस्तार के निर्माण के लिए रु. 456.52 लाख का व्यय किया। प्राधिकरण ने साईट पर सामग्री उपलब्ध कराने के लिए ठेकेदारों को रु. 58.08 लाख की राशि का प्रतिभूत अग्रिम दिया। अनुबंध के शर्त्तों और नियमों के अनुसार, 3 वर्षों के पूर्ण होने के पश्चात् उपरोक्त पार्टियों से प्राप्त निधि को किराए में समायोजित कर लिया जाएगा।

26. प्राधिकरण को वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान योजनागत और गैर योजनागत विभिन्न बजट शीर्षों के तहत 161.87 करोड़ रु0 प्राप्त हुआ है। यथा दिनांक 01.04.2012 को रु. 6.54 करोड़ रु0 की अधिशेष राशि चालू वित्तीय वर्ष में प्राधिकरण के पास उपलब्ध थी। वर्ष के दौरान रु0 83.05 करोड़ रु0 पूंजीगत व्यय और रु0 81.74 करोड़ राजस्व व्यय के रूप में प्राधिकरण द्वारा व्यय किया गया है।

27. 31 मार्च, 2013 तक ठेकेदारों / आपूर्तिकर्त्ताओं इत्यादि से प्रतिभूति जमा, बयाना रकम और जुटाव अग्रिम की दिशा में उनको दिए गए कार्य /ठेके के विरुद्ध उनसे रु. 2,181.69 लाख (गत वर्श 3,143.88 लाख रुपए) और यूरो 1,32,178 (गत वर्ष यूरो 61,423.20) बैंक गारंटी प्राप्त हो गया है।

28. प्राधिकरण के प्रारंभ से ही प्राधिकरण का वार्षिक लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के परामर्श से पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में ही तैयार किया जाता है।

29 कंपनी अधिनियम अनुसूची XIV में अन्तर्देशीय जलमार्गों के लिए प्रयुक्त कुछ स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए मूल्यह्रास दर मुहैया नहीं किया गया है। इस प्रकार, प्राधिकरण बार्जों पर 3.34%, टर्मिनलों पर 4.75%, रात्रि नौचालन उपकरण पर 4.75%, क्रेन पर 3.34%, और ड्रेजरों पर 7% की दर से मूल्यह्रास लगा रहा है।

30. पुनर्समूहन एवं पुनर्वर्गीकरण यथा आवश्यक किया गया है।

31. सभी आँकड़े निकटतम पूर्ण रुपए में दिए गए हैं और ( ) के आँकड़े निषेधात्मक आँकड़े इंगित करते हैं।

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(एस0 जयरामन)	(दीपक दास)	(जयश्री मुखर्जी)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)	सदस्य (वित्त)	उपाध्यक्ष

अनुसूची–VIII

लेखा नीतियाँ

1. व्यय निरूपण

जलीय सर्वेक्षण, तकनीकी–आर्थिक अध्ययन, बंडालिंग, तलीय पैनलिंग, निकर्षण, चैनल मार्किंग पर अस्थायी संरचना और जलयानों आदि के अनुरक्षण पर व्यय राजस्व व्यय के रूप में निरूपित किया जाता है जबकि चैनल मार्किंग में स्थायी संरचना, जलयानों की लागत, सर्वेक्षण लांचों, टगों, बार्जों, निकर्षकों आदि पर व्यय पूँजीगत व्यय के रूप में निरूपित किया जाता है।

2. मूल्यह्रास

दिनांक 2012.1993 के परिपत्र सं0 14/93 अधिसूचना सं0 1/12/92–सी एल के अनुरूप कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में दी गई दरों के आधार पर स्ट्रेट लाइन विधि के अनुसार मूल्यह्रास मुहैया किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों पर स्ट्रेट लाइन विधि से मूल्यह्रास 100 प्रतिशत की दर से लगाया गया है। अनुसूची–II के 5 और 9 कॉलम में कोष्ठक ( ) में दर्शाए गए आँकड़े क्रमशः सकल ब्लाक और मूल्यह्रास से कटौती को इंगित करते हैं। मूल्यह्रास खरीद वर्ष में पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है और निस्तारण / विक्रय वर्ष में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता है।

3. पूँजीगत कार्य में वृद्धि

कार्य प्रगति का परिकलन वास्तविक लागत के आधार पर किया जाता है तथा इसमें सम्पन्न और प्रमाणित कार्यों के लिए ठेकेदारों को किए गए भुगतान शामिल होते हैं।

4. भंडार, कल–पुर्जे और उपकरण

भंडार, कल–पुर्जे और उपकरण न्यूनतम और वास्तविक मूल्य पर मूल्यांकित किए जाते हैं।

5. पूर्वावधि समायोजन

गत वर्ष / वर्षों से संबंधित मद के लिए 1000/– रुपए से अधिक की आय और व्यय चालू वर्ष खाते में जमा /नामे, जैसे भी हों लिखे जाते हैं।

6. प्रावधान

(i) किसी व्यय के संबंध में ज्ञात दायित्व के लिए प्रावधान किया जाता है यदि मूल्य 1000/– से अधिक होता है।

(ii) भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान द्वारा जारी लेखा मापदंड 15 के अनुरूप किसी नियमित कर्मचारी के अवकाश ग्रहण करने पर उनके छुट्टियों को भुनाने के लिए प्रावधान किया जाता है।

(iii) बोनस का प्रावधान तदर्थ आधार पर किया जाता है जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा स्वायत्त निकायों के विषय में गत वर्ष घोषित किया गया था।

(iv) पेंशन अंशदान / ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान भा0 अ0 ज0 प्रा0 कर्मचारी पेंशन निधि विनियम, 1993 के अनुरूप किया गया है।

7. अनुदान निरूपण

प्राधिकरण के पास सरकार से प्राप्त अनुदान के अतिरिक्त कोई राजस्व उत्पादन नहीं होगा, जब तक कि राष्ट्रीय जलमार्ग आम प्रयोग के लिए पूर्ण रूप से प्रचालन योग्य नहीं हो जाते और यातायात दरें, उद्ग्रहण और शुल्क नियत नहीं हो जाते। अतएव केन्द्र सरकार से जो अनुदान प्राप्त किया जाता है, उसमें से राजस्व लेखा पर किए गए व्यय राजस्व अनुदान के रूप में, परिसम्पत्तियों के लिए किए गए भुगतान, पूँजीगत अनुदान और शेष को अधिशेष में प्राप्त अनुदान (चालू दायित्वों के तहत) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(एस0 जयरामन)	(दीपक दास)	(जयश्री मुखर्जी)
कार्यपालक निदेशक (वित्त)	सदस्य (वित्त)	उपाध्यक्ष

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अंकेक्षण रिपोर्ट

2002 में यथा संशोधित भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली, 1986 (भा0 अ0 ज0 प्रा0 नियमावली, 1986) के नियम 28(3) और भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985) की धारा 23 के तहत दी गई तिथि में समाप्त वर्ष के लिए हमने 31 मार्च, 2013 के भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (निगम) के संलग्न तुलन पत्र और आय और व्यय खाते को अंकेक्षित किया है, देखें दिनांक 10.10. 2002 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 449। इन वित्तीय विवरण में निगम के यूनिटों / शाखाओं के खाता शामिल है। ये वित्तीय विवरण निगम के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी अंकेक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरण पर अपनी विचार व्यक्त करने की है।

हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत मानदंडों के अनुसार अंकेक्षण किया है। इन मानदंडों में आवश्यक होता है कि हम उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए अंकेक्षण का नियोजन और अंकेक्षण यह जानने के लिए करते हैं कि वित्तीय विवरण गलत विवरणों से मुक्त हैं अथवा नहीं। अंकेक्षण में जाँच के आधार पर निरीक्षण करना, रकम के लिए दिए गए साक्ष्य की जाँच और वित्तीय विवरण को उजागर करना शामिल होता है। अंकेक्षण में प्रयुक्त सिद्धांतों के निर्धारण और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आकलन के साथ–साथ समग्र वित्तीय विवरण से संबंधित प्रस्तुति को भी शामिल किया जाता है। हमें विश्वास है कि हमारा अंकेक्षण हमारे विचार के लिए एक उचित आधार मुहैया करता है।

अपने अंकेक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :–

i. हमें सभी तरह की सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास में अंकेक्षण के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

ii. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय खाता भा0 अ0 ज0 प्रा0 नियमावली, 1986 के नियम 28 (2) और भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 34 (2) (छ) के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में निगम द्वारा लेखा की उचित पुस्तकें और अन्य संगत रिकार्ड अनुरक्षित किया गया है, जो भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 34 (2) (छ) के तहत आवश्यक है। ऐसी पुस्तकों की जाँच से हमें ऐसा प्रतीत होता है कि निम्न को छोड़कर –

(क) आय एवं व्यय लेखा

1. प्रशासनिक खर्चे

वेतन एवं भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें – ₹ 7.36 करोड़

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रदत्त सेवानिवृत्ति लाभों के लिए बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाणपत्र के अनुसार प्राधिकरण को पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण हेतु क्रमशः ₹ 50.06 करोड़, ₹ 3.78 करोड़, और ₹ 2.46 करोड़ की राशि का प्रावधान करना अपेक्षित था। उपरोक्त बीमांकिक मूल्यांकन के विरूद्ध पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण के लिए क्रमशः ₹ 40.68 करोड़, ₹ 7.09 करोड़ और ₹ 5.37 करोड़ की राशि उपलब्ध थी। अतः सेवानिवृत्त लाभ के लिए देयता प्रावधान में कमी हो जाने के फलस्वरूप खर्चों को कम दर्शाने के साथ–साथ देयता के लिए प्रावधान ₹ 3.16 करोड़ राशि तक हो गया।

2. **पूर्व अवधि समायोजन ₹ 0.45 करोड़**
उपरोक्त राशि में ₹ 0.82 करोड़ की राशि शामिल है, यह राशि वर्ष 1997–2010 तक की अवधि के लिए देय खर्चों की राशि है, जिसे वर्ष 2012–13 के दौरान बट्टे खाते में डाल दिया गया। प्रबंधन ने राशि को विविध प्राप्ति खाते में जमा करने के बजाय पूर्व अवधि समायोजन खाते में जमा किया, जिसके फलस्वरूप ₹ 0.82 करोड़ की राशि से पूर्व अवधि समायोजन को अधिक दर्शाया गया और उसी राशि से विविध प्राप्ति को कम दर्शाया गया।

(ख) **सामान्य**
खातों से संबंधित टिप्पणियां (अनुसूची VII)
टिप्पणी सं.–20

उपरोक्त टिप्पणी में यह कमी है कि निर्धारित लाभ योजना के वर्तमान मूल्य के बदलावों और एएस–15 के अनुच्छेद सं. 119 और 120 के तहत् आवश्यकतानुसार बीमांकिक मूल्यांकन इत्यादि की गणना के लिए प्रयुक्त पूर्वानुमानों को नहीं दर्शाया गया। यह एएस–15 'कर्मचारी लाभ' का उल्लंघन है।

(ग) **अंकेक्षण के दौरान किए गए संशोधन**
चरण–।। में जारी हाफ मार्जिनों के कारणवश प्रबंधन ने अंकेक्षण के दौरान खातों में निम्न संशोधन किए :–

(₹ करोड़ में)

खातों के शीर्ष	कमी	बढ़ोत्तरी
लाभकारिता	1.22	-
परिसम्पत्तियां	0.80	1.25
देयता	-	1.68
वर्गीकरण	10.97	
खातों/अन्य डिस्क्लोजर की टिप्पणियों में संशोधन	6 संख्या	

कुल प्रभाव = ₹ 15.92 करोड़

iv. पूर्व के पैराग्राफ में हमारे अवलोकन के तहत् हम प्रतिवेदन करते हैं कि इस रिपोर्ट में दी गई तुलन पत्र और आय एवं व्यय खाता, लेखा–बही के अनुरूप है।

v. हमारे विचार में और हमारी सूचना के अनुसार और हम लोगों को दिए गये स्पष्टीकरण के अनुरूप, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़ा गया उक्त वित्तीय विवरण और उपर्युक्त उल्लिखित संगत मामले और इस अंकेक्षण रिपोर्ट के अनुलग्नक–I में उल्लिखित अन्य मामले के तहत् यह भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा नीतियों से संबंधित सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और स्पष्ट हैं :–

(क) जहाँ तक इसका संबंध प्राधिकरण के यथा दिनांक 31 मार्च, 2013 तक के कार्यकलापों और तुलन पत्र से है, और

(ख) जहाँ तक इसका संबंध 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए आय/व्यय के आय एवं व्यय लेखा से है।

कृते तथा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के निमित्त

(विमलेन्द्र पटवर्धन)
प्रधान निदेशक, वाणिज्य लेखा परीक्षा तथा
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड–I,
नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 अक्तूबर, 2013

अनुलग्नक–I

1. आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली

आंतरिक अंकेक्षण आवधिक रूप से किसी चार्टर्ड एकाउंटेन्सी फर्म से कराया जाता है और अंकेक्षण रिपोर्ट तिमाही आधार पर प्रबंधन को प्रस्तुत की जाती है। कार्य का उद्देश्य और आंतरिक अंकेक्षण की अवधि संगठन की प्रकृति और आकार के अनुसार होता है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

जाँच संबंधी निरीक्षण के दौरान पायी गई निम्नलिखित कमियों को ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण को और मजबूत करने की आवश्यकता है :

(क) गुवाहाटी ईकाई में ठेकेदारों को अग्रिम, देय खर्चे और क्षतिपूर्य दावे के शीर्ष के तहत् बकाया शेष की सम्पुष्टि प्राप्त नहीं की गई।

(ख) फरक्का कार्यालय में रोकड़बही की देखरेख उचित ढंग से नहीं की गई।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

रिकॉर्ड की जाँच संबंधी परीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि स्थायी परिसम्पत्तियों का वास्तविक सत्यापन नौएडा स्थित मुख्यालय और गुवाहाटी ईकाई में नहीं कराया गया था। जाँच परीक्षण से आगे ज्ञात हुआ कि स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर को मुख्यालय (नौएडा), वाराणसी और गुवाहाटी ईकाई पर अनुरक्षित/अद्यतन नहीं कराया गया था।

4. वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

वस्तुसूची का वास्तविक सत्यापन समय–समय पर कराया जाता था।

5. सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमितता

सरकारी खातों में सांविधिक बकायों को नियमित रूप से जमा करके रिटर्न्स को भरा गया।

नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अंकेक्षण रिपोर्ट में 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखाओं पर की गई टिप्पणियों पर प्रबंधन के उत्तर

(क) आय एवं व्यय खाता

1. प्रशासनिक खर्चे

वेतन एवं भत्ते और अन्य स्टाफ लागतें – ₹ 7.36 करोड़

पूर्व वर्ष के बीमांकिक मूल्यांकन की तुलना में वर्तमान वर्ष के बीमांकिक मूल्यांकन में अत्यधिक अंतर होने के फलस्वरूप दिनांक 31.03.2013 को एल.आई.सी. द्वारा मुहैया किए गए बीमांकिक मूल्यांकन को स्वीकृत नहीं किया गया।

एल.आई.सी. को तीन वर्षों के विवरण सहित एक पत्र जारी किया गया। बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार, पेंशन में 29.52% की बढोत्तरी हुई और उपदान और छुट्टी नकदीकरण में क्रमशः 40.94% और 49.48% की गिरावट आई। वित्तीय वर्ष 2012–13 के वार्षिक खातों को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए वर्तमान वर्ष के लिए बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाणपत्र में अनुरक्षित अंशदानों पर विचार किया गया और उपरोक्त पॉलिसियों में ट्रस्ट और एल.आई.सी. के पास उपलब्ध निधि पर विचार करने के पश्चात् पेंशन और उपदान अंशदान के लिए क्रमशः ₹ 144.00 लाख और ₹ 10.86 लाख की राशि मुहैया की गई।

वित्तीय वर्ष 2013–14 में एल.आई.सी. से बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाणपत्र को प्राप्त करके वित्तीय वर्ष 2013–14 के वार्षिक खातों में शामिल कर लिया जाएगा।

2. **पूर्व अवधि समायोजन ₹ 0.45 करोड़**

खातों में दर्शाई गई दीर्घ बकाया राशि ₹ 82.33 लाख की समीक्षा की गई और गत वर्षों में मुहैया की गई सभी देनदारियों को वित्तीय वर्ष 2012–13 के पूर्व अवधि समायोजन खाते में जमा करके संशोधित किया गया। यह सूचित किया जाता है कि पूर्व वर्षों में, व्यय के लिए प्रावधानों को वार्षिक खातों में मुहैया किया। हालांकि, इसे भुगतान करने की आवश्यकता नहीं थी। अतः वित्तीय वर्ष 2012–13 के खाते में प्रविष्टियों का उत्क्रम किया गया।

(ख) सामान्य

खातों से संबंधित टिप्पणियां (अनुसूची–VII)

टिप्पणी सं.–20

एएस–15 के अनुसार, प्राधिकरण के लिए डिस्क्लोजर अनिवार्य नहीं है। कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभों, पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण के लिए विवरणों को वित्तीय वर्ष 2012–13 के खाते से संबंधित टिप्पणियों के अनुच्छेद–20 में दर्शाया गया। मूल्यांकन के लिए किए गए पूर्वानुमानों को वित्तीय वर्ष 2013–14 के वार्षिक खातों में दर्शाया गया।

अनुसूची–I

1. आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली

प्राधिकरण ने प्राधिकरण के आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म को लगाया है और लेखा परीक्षण से संबंधित अवलोकन का अनुपालन आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा काफी प्रभावी रूप से किया जाता है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

जांच के दौरान प्राप्त निम्नलिखित कमियों को ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण को और मजबूत करने की आवश्यकता है :

(क) मुख्यालय में ठेकेदारों को अग्रिम, देय खर्चे और क्षतिपूर्ति दावे के शीर्ष के तहत् बकाया शेष की संपुष्टि सुनिश्चित की गई। गुवाहाटी कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2013–14 में यही सुनिश्चित करना।

(ख) वित्तीय वर्ष 2013–14 में फरक्का कार्यालय में रोकड़ बही की उचित ढंग से देखरेख।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर और स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन को अद्यतन करने का कार्य मुख्यालय और गुवाहाटी कार्यालय द्वारा किया जा रहा है।

4. वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

टिप्पणी की आवश्यकता नहीं ।

5. सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमितता

टिप्पणी की आवश्यकता नहीं ।

Annual Report
2012 - 13

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

MINISTRY OF SHIPPING

HEAD OFFICE: A-13, SECTOR-1, NOIDA – 201 301, DISTT. GAUTAMBUDH NAGAR (U.P.)

TELE NO. : 0120 – 2544036, 2543972; FAX NO: 0120 - 2543973, 2521764

E-mail : iwainoi@nic.in, Website : www.iwai.nic.in

MEMBERS OF THE AUTHORITY (During 2012-13)

		Telephone No.	Fax No.
Chairman	**Smt. Bhupinder Prasad, IAS** (Up to 31.08.2012)	0120-2543972	0120-2543973
	Dr. Vishwapati Trivedi, IAS (From25.9.2012 onwards)		
Member	**Ms. Jayashree Mukherjee, IAS** Vice-Chairperson (From 11.07.2012 onwards)	0120-2544009	0120-2544009
Member	**Dr. Mrs. T. Kumar** Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Shipping	011-23710140	011-23715195
Member	**Sh. M. C. Johri** Joint Secretary (Shipping) Ministry of Shipping	011-23710189	011-23722855
Member	**Sh.R. P. S. Kahlon** Chairman, Kolkata Port Trust, Kolkata	033-22205370	033-22208226
Member	**Sh.C. B. Singh,** Advisor, Ministry of Shipping	011-2376619	011-23350648
Member	**Sh. Deepak Das** Member (Finance), IWAI	0120-2544004	0120-2543976
Member	**Sh. Devender Sharma** Member (RM), Central Water Commission	011-26103221	011-2610744
Member	**Sh. S. S. Mishra** Member (Traffic), IWAI (upto 20.11.2012)	0120-2543994	0120-2543982
Member	**Sh. S. S. Pandian** Member (Technical), IWAI (upto 28.02.2013)	0120-2521664	0120-2544041

OTHER DETAILS

		Telephone No.
Secretary	**Shri S. K. Shahi** (upto 18.2.2013) **Smt. D. Sai Amutha Devi** (from 15.3.2013 onwards)	0120-2544036
Auditors	**COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA**	011-23235793
Bankers	**SYNDICATE BANK** Transport Bhawan, Parliament Street, New Delhi 110 001	011-23717573
	SYNDICATE BANK Sector-18, Noida 201 301	0120-2514381
	CANARA BANK Sector-1, Noida 201 301	0120-2529163
	UNION BANK OF INDIA Sector-2, Noida 201 301	

REGIONAL OFFICES

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Gaighat Terminal-Cum Office, Gulzarbagh, Patna - 800 007 (Bihar)	0612-2630112 0612-2630005 0612-2630114	0612-2630100
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA P-78, Garden Reach Road, Kolkata - 700 043 (West Bengal)	033-24390393 033-24395577 033-24396055	033-24395570 033-24391710
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Pandu Port Complex, Pandu Guwahati - 781 012 (Assam)	0361-2570109 0361-2676925 0361-2676927 0361-2676929	0361-2570099 0361-2570055
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA National Waterways Road, N. H. 47 Bye pass, Kannadikkadu, Maradu, Ernakulam - 682 304 (Kerala)	0484-2295064 0484-2389804	0484-2389445

SUB OFFICES / UNITS

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA 360/F/44, Nawab Yusuf Road, Civil Lines, Allahabad - 211 006 (U.P.)	0532-2561151 0532-2560537	0532-2561152
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA 52, 2nd floor, Patel Nagar, Nadesar, Varanasi - 221 002 (U.P.)	0542-2505329	0542-2505329
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Navin Ganguli Road, Durga Asthan (Mandir Ghat), Bhagalpur - 821001 (Bihar)	0641-2400651	0641-2400651
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Office Building No. 1, FBP Office Complex, P.O. Farakka Barrage, Distt. Murshidabad - 742 212 (West Bengal)	03485-255809	03485-255809
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Fakirtala, P.O.- Maheshganj Swaroopganj, Naida-741 315 (West Bengal)		
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Durgabari Road Tiniali, A. T. Road, Naliapool Dibrugarh- 786 001	0373-2302540	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Dhubri Terminal, Free India Ghat, Dhubri - 786005		
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA IWT Terminal Cum Office Complex, Ashramam Nr. ESI Hospital, Kollam-691002	0474-2766460	

1. IWT SECTOR – GENERAL INFORMATION

Inland Water Transport (IWT) from time immemorial has served as a convenient and economic means of transport in India. With the advent of faster modes of transport i.e. rail, road and air, transportation by inland waters got neglected. . However, Inland Water Transport has maintained its edge over the other modes of transport in certain areas where it enjoys natural advantage due to the nature of cargo or due to the connectivity to ports/important industries. Today, it is recognized all over the world for its inherent advantage of being the cheapest mode of transport for bulk haulage over long distance between places situated along the water front. Energy efficiency, low pollution and potential for employment generation are universally accepted as the major advantages of inland water transport.

India has a number of rivers, backwaters, creeks and canals, which have the potential to be used as cost effective and efficient mode of transportation. Till middle of 20th century, IWT had been used as an important mode of transportation in various parts of the country. With the increase in other advanced mode of transports, the use of this mode of transport has declined and now is prevalent today in an organized manner only in a few places like Goa, Assam, West Bengal and Mumbai, apart from Ganga, Brahmaputra and Champakara and Udyogmandal canals. Transportation of goods by IWT mode in these regions had steadily increased till 2010-11 to the level of 70 million tonne (4.755 btkm) .However the same had fallen down to 30.5 million tonne (3.053 btkm) in 2012-13. This is mainly due to decrease in cargo transportation in Goa Waterways due to ban on iron ore mining. The encouraging news is that cargo transportation in National Waterways has increased from 4.921 million tonnes (1.299 btkm) in 2011-12 to 6.389 million tonnes (1.583 btkm) in 2012-13.

At present transport through IWT is less than 1% in the country, however the target is to raise the share to 5% (25 btkm) by the year 2020 and accordingly various projects/ schemes are being implemented.

2. INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA (IWAI)

The IWAI was constituted on 27th October 1986 vide Inland Waterways Authority of India Act, 1985 for regulation and development of inland waterways for the purposes of shipping and navigation. IWAI is primarily responsible for development, maintenance and regulation of waterways declared as National Waterways (NWs). It also advises Ministry of Shipping on all matters related to IWT. The responsibility of development of waterways other than those declared as NWs rest with the respective State governments.

3. ROLE OF IWAI

As per Section 14 of IWAI Act, 1985, IWAI is mandated with the development and regulation of declared National Waterways. The following waterways have so far been declared as National Waterways (NW)

i) NW-1 - Ganga-Bhagirathi-Hooghly river system (Allahabad-Haldia-1620 km) in the states of Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand and West Bengal, declared in 1986.

ii) NW-2 - River Brahmaputra (Dhubri-Sadiya – 891 km) in the state of Assam declared in 1988.

iii) NW-3 -West Coast Canal (Kottapuram-Kollam) along with Udyogmandal and Champakara Canals – (205 km) in the state of Kerala declared in 1993.

iv) NW-4- Kakinada- Puducherry canals along with Godavari and Krishna rivers (1078 km) – in the states of Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Union territory of Puducherry declared in 2008.

v) NW-5 - East Coast Canal integrated with Brahmani river and Mahanadi delta rivers (588 km) in the states of West Bengal and Odisha declared in 2008.

Declaration of Lakhipur- Bhanga stretch of River Barak (121 km) in Assam as NW-6 is under consideration of the Government. Besides, IWAI is developing and maintaining the Indian side of Sunderbans waterways under the Indo-Bangladesh Protocol for Transit and Trade under which the inland vessels of one country can transit through the specified routes of the other country.

IWAI is implementing various projects for making NW-1, 2 and 3 fully functional by providing following infrastructure:

a) Fairway with targeted depth and width

b) Fixed and floating terminals with access and egress by road/rail.

c) Facilities for day and night navigation; and

d) Dredgers/ vessels for channel developmental works

4. DEVELOPMENT OF NATIONAL WATERWAYS

There are three basic infrastructural requirements for making a waterway viable for shipping and navigation. These are (i) navigation channel with adequate depth and width for movement of reasonable size of inland vessels, (ii) navigation aids for day and night navigation, and (iii) terminals to provide berthing of vessels with loading and unloading of cargo/ passenger with road/ rail connectivity.

National waterways 1 and 2 are alluvial rivers with typical characteristics of braiding, meandering and large water level fluctuation between monsoon and non-monsoon months. On these rivers, several shallow areas (shoals) come up during low water season and maintenance of 2 m Least Available Depth (LAD), particularly in upper reaches, becomes a difficult task. In these rivers, conservancy works like dredging and bandalling are to be taken up after every monsoon to remove these

shoals for providing a navigational channel so as to facilitate uninterrupted navigation. NW-3, on the other hand, is a combination of tidal rivers and canals with uniform tidal variation in water level. Therefore, once the desired depth is provided by capital dredging, it can be maintained for a number of years by undertaking nominal maintenance dredging as per actual requirement. NW-4 and 5 consisting of both canal and river stretches. While canal portions need to be extensively dredged supplemented with water regulation using locks to maintain the required depth in NW-4, annual dredging is required on Godavari and Krishna rivers. Similarly dredging will be required in the lower reaches of the river portion of NW-5 on a yearly basis, whereas storage of water using five barrages with navigational locks are proposed in the upper reaches of Brahmani river to maintain the required depth for navigation.

5. NATIONAL WATERWAY - 1

[Ganga – Bhagirath-Hooghly river system from Allahabad to Haldia (NW1-1620 km)]

The important works carried out during 2012-13 for development and maintenance of fairway, terminals and navigation aids on NW-1 are briefly described below:-

Fairway Development:

A navigational channel with targeted depth and width called fairway is to be maintained in the NW for smooth and safe voyage of vessels. This was achieved by undertaking river conservancy works namely bandalling and dredging. During 2012-13, 3000 m of bandals were erected in Tribeni - Rajmahal stretch (399 km) and 14,100 m in Rajmahal - Chunar stretch (827 km) through contracts. In addition, 5.48 lakh m^3 of dredging was carried out in Tribeni- Rajmahal stretch and 5.69 lakh m^3 in Rajmahal – Chunar stretch by deploying eight Cutter Suction Dredgers (CSD) owned by IWAI namely CSD Sweta, Tapi, Shipra, Jalangi, Mahananda, Alaknanda, Yamuna, ID-IV and one Hydraulic Surface Dredger , HSD Sone. An Amphibian Dredger was also procured and deployed in Farakka area. On account of these works, least available depth (LAD) was maintained for various stretches of NW-1 during 2012-13, as given below:

(a) Haldia-Farakka stretch (560 km)	–	2.8 m all-round the year
(b) Farakka – Barh stretch (396 km)	–	2.5 m for about 330 days.
(c) Barh-Patna stretch (64 km)	–	2.2 m for about 330 days
(d) Patna – Varanasi stretch (363 km)	–	2.0 m for about 240 days.
(e) Varanasi - Allahabad (237 km)	–	1.5 m for about 120 days

Terminals:

At Gaighat, Patna, both low level and high level jetties are under operation. Both these jetties are capable of handling containers. 85% construction of permanent terminal at GR jetty, Kolkata has been completed by March, 2013. Fixed jetties already existing are being used at Farakka and Pakur in West Bengal. Varanasi terminal construction got delayed due to non-availability of proper approach road to the land acquired by IWAI at Ramnagar. Hence a proposal for acquiring 1.85 hectares of land for constructing proper approach road to the above terminal site linking with NH-7 has been prepared in consultation with the State Govt. of U.P and they are in the process of acquiring this land for IWAI.

Besides these fixed terminals, floating terminals also exist at Haldia, BISN & Botanical Garden (Kolkata), Shantipur, Swaroopganj, Katwa, Hazardwari, d/s Farakka, u/sFarakka, Manglahaat (Rajmahal), Samdaghat (Sahebganj), Bateshwarsthan, Bhagalpur, Munger, Semaria, Buxar, Ghazipur, Varanasi and Allahabad. These terminals are being maintained and used for loading/unloading of cargo, logistics supports and embarking/disembarking from time to time.

An office-cum-RIS building complex is under construction at Gaighat Patna through CPWD and up to March 2013 the project has achieved 80% physical progress.

Navigation Aids:

Channel marks for day navigation were provided and maintained between Tribeni and Allahabad all-round the year. After conducting fortnightly/ monthly thalweg surveys river notices were issued and pilotage provided to the Cargo/ Tourist vessels. The night navigation aids were maintained between Tribeni and Varanasi (1187 km) with country boats/ MS poles fitted with navigational lights and beacons. To supplement this, state-of- the art DGPS stations have been commissioned and are operational at Bhagalpur, Patna and Swaroopganj to facilitate "navigation using DGPS technique".

6. NATIONAL WATERWAY - 2

[The Brahmaputra river from Sadiya to Dhubri (NW2- 891 km)]:-

The important works carried out during 2012-13 for development and maintenance of fairway, terminal, and navigation aids on NW-2 are briefly described below:-

Fairway development:

During the financial year 17,460 m of bandals were erected and maintained in the entire waterway. Besides, 0.94 lakh m^3 of dredging was carried out by using two CSDs namely CSD Tizu and CSD Mandovi. The CSD Mandovi was mobilized on NW2 during February 2013. Two HSDs namely HSD Dhansiri and HSD Jia Bhorali were also deployed for undertaking dredging for augmenting the depth in the fairway. LAD of 2.5 m was maintained for 365 days in Dhubri-Pandu, 230 days in Pandu-Neamati, 2.0 m LAD in Pandu-Dibrugarh for 330 days and 1.5 m LAD in Dibrugarh-Oriumghat (Balijan) for 365 days.

Terminals:

A Master Plan was prepared for phased development of terminal at Pandu. A low level jetty at Pandu has already been made operational. A high level jetty at a cost of Rs. 33.32 Cr. is under construction. The overall physical progress of this high level jetty upto March'13 was 95%. A Broad Gauge siding connecting Pandu port to Kamakhya railway station (Guwahati) has been constructed through NF Railway at a cost of Rs. 12.97 Cr. Trial engine run has been completed and the BG Siding will be put to operation once the Gazette Notification is published by NF Railway. Other developmental works at Pandu terminal executed through CPWD like bank protection, construction/repair of internal road system, drainage work, hard stands etc. at a total cost of Rs. 4.64 Cr, are under progress . Another scheme for construction of Office cum River Information System building of IWAI regional office Guwahati at Pandu at an estimated cost of Rs. 4.61 Cr. is under progress being executed by CPWD. Proposal for Construction of an alternate road, connecting Pandu terminal to NH-31 for movement of heavy traffic at a cost of Rs. 12.32 Cr. was approved during March 2012 and the work was awarded to PWD (NH Division). However, the work could not be taken up as unauthorized encroachments exist on this land. Govt. of Assam and NF Railway are being pursued for early handing over of the land after clearing the land off the encroachments.

Projects for setting up of two Ro-Ro terminals, one at Dhubri and another at Hatsingimari (opposite bank in Brahmaputra river at Dhubri) was sanctioned by IWAI at a cost of Rs. 28.98 Cr. and Rs. 33.31 Cr. respectively and the work has been awarded to CPWD during January 2013. This will provide direct IWT connectivity to Meghalaya from Dhubri (29 km) avoiding a circuitous road route (220 km) through Jogighopa.

Floating terminals for facilitating cargo movement have been provided and maintained at Dhubri, Jogighopa, Tejpur, Silghat, Neamati, Bogibeel, Dibrugarh, Sengajan/Panbari and Oriumghat. Land acquisition for setting up of terminals at Hatsingimari, Dhubri, Silghat, Vishwanathghat, Neamati, Dibrugarh and Oriumghat have been completed.

Navigation Aids:

Channel marking for day navigation was provided and maintained in the entire waterway. Night navigation aids have also been provided between Dhubri and Silghat and are being maintained. Fortnightly/ monthly thalweg surveys have been carried out in the entire waterway and river notices have been issued to provide fairway related information to the IWT operators. To supplement this, state-of- the art DGPS stations have been commissioned and are operational at Jogighopa, Silghat and Dibrugarh to facilitate "navigation using DGPS technique". Setting up of one more station is in progress at Dhubri.

7. NATIONAL WATERWAY - 3

[West Coast Canal from Kollam to Kottapuram and Udyogmandal and Champakara Canals (NW3- 205 km)].

The important works carried out during 2012-13 for development and maintenance of fairway, terminal, and navigation aids on NW-3 are briefly described below:-

Fairway development:

NW-3 is a tidal waterway with four sea openings at Munambam, Kochi, Kayamkulam and Neendakara. It is envisaged that a navigational channel of 38m width in wider reaches and 32m in narrow reaches with 2 m depth is to be developed for navigation in NW-3. To develop the navigation channel with above dimensions, 40.33 Lakh cu.m capital dredging was envisaged over a length of about 87 Km. To carry out the dredging, entire NW-3 was divided into seven stretches: i) Champakara canal, ii) Udyogmandal canal, iii) Kottapuram- Kochi, iv) Kochi- Alappuzha, v) Alappuzha- Kayamkulam, vi) Kayamkulam-Edapallikotta and vii) Edapallikotta- Kollam. So far capital dredging have been completed in Champakara canal, Udyogmandal canal, Kottapuram- Kochi and Kochi- Alappuzha stretches and is in progress in the other stretches. As on March 2013, IWAI has carried out 30 lakh cu. m dredging. With this, Kottapuram to Alappuzha (Takazhi jetty) stretch along with Champakkara and Udyogmandal Canals (155 Km) have been provided with the targeted navigational channel.

The capital dredging work in Alappuzha- Kayamkulam and Kayamkulam- Edappallikotta stretches is being executed through contract dredging. The dredging in Edapallikotta- Kollam stretch is being executed by 5 departmental dredgers (3 cutter suction dredgers and 2 amphibian dredgers). The Edapallikotta- Kollam stretch contains hard strata (approx. quantity 18000Cum). After trying various methods for removal of hard strata, IWAI procured an Amphibian dredger which has a special attachment of hydraulic hammer for breaking the underwater hard strata. This special dredger has been found suitable for removing the underwater hard strata and now the work is in progress in this stretch since February 2012. To complete the work of removal of hard strata quickly, IWAI deployed one more Amphibian dredger during February 2013. Dredging and widening of canals in Alappuzha- Kollam stretch is expected to be completed by December 2013 subject to the continuous and smooth co-operation from the local residents for un-interrupted execution of dredging work.

Protection of the canal banks against erosion is another important activity for safe navigation. As on March 2013, 14.67 Km of canal bank has been provided with permanent bank protection in Champakara and Udyogmandal canals. In the canal sections between Alappuzha and Kollam also, where the existing channel needs to be widened, the bank protection is being provided simultaneously with capital dredging. As on March, 2013, 2.77 Km length of bank protection work has been completed.

The progress of capital dredging and widening of narrow canal works in NW-3 has been severely hampered due to various local issues related to disposal of dredged material, demand for extra bank protection, frequent stoppage of works and litigation by the local people. To resolve these issues, regular interactions with the State Government at the highest level is being done regularly.

Terminals

Out of total 11 locations envisaged for setting up of terminals, eight have already been constructed at Kottapuram, Aluva, Maradu (Kochi), Vaikkom, Cherthala (Thanneermukkom), Thrikunnapuzha, Kayamkulam (Ayiram Thengu) and Kollam. Construction of one terminal at Alappuzha is under progress at a cost of Rs.9.04 crores. Terminals at remaining two locations namely Kakkanadu and Chavara are proposed to be constructed in the next phase after firming up the cargo availability. For effective utilization and to encourage private sector participation, operation and maintenance of IWT terminals at Kottapuram, Aluva, Maradu (Kochi), Vaikkom, Cherthala (Thanneermukkom), Thrikunnapuzha, Kayamkulam, Kollam and Alappuzha (under construction) is proposed through private sector through open bidding process.

Two IWT container terminals, one at Bolgatty and the other at Willingdon island with RO-RO facilities have been constructed by IWAI through Cochin Port Trust to provide connectivity with ICTT Vallarpadam due to which trucks/trailers bound for Vallarpadam need not pass through the congested roads of Kochi city. These terminals are in operation since 23/02/2011. As on March 2012, 28,688 of 20 feet and 14,551 of 40 feet containers have been transported between these terminals using the RO-RO facility.

8. NATIONAL WATERWAYS 4 & 5

Eventhough both the waterways were declared as National Waterways in Nov, 2008, fund has not been allocated during 11th Plan for its development. As advised by the Planning Commission IWAI explored the possibility of developing more commercially viable stretches of NW-4 & 5 through PPP mode with Viability Gap Funding (VGF). Accordingly, interaction was made with the stakeholders of both these waterways and commercially viable stretches were identified. Department of Economic Affairs (DEA) and Asian Development Bank (ADB) under their India Infrastructure Project Development Fund (IIPDF) and PPP Pilot Project Initiative schemes, for developing these projects has appointed M/s Grant Thornton in March, 2012 as the transaction adviser (consultant). The consultant has submitted the draft project report of phase-I study in October, 2012. Based on the comments issued by IWAI revised report is expected from the consultant. A decision on investment will be taken thereater.

9. PROPOSED NATIONAL WATERWAY-6

Declaration of Barak river from Lakhipur to Bhanga (121 km) as a National Waterway is under consideration of the Government. Based on the DPR prepared by M/s Larsen & Toubro the proposal at an estimated cost of Rs.123.3 cr was submitted to the Ministry. After circulation of the Cabinet Note and formal approval of the proposal by the Cabinet, Bill for declaration was introduced in

Rajya Sabha on 22-3-13. The matter has been referred to the Parliamentary Standing Committee for their examination and report.

10. INDO- BANGLADESH PROTOCOL ON TRANSIT & TRADE

The Government of India and Bangladesh have entered into an arrangement for the use of their waterways for trade and commerce between the two countries. Under the arrangements certain IWT routes have been undertaken which are (i) Kolkata-Silghat -Kolkata, (ii) Kolkata-Karimganj-Kolkata, (iii) Rajshahi-Dhulian-Rajshahi and (iv) Silghat-Karimganj- Silghat for inter-country trade and five ports of call have been designated in each country. These are; Haldia, Kolkata, Pandu, Karimganj and Silghat in India and Narayanganj, Khulna, Mongla, Sirajganj and Ashuganj in Bangladesh. This protocol has recently been extended up to 31.3.2014. More than 15 lakh tonnes of fly ash is transported between Kolkata/Haldia and Bangladesh every year under this protocol. During the Shipping Secretary level talks held in Dhaka between India and Bangladesh early July 2012, it was proposed that the validity of the protocol should be co-terminus with the Trade Agreement.

11. NATIONAL INLAND NAVIGATION INSTITUTE (NINI)

NINI was constructed by IWAI at Patna and has been functional from February, 2004. Induction courses for deck and engine ratings, preparatory course for serang and drivers, basic and advanced dredging courses, refresher courses for hydrographic surveyors, repair and maintenance of vessels etc are conducted in NINI regularly. So far, over 1700 candidates have been trained at NINI for IWT sector. The administration and management of the Institute is done by M/s ARI, New Delhi. NINI has got ISO 9001:2008 certification during February, 2010. 100% placement has been achieved for the trainees of 13th and 14th batch and 50% for 15th batch. A scheme for placement of NINI trained candidates on board IWAI vessels under Apprentice Act has also been implemented. An "Inland Vessel Maneuvering Simulator" has been set up and commissioned in March, 2010. Further, a "Marine Simulator Centre" has been set up at NINI on 50:50 revenue sharing basis between IWAI and M/s ARI and the centre has trained 26 candidates so far. The Institution has been approved by DG Shipping to conduct Navigational Watch keeping officers courses for manpower for River Sea Vessels and Coastal Vessels. The first Course commenced on 15th April, 2012. The institute has also assisted the Govt. of Bihar in drafting and adopting Boat Rules 2010 and IV rules for Govt. of Bihar. The approval process of Diploma Program in IWT from IMU is also in progress.

Refresher Courses and Technical Courses for IWAI employees were also held in NINI. Authorized suppliers of various survey equipments were invited to impart training to IWAI Surveyors on high tech equipment like ADCP, Total station, DGPS reference station, Side scan sonar, Sub-bottom profiler, Tide gauge, etc. The training was organized at NINI, Patna during September 2012.

Refresher Course on Survey Equipment & Data Processing were imparted to all Surveyors at NINI, Patna.

Training on High-Tech Equipments at NINI

Refresher Course at NINI

Ms. V. Kumar
Sr. Adviser Transport,
Planning Commission viewing
Inland Navigation Simulator

PASSING OUT CEREMONY
Certificates distribution by
Sh.Suresh Kumar Sinha IAS,
Add. Secretary(Trans.)
Govt. Of Bihar

PASSING OUT CEREMONY
Shield distribution by
Cdr.P.K.Srivasatava
Secretary, Programme Advisory
Committee, NINI

	NUMBER OF CANDIDATES							
Month	BTM	ECDIS	RMI	LSHS	LCHS	ROC	ARPA	SMS
Apr-12	8	6						
May-12	11	11	1					
Jun-12	4	10	1					
Jul-12	5	17	1					
Aug-12	2	4	1					
Sep-12	3	7						
Oct-12	8	6						
Nov-12	7	12		1				
Dec-12	7	12		1	1			
Jan-13	2	5			1	2	2	
Feb-13	3	7				7	5	5
Mar-13		11				6	4	

BTM -Bridge Team Management
ECDIS -Electronic Chart Display Information System
RMI -Risk Management
LSHS -Large Ship Handling Simulator
LCHS -Liquid Cargo Handling Simulator
ROC -Radar Observer's Course
ARPA -Automatic Radar Plotting Aid
SMS -Ship Manoeuring Simulator

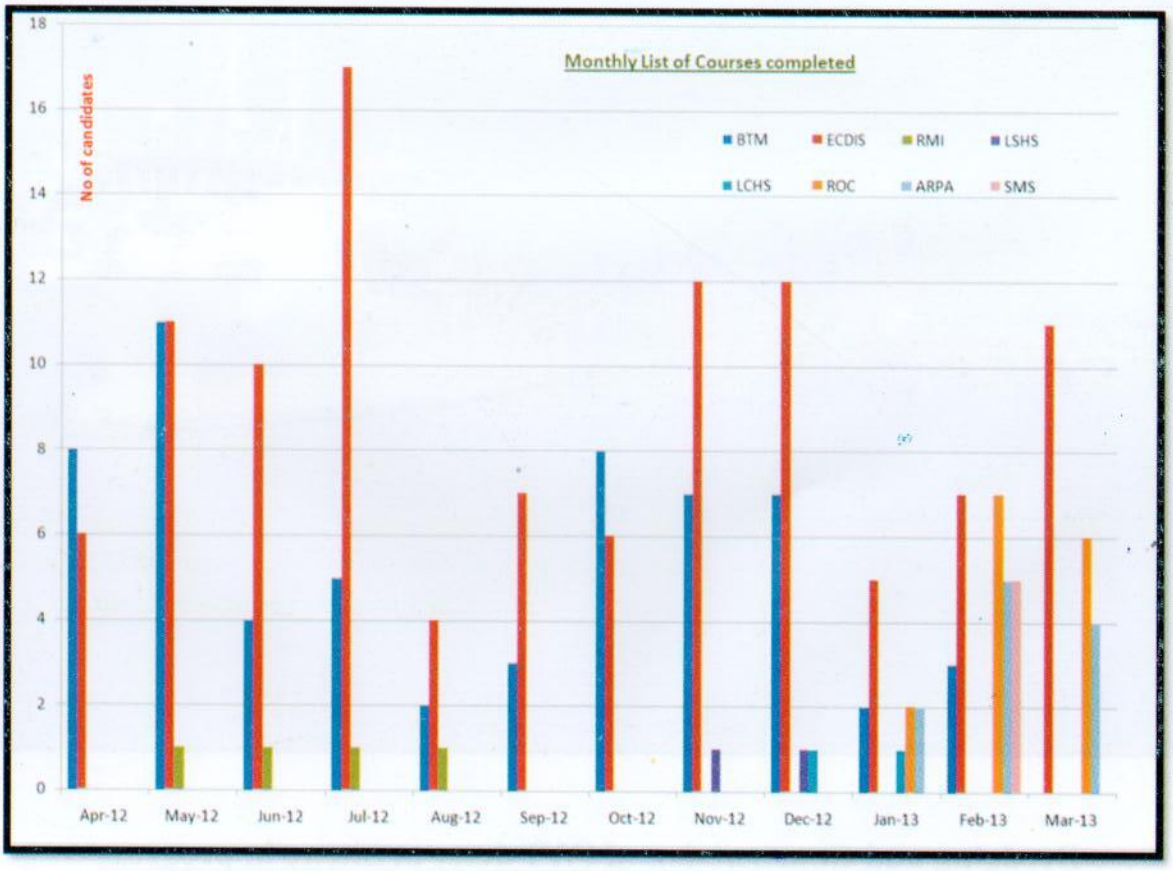

12. INDO-MYANMAR KALADAN MULTIMODAL TRANSIT TRANSPORT PROJECT

This project was conceptualized by the Ministry of External Affairs to provide alternative connectivity of Mizoram with Haldia/Kolkata ports through Kaladan river in Myanmar. The project envisages Coastal Shipping/ Maritime Shipping from Haldia to Sittwe, IWT from Sittwe to Paletwa (in Myanmar) and thereafter road from Paletwa to Mizoram. The project is piloted and funded by the MEA which appointed IWAI as their Project Development Consultant (PDC) vide agreement dated 19.3.09 for the IWT components. Consequently, MEA has appointed an Indian contractor [M/s ESSAR projects (I) Pvt Ltd] for construction of port and IWT components at a cost Rs 342 crore. Construction of port facilities at Sittwe, and Paletwa are in progress. Construction of six 300 tonne cargo vessels is also in progress. Capital dredging of about 11 lakh cu.m in Sittwe port for developing 7.9 m deep approach channel has been completed. The overall progress of the project up to March 2013 was about 50%.

Dredging and Construction of IWT Jetty at Sittwe in progress

Construction of Port & backup facilities at Sittwe in progress

13. TRANSPORTATION OF COAL FOR NTPC'S POWER PLANT AT FARAKKA

In July 2010, NTPC gave written commitment of transportation of 3 MMTPA of imported coal from Haldia to Farakka by IWT mode for a period of seven years. Thereafter IWAI and NTPC developed a project envisaging total investment from private sector. The project includes (a) trans shipment infrastructure at Haldia (b) barges/inland vessels for movement of 3 MMTPA coal (c) unloading jetty at Farakka ; and (d) material handling/conveyor belt system from river front at Farakka to the coal stack yard of power plant. After open competitive bidding, M/s Jindal ITF Ltd. was selected as the operator. They have to invest approximately Rs.650-700 crore in transhipper, barges and unloading infrastructure at Farakka. The transhipper has been positioned at Sandheads, 17 barges have been constructed and their registrations have been completed. Conveyor system is under construction and is expected to be completed by end July 2013. Construction of jetties and erection of cranes have been completed. Transportation of coal is expected to be started by September/October 2013.

Encouraged by the progress, of this project IWAI and NTPC have also developed a similar project for transportation of 3 MMTPA coal for 10 years for NTPC's 3300 MW Super Thermal Power Plant at Barh (near Patna). After detailed interaction with the prospective bidders, a RFD for this project is also proposed to be floated and finalized during 2013-14.

14. TECHNO-ECONOMIC STUDIES

Preparation of Detailed Project Reports (DPR) for Kakinada-Puducherry canals along with Godavari and Krishna rivers and East-Coast Canal along with Brahmani river and Mahanadi delta have been completed in 2009-10 and their EIA/EMP studies are at an advanced stage. Finalization of two more technical studies are in progress. These are: (a) DPR of Goa Waterways and (b) DPR of Barak river. Studies for (a) Design of prototype inland cum coastal vessel (b) Technical feasibility of providing 3 m LAD in Allahabad-Ghazipur stretch of NW-1; and (c) review feasibility study for extension NW-3 in north and south sides are in progress. At the instance of the PMO a study on Integrated National Waterway Transportation Grid has been commissioned through M/s RITES. The study is in progress. A Third Party Evaluation Study of ongoing schemes from 11th Plan to 12th Plan was commissioned through IMU, as a prerequisite for continuing Grants-in-Aid to IWAI from the Govt. The report has been submitted to Ministry of Shipping.

15. Survey Activities during the year 2012-13

Hydrographic surveys are to be conducted regularly to assess the hydro-morphological condition of the waterway. IWAI possess 18 state-of-the art Survey launches (12 in NW-1+ 6 in NW-2+ 1 in NW-3) equipped with most modern survey & communication equipment. Single line longitudinal survey along the deepest route called thalweg survey will be conducted on fortnight/ monthly basis in NW-1, 2, 3 and Sunderbans to assess the existing depth in the navigational channel. After conducting thalweg surveys river notices will be issued to the IWT users/ operators to promulgate latest navigational information. Besides, during lean season if there is a tendency in decrease in depth (vis-à-vis targeted depth for that particular stretch) in the navigational channel is observed at any location, such locations are demarcated and detailed surveys will be conducted to take up river conservancy works like dredging and bandalling. Effect of dredging/ bandalling will be monitored through progressive and post dredging/ bandalling surveys. Terminal surveys are conducted two times in a year, one before the monsoon and the other after the monsoon to assess the depth in the approach channel to the jetties.

NATIONAL WATERWAY -1

THALWEG SURVEYS

Thalweg surveys are conducted departmentally on a fortnightly basis and River Notices issued (both in English & Hindi) to the IWT users. Total 27902 line Km of Thalweg surveys were undertaken during the year.

DETAILED SURVEYS

The dredging work is monitored by using Automated Hydrographic Survey System in all the stretches of NW-1. 1.68 lakh m^3 of dredging was carried out in Rajmahal - Bhagalpur stretch, 0.54 lakh m^3 in Bhagalpur – Mungher stretch under the supervision of IWAI Bhagalpur 1.71 lakh m^3 in Patna-Mungher stretch and 2.90 lakhs m^3 in Patna-Ghazipur stretch under the supervision of IWAI Patna and 0.35 lakh m^3 in Ghazipur-Chunnar stretch under the supervision of IWAI Varanasi.

Pre / Post Bandalling and Dredging surveys were conducted departmentally at 225 shoal locations, details are given below:-

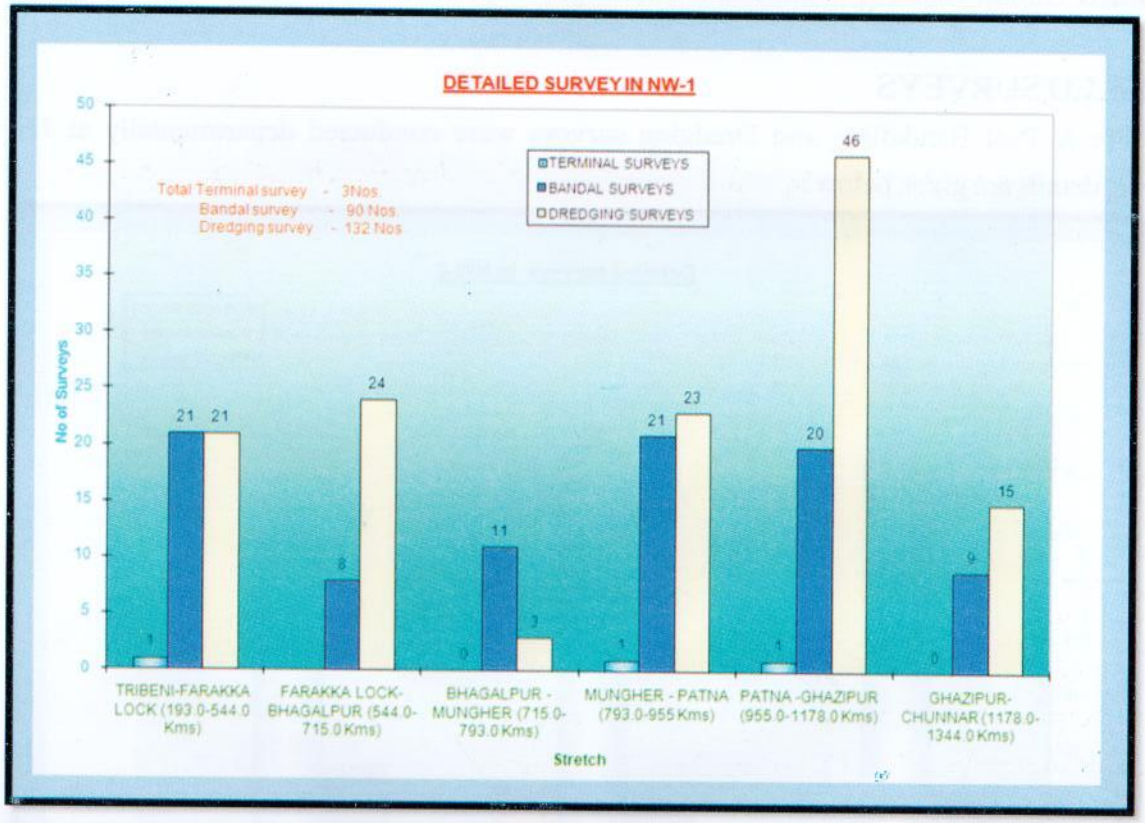

TERMINAL SURVEYS

Terminal Surveys have been carried out at BTPS Jetty, Tribeni (194.0) in TRIBENI-FARAKKA stretch, at Semeria (851.0) and Gaighat (955.0) in MUNGHER – PATNA stretches.

OTHER SURVEYS

In addition to the above departmental surveys, bank to bank survey have also been carried out in the stretch Farakka - Barh during flood season.

Indo-Bangladesh Protocol Route (Sunderbans)

Monthly Thalweg survey is carried out in Indo-Bangladesh Protocol route from Silver Tree point to Beharikhal (Bangladesh border). Total 1,872 line Kms of Thalweg survey was conducted and River Notices published in the IWAI web site.

NATIONAL WATERWAY -2

THALWEG SURVEYS

Thalweg surveys conducted departmentally on fortnightly basis and River Notices issued (both in English & Hindi). Total 15249 line Km of Thalweg surveys were undertaken during the year.

DETAILED SURVEYS

Pre & Post Bandalling and Dredging surveys were conducted departmentally at 128 shoal locations, details are given below :-

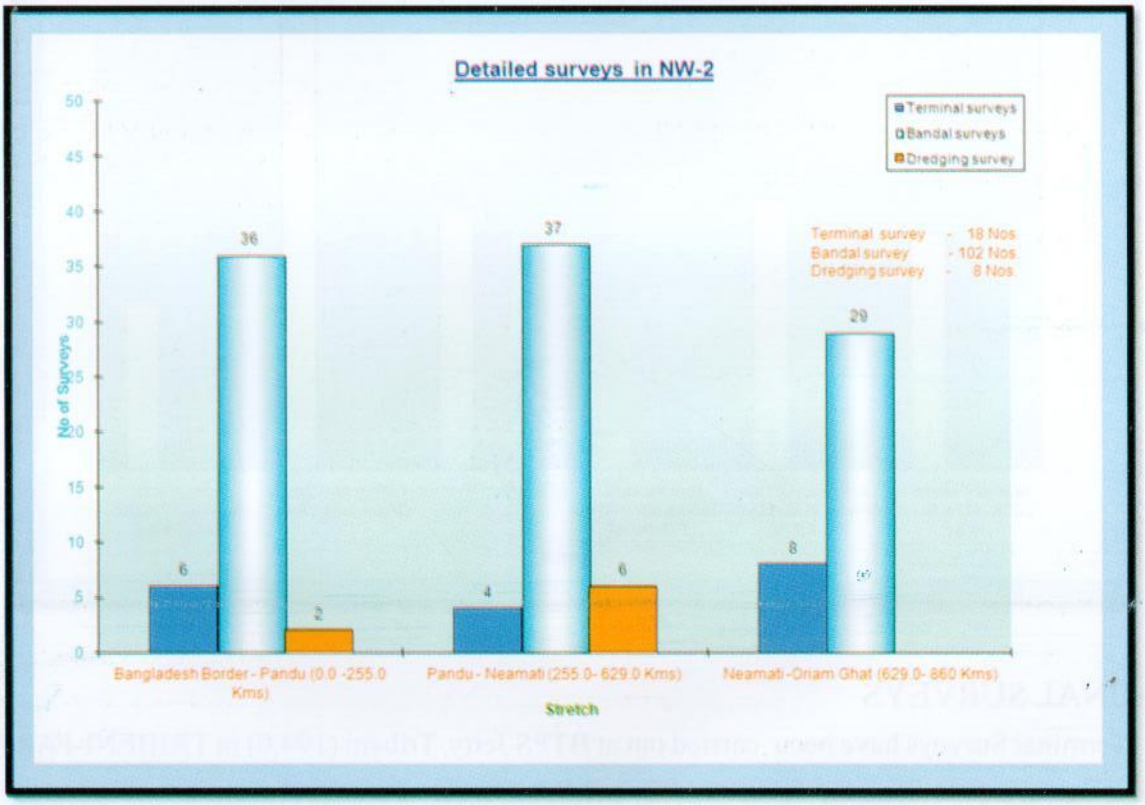

TERMINAL SURVEYS

Terminal Surveys were carried out at Hathsingimari(2), Dhubri (32), Jogighopa (108), Silghat (441), Tezpur (Bhomraguri) (470), Viswanath (470), Neamati (629), Dikhowmukh (660), Bogibil (738), Sengajan (775) and Oriyam Ghat (860) during the period 2012-13.

OTHER SURVEYS

Bank to bank surveys were carried out near Dhubri for a river length of 25 Kms during May-June 2012 and cross sectional survey was carried out at Hatsinghimari for a river length of 4kms. In addition to above, reconnaissance surveys were carried out in Lohit River and Dibang river for a length of 81 kms and 42 kms respectively in order to assess the navigability of river for movement of ODC.

DGPS Based Navigation systems:-

In order to make safe and efficient voyage of vessels plying in NW-1 & NW-2 projects were sanctioned for setting up of Differential Global Positioning System (DGPS) reference stations at a cost of Rs. 9.71 cr and Rs 7.91cr respectively. As per this, DGPS stations are envisaged at Swaroopganj, Bhagalpur, Patna and Varanasi in NW-1 and Jogighopa, Slighat and Dibrugharh in NW-2. These stations are planned in such a manner so as to get a radial coverage of 150 Km (approx) with sub-metre accuracy in position. The stations at Swaroopganj, Bhagalpur and Patna were commissioned and are operational in NW-1. Similarly stations at Jogighopa and Dibrugarh were commissioned and are under operation in NW-2. Other stations are likely to be commissioned during next year after completing the civil work and electrical works. Besides, project for setting up of an additional station at Dhubri in NW-2 has been sanctioned at a cost of Rs.2.2 Cr for facilitating safe and effective navigation in the Indo-Bangladesh Protocol routes for which work is in progress.

DGPS station -Swaroopganj

DGPS station –Control Room

NATIONAL WATERWAY -3

THALWEG SURVEYS

Thalweg surveys conducted departmentally on monthly basis and River Notices were issued (both in English & Hindi). Total 2,706 line Km of Thalweg surveys were undertaken during the year.

DETAILED SURVEYS

Pre & Post dredging Surveys were carried out at Cherai (5.78 Kms), Munambam (9.84Kms), KMML site (166.0Kms), FACT (Udyogmandal) (22.5Kms), Ambalamugal (23.5Kms) , Kovilthottam (166.5Kms) , Kottapuram terminal (1.5Kms), Aluva Terminal (Ch.22.5). A total quantity of 1.43 lakhs m^3 was dredged during 2012-13.

In addition to the above bank to bank survey also was carried out during October 2012 in the waterway between Seaport and Airport for a river length of 12.3 Kms.

NATIONAL WATERWAY 4 & 5

In order to assess the current status of the priority stretches of NW- 4 & 5, the detailed hydrographic survey work has been entrusted to 3 different contractors for conducting detailed hydrographic surveys and topographic surveys in NW-4 covering the stretch of Godavari River (171 kms),Kakinada Canal (50 kms), North Buckingham canal (137 kms) & South Buckingham Canal (40 kms) and similar survey in NW-5 covering the stretches of "Talcher to Dhamra' (265 kms),Matai River (39 kms),Mahanadi Delta River (67 kms) and in Kani river between "Padanipal to Sujanpur (50 kms). The survey work is in progress.

Project survey in progress (NW-4)

As directed by the Parliamentary Consultative Committee attached with Ministry of Shipping, a project survey was carried out departmentally during Dec- 2012 in Shollinganallore- Kalpakkam stretch (37 kms) of South Buckingham Canal, NW- 4 for taking up its development. Based on this the project for development of this stretch of waterway has been sanctioned by the Authority in Feb- 2013 at an estimated cost of Rs. 46.23 crores. For assessing the actual dredging quantity, a detailed hydrographic survey for this stretch has also been entrusted to a private contractor. This survey work is under progress.

Setting up of River Information Services (RIS) system in Haldia-Farakka stretch:-

A scheme for setting up of River Information Services System in Haldia –Farakka stretch of NW-1 was sanctioned at an estimated cost of Rs. 14.2 crore. Subsequently, a tender was floated for selecting an agency for its execution; however the same has been cancelled for ensuring wider participation. The work will be re tendered in the next financial year.

Release of ENC & IWN software by Chairman, IWAI

Release of Electronic Navigation Charts & Inland Waterways Navigation software

At function held in the Head Quarters of Inland Waterways Authority of India (IWAI), Noida on 6th March 2013 Dr. Vishwapati Trivedi, IAS, Chairman IWAI, released the Electronic Navigation Charts (ENCs) prepared in S-57 format and a real time navigation software namely 'Inland Waterways Navigation (IWN) Software' for Sagar- Farakka stretch (560 km) of NW-1 . These products have been developed as per International Standards. This "real time navigation technique" will enhance the safety, security and productivity of inland vessel operations in the Hooghly- Bhagirathi- Farakka feeder canal sector of NW- 1, in particular for the 3 MMTPA of imported coal transportation project between Sandhead (Bay of Bengal) and Farakka NTPC Power Plant by M/s JINDAL ITF Ltd. Any vessel fitted with a computer/ laptop, digital echo sounder and a GPS/ DGPS receiver along with the preloaded ENCs and the IWN Software will facilitate real time navigation. Training on ENC and IWN software for Masters of inland vessels was also organised at Kolkata on 22nd and 23rd March 2013 in which 53 participants including private operators participated.

16. CARTOGRAPHIC CELL/SEMINARS/TRAINING

The Cartographic Cell in IWAI's Head Office at NOIDA is equipped with modern chart making hardware, Geographic Information System (GIS) & image processing softwares. The Cartographers of IWAI have been trained for using these hardwares and softwares. Surveyors and D/men of IWAI have undergone training on updating of ENCs and paper charts at IIC Academy, Hyderabad during August & September 12.

Participants of training at IIC Academy, Hyderabad

ENC room has been set up at IWAI Regional office Kolkata, with modern equipment and software for regular updates of ENC for Haldia-Farakka stretch of NW-1. IWAI has participated in the International Congress on "Cartographic for sustainable Earth Resource Management" organized by Indian National Cartographic Association (INCA) on 11th to 13th October 2012 at Dehradun. IWAI has also displayed its nautical products in the exhibition held at the above venue. Sh. G. Prasanth, AHS presented a paper titled "Mapping in National Waterways for sustained Development" in the Congress, which was well acknowledged by the audience.

17. Cargo movement during 2012-13

Substantial cargo movement by IWT mode can be expected only after providing minimum infrastructural facilities required for economical navigation i.e. required navigation depth, night navigational facilities, DGPS, mechanized terminals and vessels. At present sufficient inland vessels are not available to ply even in the developed stretches of the waterway. Only 77 cargo vessels (28 CIWTC vessels & 49 private vessels) are available in NW-1 and almost all are deployed in lighterage operations between Haldia & Kolkata. IWT Directorate, Govt. of Assam is operating only 12 vessels in NW-2. There is acute shortage of cargo vessels. Further, this year M/s Jindal ITF has procured 14 vessels for dedicated movement of imported coal for NTPC, Farakka by IWT mode. These vessels are yet to be put to use by them.

IWAI has only 7 cargo vessels of which 3 vessels namely MV Rajgopalachari, MV Rabindranath Tagore, MV Lal Bahadur Shastri and MV V.V. Giri are given on voyage charter basis for operation in NW-1, NW-2 and Indo-Bangladesh Protocol route. Further 3 vessels namely MV Homi Bhabha, MV Zakir Hussain and MV Vishweshsariyya are allotted to private operators on bare boat charter basis through open tender for operation in NW-1, NW-2 and Indo-Bangladesh Protocol route.

However, cargo is moved by IWT mode by IWAI's cargo vessels, Bangladeshi vessels, country crafts and small mechanized crafts (less than 100 ton capacity). Details of cargo moved on National Waterways No. 1, 2 & 3, Goa and Mumbai Waterways for the years 2008-09, 2009-10, 2010-11, 2011-12 and 2012-13 are indicated in million ton (MT), ton kms (TKM) and billion ton km (BTKM) in the annexure.

The cargo moved on National Waterways No.1, 2 and 3 during the year 2012-13 was 6.38 million ton (1584 million ton-km) against 7.06 million ton (1529 million tons km) during the year 2011-12.

During the year 16.93 lakh MT cargo was exported from India to Bangladesh by IWT mode, out of which 15.83 lakh MT was fly ash. Cranes and other mechanical handling equipment were deployed for cargo handling at Patna, Haldia, Kolkata and Pandu Jetties.

Over Dimensional Cargo (ODC) have also been moved on National Waterways. These mainly pertain to power projects coming up in the vicinity of NW-1 and NW-2. Seven consignments of over dimensional heavy lift project cargo of 2939 MT from Kolkata to Zamania, Haldia to Zamania, Ballia, Bakhtiyarpur and Allahabad on NW-1 and eight consignments of 2672 MT from Kolkata to Silghat, Karimganj, Pandu, Jogighopa and Karimganj to NS Dock, Kolkata in Indo-Bangladesh Protocol Route were moved during the year.

IWAI has facilitated the Inland Water Cruise Vessel MV Bengal Pandaw of M/s Heritage (formerly Pandaw Cruises India Pvt. Ltd., New Delhi) and MV Sukapa of M/s. Assam Bengal Navigation Company Pvt. Ltd., on NW-1 during the year 2012-13. The cruise vessels have completed 24 trips between Kolkata - Semaria/Rajmahal/Patna/Buxar-Kolkata during the year carrying foreign tourists. M/s Assam Bengal Navigation Co. and Brahmaputra Cruises Pvt. Ltd., are operating river cruises on NW-2. Two cruise vessels namely MV Charaidew and MV Mahabaahu have been put in service on NW-2 by M/s Assam Bengal Navigation Co. and M/s Far Horizon Tours. Many house boats and tourist boats are also plying in NW-3.

M/s Jindal ITF Ltd. have mobilized 14 barges on NW-1 and one transhipper at Sagar for their contract for movement of 3 MMTPA imported coal from Sandheads to NTPC's thermal power plant at Farakka. Construction work at unloading point (Farakka) is in progress and more inland cargo vessels are being procured by them. The transportation is expected to start next year.

IWAI is preparing cargo specific projects entailing private investment in IWT. These projects are being monitored by the Prime Minister's Office.

Feasibility report through IL&FS Infrastructure Development Corporation Ltd for movement of 3 MMTPA imported coal for 10 years for NTPC's Super Thermal Power Station at Barh have been prepared. The project envisages leasing/acquisition of a transhipper, about 70 barges of 1500 MT capacity, procurement of about 5 acre land at Barh by NTPC, construction of berthing and cargo handling infrastructure at Barh and construction of about 3.5 km conveyor connecting river front and NTPC coal stack yard in 3 years. The work is expected to be allotted to the successful bidder by NTPC after floating RFP in 2013-14.

Apart from above some other feasible projects for private sector investment have been identified. These projects include movement of 0.5 MMTPA imported coal for NTPC's Power plant at Bongaigaon, Assam; Transportation of food grains by FCI to Tripura by IWT mode; Transportation of other cargoes like foodgrains, LPG, bitumen, fertilizers by IWT mode and Operation & Maintenance of IWAI's terminals on NW-3.

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

CARGO MOVEMENT FOR National Waterways-1, 2 & 3, Goa and Mumbai Waterways 2008-09 to 2012-13

STRETCH		2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	Type of cargo moved
National Waterway - 1	MT	1,348,385	1,811,070	1,871,178	3,309,839	2,716,436	Cement, Fly Ash, Iron Ore,Iron Ore Fines, Coal, Steel Shed, Tyres, Iron fines, Iron Ingots, Galvanized Steel Plain Sheet,Stone Chips, Furnace oil, HF HSD, Lube Oil, Boulder, Pulses, Aluminium block, Sand , Clips, Ship block, Log, Pulses, Manganese Ore, Petroleum Coke, Cooking coal, Rock Phosphate,Timber, Peas, Slag oil,Non cooking coal, ODC & Etc.
THE Ganga	TKM	705,570,044	1,047,703,720	1,227,702,794	1,454,368,323	1,511,961,380	
	BTKM	0.705	1.048	1.228	1.454	1.512	
National Waterway - 2	MT	2,179,435	2,114,895 ^	2,163,745 ^	2,406,448 ^	2,426,804 ^	Bamboo, Bamboo products, general cargo, inter state cargo, food grains & other essential comodities etc.
THE BRAHMAPUTRA	TKM	55,171,401	59,126,385	57,335,351	61,327,453	58,047,828	
	BTKM	0.055	0.059	0.057	0.061	0.058	
National Waterway - 3	MT	766,214	667,197	885,694	1,343,770	1,236,403	Phosphoric Acid, Sulphur, Zinc, Furnace oil, Rock Phosphate, Various commodities in containers, Furnace oil-bunkering, POL(bunkering to ships), Potable water, Lime shell with clay and other impurties, Liquid Effluent.
WEST COAST CANAL	TKM	10,912,125	9,750,256	14,227,990	13,251,939	13,990,516	
	BTKM	0.011	0.01	0.014	0.013	0.014	
	MT	**4,294,034**	**4,593,162**	**4,920,617**	**7,060,057**	**6,379,642**	
Total of National Waterways	TKM	**771,653,570**	**1,116,580,361**	**1,299,266,135**	**1,528,947,714**	**1,583,999,724**	
	BTKM	**0.772**	**1.117**	**1.299**	**1.529**	**1.584**	
THE GOA Waterways	MT	45,580,000	53,030,000	54,500,000	43,279,347	7,582,266	Iron ore, iron ore pellets, coal and others.
	TKM	2,279,000,000	2,651,500,000	2,725,000,000	2,163,967,350	379,113,300	
	BTKM	2.279	2.651	2.725	2.164	0.379	
Mumbai Waterways (Dharamtar creek)	MT	10,155,962	11,991,109	14,875,355	19,947,750	9,722,819	Coal, cement, bauxite, iron ore pellets, stone, lime stone & clinker etc.
	TKM	548,421,948	647,519,886	803,269,170	1,077,178,521	525,032,249	
	BTKM	0.548	0.648	0.803	1.077	0.525	
Grand Total	MT	**60,029,996**	**69,614,271**	**74,295,972**	**70,287,155**	**23,684,728**	
	TKM	**3,599,075,518**	**4,415,600,247**	**4,827,535,305**	**4,770,093,586**	**2,488,145,273**	
	BTKM	**3.599**	**4.416**	**4.828**	**4.770**	**2.488**	

Note:

1. These figures are collected by IWAI field offices from IWT operators.
2. Average IWT distance of 50 Km in Goa and 54 km in Mumbai Waterways considered
3. ^ Provsional data subject to receipt of final report from IWTD, Govt. of Assam. Data extrapolated considering average of previous 3 years.

18. FINANCIAL PERFORMANCE

A. INCOME & EXPENDITURE

During the financial year 2012-13 a sum of Rs.16,187/- lakhs was received from the Government of India, Ministry of Shipping and a sum of Rs.532.73 lakhs was earned by the Authority by way of interest on short term deposits, sale of tender forms, over dimension Cargo/general Cargo movement, berthing/Pilotage chargers etc. The major scheme-wise expenditure is indicated below:

(Rs. in Lakhs)

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous Year 2011-12	Current Year 2012-13
1.	Technical Studies	100.00	100.00
2.	Loan Interest Subsidy / IVBBS	131.54	90.16
3.	**National Waterway No - 1**		
	a. River Conservancy Works	2,967.51	3,687.59
	b. Construction of Cargo berth	89.00	810.34
	c. Construction of Dredgers & allied vessels	1,347.36	1,561.25
	d. Procurement of Cargo Vessel	-	65.93
	e. Procurement of steel Pontoon	-	15.19
	f. Construction of office Building	124.80	-
	g. Procurement of Survey Equipment	-	16.26
	h. Installation of DGPS Station	69.81	-
	i. Office Building	-	435.84
4.	**National Waterway No – 2**		
	a. River Conservancy Works	961.17	1,637.35
	b. Construction of Terminal	1,050.65	2,029.50
	c. Construction of Dredgers & allied vessels	181.45	659.80
	d. Procurement of DGPS	122.85	56.52
	e. Construction of steel Pontoon	-	62.37
	f. Acquisition of multi purpose Tug	482.64	101.38
	g. Construction of office Building	310.72	-
	h. Construction of NINI hostel	2,537.70	1,144.54
5.	**National Waterway No. – 3**		
	a. Development works	1,051.69	1,378.43
	b. Construction of Terminals	1,463.45	773.65
	c. Procurement of Dredging unit	78.27	100.84
6.	I.T. activities expenses	17.11	73.89
7.	IWT Development Fund	156.88	164.79
8.	Establishment (including I. Tax)	1,780.00	1,775.00
	Total	**15,024.60**	**16,740.62**

B. Source And Application of Funds:-

(Rs. in lakhs)

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous year 2011-12	Current year 2012-13
	SOURCE		
1.	Increase in Capital grant	8,288.25	8,294.56
2.	Decrease in working capital	223.30	-
3.	Excess of income over expenditure for the year	-	-
4.	Decrease in capital working progress	-	3,818.83
	Total	**8,511.55**	**12,113.39**
	APPLICATION		
1.	Increase in fixed assets	4,785.47	11,727.59
2.	Increase in capital work in progress	3,726.08	-
3.	Increase in working capital	-	385.80
	Total	**8,511.55**	**12,113.39**

C. CASH FLOW STATEMENT

(Rs. in lacs)

	F. Y. 2011-12	F. Y. 2012-13
CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITY		
Excess of expenditure over Income	(6,532.26)	(8,173.64)
Capital Reserve	96.68	(2.34)
Deprecation	1,979.13	2,599.60
Replacement Reserve	(1,979.13)	(2,599.60)
Interest Paid	-	-
Less: Interest Income	(244.14)	(189.82)
Add.: Writeoff/Loss on sale of Fixed assets/Less: Profit on sale	(1.87)	(1.23)
Provision for Obsolesce of stock	-	-
Provision for employee benefits charged to opening reserves	-	-
Operating Profit	**(6,681.59)**	**(8,367.03)**
Adjustment for working capital changes		
Decrease/Increase in stocks	14.21	80.75
Decrease/Increase in loans & Advances	(125.38)	(421.48)
Increase/Decrease in Deposits on A/c of others	286.67	(149.95)
Increase/Decrease in current liabilities	(1,861.37)	(724.05)
Decrease/Increase in other liabilities and provisions	(588.06)	1.86
Cash generated from operations	**(8,955.52)**	**(9,579.90)**
Income Tax (Net)	-	-
Net Cash from Operating Activities	**(8,955.52)**	**(9,579.90)**
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITY (a)		
Purchase of Fixed Assets and Decrease in CWIP / increase in CWIP	(8,745.96)	(11,980.05)
Sale of Fixed Assets	234.42	252.46
Profit on sale of Assets	1.87	1.23
On account of Replacement Reserve	8.09	12.40
Increase in CWIP	-	3,818.82
Govt. Grant Received	15,474.45	17,101.25
Interest Income	244.14	189.82
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITY (b)	**7,217.01**	**9,395.93**
CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITY		
Increase/Decrease in bank overdraft	-	-
Dividend & Corporate Dividend Tax	-	-
Net Cash from Financing Activities (c)		
Total Increase / Decrease in cash and cash equivalents during the year	(1,738.51)	(183.97)
Cash & Cash equivalents at the beginning of the year	5,064.84	3,326.33
Cash & Cash equivalents at the end of the year	**3,326.33**	**3,142.36**

19. Personnel and Administration

As on 31-03-2013, 36 Officers & 66 staff at the head office and 49 Officers & 176 staff in the field offices were in position. The Authority has approved a restructuring proposal based on the report of National Productivity Council. The proposal is under active consideration of the Govt.

The Authority is committed to implement official language policy of the union in all its activities in a progressive manner. Hindi workshops and other related activities were periodically organized at the head office and regional offices. Hindi fortnight/week/day was organized at the Head Office and Regional Offices. On this occasion different types of Hindi competitions were organized in all the offices.

The Authority has been entrusted with the additional responsibility of implementing the official language policy of the Union in all the member offices of the Town Official Language Implementation Committee (T.O.L.I.C.), Noida by the Department of Official Language of the Ministry of Home Affairs. The Chairman of the Authority is the Chairman of T.O.L.I.C., Noida. A half-yearly meeting was organized regularly to discuss problems and difficulties being faced by the different member offices of the T.O.L.I.C., Noida. In order to encourage personnel of the member offices to work more and more in Official Language Hindi different types of Hindi Competitions, Workshops and other related activities were organized from time to time under the auspices of T.O.L.I.C., Noida. Also, the children of the personnel of member offices who secure outstanding marks in 10th and 12th examinations are awarded each year with 'Hindi Pratibha Award".

ACKNOWLEDGMENT

IWAI places on record its appreciation of the sincere efforts and contribution made by the employees at all levels.

IWAI also acknowledges the assistance and support given by the Ministry of Shipping, Comptroller & Auditor General of India and other Government departments and other agencies.

FOR AND ON BEHALF OF
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

(AMITABH VERMA)
CHAIRMAN

INLAND WATERWAYS

BALANCE SHEET AS

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	CAPITAL & LIABILITIES	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
1	2	3	4	5
	CAPITAL			
9,437,244	Capital u/s 11(i)(c)		9,437,244	
6,834,931,808	Capital Grant u/s 18		7,664,387,398	
(1,132,734,406)	Less replacement reserve		(1,383,232,813)	
(7,152,956)	Lease rent written off		(7,566,865)	6,283,024,964
	RESERVES & SURPLUS			
13,939,944	**Capital Reserves**		**14,945,955**	
(4,271,696)	**Deduction**		**(5,512,022)**	**9,433,933**
	General Reserves			
	Deduction			
	BORROWINGS			
	CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS.			
			-	
300,635,944	**Current Liabilities**	I	**291,536,084**	
17,477,233	**Provisions**		**17,663,069**	
	Deposits held on		-	
133,037,438	**account of others**		**118,042,635**	**427,241,788**
6,165,300,553	**TOTAL**			**6,719,700,685**

Schedule I to VIII form an integral part of accounts.

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2013

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PROPERTY & ASSETS	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
6	7	8	9	10
	FIXED ASSETS	II		
4,325,496,709	Gross Block		5,498,255,974	
1,137,006,102	Less Depreciation		1,388,744,835	
3,188,490,607	Net Block		-	4,109,511,139
26,582,684	Lease land		26,582,684	
(7,152,956)	Less written off		(7,566,865)	19,015,819
1,586,904,251	Capital work-in-progress			1,205,021,620
-	**INVESTMENTS (AT COST)**		-	-
-	Govt.Securities		-	-
5,300,000	other than Govt.Securities		-	5,300,000
	CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	III		
47,109,536	Stores, Spares & Tools		39,034,434	
-	Sundry Debtors		-	
985,433,857	Deposits, Loans & Advances		1,027,581,990	
332,632,574	Cash & Bank Balances		314,235,683	1,380,852,107
	MISC. EXPENDITURE			
-	Income & Expenditure Account (Debit Balance)			-
6,165,300,553	TOTAL			6,719,700,685

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

INLAND WATERWAYS
INCOME & EXPENDITURE

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	EXPENDITURE	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
1	2	3	4	5
	OPERATIONAL & MAINTENANCE EXPENSES	IV		
100,854,613	Pay & Allowances & other staff costs		110,426,937	
74,577,598	Surveying		79,704,461	
177,979,482	Dredging		286,829,029	
37,879,446	Bandalling		35,103,205	
-	Aids to Navigation &			
11,241,586	Channel Marking		14,057,134	
	Barging			
36,918,588	Terminal Facilities		36,007,003	
29,786,259	Repairs of Vessels		32,103,579	
23,425,478	Training Institute NINI		26,072,050	
59,936,656	Night Navigation		65,378,404	
-	Maintenance of lock		-	
-	Bank Protection		683,000	
440,000	River Training Work		-	
14,022,681	Protocol		12,599,543	
	Other Administrative			
23,628,987	& Misc. Expenses		34,940,415	733,904,760
	ADMINISTRATIVE EXPENSES			
58,397,953	Pay & Allowances & Other Staff Costs	V		73,583,396
20,147,975	General & Other Expenses	VI	-	23,858,416
	Financing Charges		-	-
318,815	Bank Commission/Charges		-	59,987
	interest			
	I.T.Expenses			7,388,640
	Bad debts written off			
	Foreign Exchange			
	Technical Studies &			
15,031,852	Consultancy Charges		-	14,291,358
-			-	
197,913,351	Depreciation		-	259,959,807
13,154,000	Subsidy		-	9,016,000
-	Loss on sale/ valuation/		-	-
-	written off of assets			
15,688,062	IWT Promotional Activities		-	16,478,687
6,481,860	Prior Period Adjustment account			-
917,825,242	TOTAL			1,138,541,051

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

AUTHORITY OF INDIA
FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2013

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	INCOME	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
6	7	8	9	10
653,225,606	Revenue Grant from Govt			817,364,436
24,413,887	Interest/ Income			18,981,771
-	Consultancy fees			-
123,346	Storage & Handling Charges			-
	- Wharfage			-
	Demurrage			-
158,750	Pilotage Charges			222,278
2,104,393	Berthing Charge			2,288,216
4,918,959	Others			17,628,039
34,779,994	Misc. Receipts			17,502,600
	- Rent terminal			-
	Capital reserve as per Contra			
	Replacement reserve			
197,913,351	as per Contra			259,959,807
186,956	Profit on sale of fixed assets			123,490
				-
-				-
	Prior Period Adjustment			4,470,414
	Excess of expenditure over income carried over to Balance Sheet			
917,825,242	TOTAL		-	1,138,541,051

For and on behalf of the Authority

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

OTHER SCHEDULES

&

AUDIT REPORT

SCHEDULE - I

CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS AS ON 31.03.2013

Previous year (Rupees)	Particulars	Current Year (Figure in rupees)	
	(A) CURRENT LIABILITIES	-	
7,463,052	(i) Liability for sundry Creditors	203,169	
139,300,006	(ii) Liability for Expenses	135,897,378	
65,394,139	(iii) Grant Received in surplus	63,304,957	
88,478,747	(iv) Others	92,130,580	291,536,084
	(B) PROVISIONS		
-	(i) Provision for Gratuity	1,086,039	
1,099,361	(ii) Provision for Leave Salary& pension contribution (Deputation)	1,099,633	
1,052,009	(iii) Provision for Bonus	1,021,684	
15,248,000	(iv) Provision for pension contribution	14,400,455	
-	(v) Provision for leave encashment.	-	-
77,863	(vi) Provision for new pension	55,258	17,663,069
	(C) DEPOSITS HELD ON ACCOUNT OF OTHER		
133,037,438	Sundry parties	118,042,635	118,042,635
451,150,615	**TOTAL**		**427,241,788**

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)	**(DEEPAK DAS)**	**(JAYASHREE MUKHERJEE)**
Executive Director (Finance)	**Member (Finance)**	**Vice-Chairperson**

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2012	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
NOIDA	Survey Equipment	4,490,899	-		4,490,899
	Vehicles	1,913,013	-	-	1,913,013
	Furniture & Fixture	4,536,137	83,781	(126,800)	4,493,118
	Office Equipment	3,038,897	137,983	-	3,176,880
	Electric Installation	1,128,526	-		1,128,526
	Air Conditioners	3,377,527			3,377,527
	Water Coolers & Refrigerators	138,486	44,265		182,751
	Fans & Air-Coolers	1,169,054	3,619		1,172,673
	Generator Set	1,148,720			1,148,720
	Cycle	27,711	-		27,711
	Temporary Structure	539,260			539,260
	Library Books	899,579	44,303		943,882
	Computer	15,937,589	2,189,621	(3,528,491)	14,598,719
	Communication equip.	778,471	-		778,471
	Building	24,937,527			24,937,527
	Computer Software	1,254,386	43,175		1,297,561
	Residence Quarter	30,732,753			30,732,753
	TOTAL (A)	**96,048,535**	**2,546,747**	**(3,655,291)**	**94,939,991**
CALCUTTA	Terminal	37,320,571	19,800,500		57,121,071
	Vehicles	1,213,641			1,213,641
	Furniture & Fixture	1,240,534	122,321		1,362,855
	Office Equipment	510,544	32,630	-	543,174
	Electric Installation	67,889	-	-	67,889
	Survey Instruments	22,703,941	1,380,000		24,083,941
	Library Books	120,081	4,364		124,445
	Speed Boats	2,961,016	-		2,961,016
	Vessels Ordinary	157,857,969	48,267,249		206,125,218
	Fans & Air Coolers	69,443	6,880		76,323
	Communication Network	450,413	-		450,413
	Barges	120,209,101	-		120,209,101
	Cycles	5,975	-		5,975
	Vessel Dredging Unit	196,634,886	300,418,616	(12,262,624)	484,790,878
	Computers	2,187,001	153,621		2,340,622
	Computers Software	1,104,784	-		1,104,784
	Night Nav. Equipment	24,933,132	5,302,840	(191,500)	30,044,472
	Air Conditioner	135,350	523,504	-	658,854
	Generator Set	608,357	577,512		1,185,869
	DGPStation	14,215,359	-		14,215,359
	TOTAL (B)	**584,549,987**	**376,590,037**	**(12,454,124)**	**948,685,900**

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

SCHEDULE-II

ON 31ST MARCH 2013

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2013	NET BLOCK AS ON 31.03.2013
AS ON 31.3.2012	FOR THE YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
2,645,517	213,318		2,858,835	1,632,064
1,465,230	181,736		1,646,966	266,047
3,212,834	284,414	(200,015)	3,297,233	1,195,885
1,138,167	150,902	-	1,289,069	1,887,811
706,310	53,605	-	759,915	368,611
1,889,204	160,433		2,049,637	1,327,890
	-		-	
59,111	8,681		67,792	114,959
726,356	55,702	-	782,058	390,615
616,281	54,564	-	670,845	477,875
21,300	1,959	-	23,259	4,452
539,260	-	-	539,260	-
899,579	44,303	-	943,882	-
15,937,589	2,366,453	(7,169,532)	11,134,510	3,464,209
341,206	36,977		378,183	400,288
5,284,266	406,482		5,690,748	19,246,779
891,703	210,335		1,102,038	195,523
5,009,440	500,944		5,510,384	25,222,369
41,383,353	**4,730,808**	**(7,369,547)**	**38,744,614**	**56,195,377**
16,772,136	2,713,251		19,485,387	37,635,684
1,154,735	-		1,154,735	58,906
454,041	69,727		523,768	839,087
196,780	21,884		218,664	324,510
11,862	3,226	-	15,088	52,801
10,672,897	838,895	393,300	11,905,092	12,178,849
120,081	4,364		124,445	-
2,305,133	92,930		2,398,063	562,953
60,790,607	6,882,929		67,673,536	138,451,682
26,962	3,471		30,433	45,890
256,161	12,719		268,880	181,533
17,126,577	4,014,984		21,141,561	99,067,540
2,839	331		3,170	2,805
80,246,648	29,118,141		109,364,789	375,426,089
1,684,635	160,653		1,845,288	495,334
1,030,110	22,203		1,052,313	52,471
7,555,933	1,436,210	(37,467)	8,954,676	21,089,796
24,164	31,439	-	55,603	603,251
35,197	56,329	-	91,526	1,094,343
675,230	675,230	-	1,350,460	12,864,899
201,142,728	**46,158,916**	**355,833**	**247,657,477**	**701,028,423**

For and on behalf of the Authority

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2012	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
PATNA	Land	35,051,442	100		35,051,542
	Vehicle	886,075		-	886,075
	Furniture & Fixture	487,464	20,930	-	508,394
	Office Equipment	363,661	-	-	363,661
	Electric Installation	37,801	-		37,801
	Air Conditioners	133,348	-	-	133,348
	Fans & Air Coolers	32,925			32,925
	Water Coolers &	-			-
	Refrigerators	10,249	31,450	-	41,699
	Generator Set	61,962		-	61,962
	Survey Instruments	21,299,006	115,000	-	21,414,006
	Vessels: Dredging Unit	328,154,648	14,193,963	-	342,348,611
	Vessels: Ordinary	136,752,802	675,468		137,428,270
	Speed Boat	2,745,901			2,745,901
	Barges	84,062,200	-		84,062,200
	Temporary Structure	1,018,158	-		1,018,158
	Cycle	2,672			2,672
	Computer	3,231,578	321,029	-	3,552,607
	Library Books	69,792	-		69,792
	Survey Equip(compu)	4,925,875	124,849		5,050,724
	Survey Pillars	649,995			649,995
	Communication Equip.	1,052,901	-		1,052,901
	Building	1,419,250	-	(1,419,250)	-
	Terminals-	297,885,758	283,031,000	-	580,916,758
	Night Navigation BOUYS	9,277,200			9,277,200
	DGPS STATION	32,245,501	-	-	32,245,501
	BEACON Tower	15,895,321	-		15,895,321
	CRANE	44,807,338	1,519,486		46,326,824
	TOTAL (C)	**1,022,560,823**	**300,033,275**	**(1,419,250)**	**1,321,174,848**
GUWAHATI	Communication Equipment	1,459,976	213,150		1,673,126
	Vehicles	590,523			590,523
	Furniture & Fixture	816,119	103,653		919,772
	Office Equipment	415,483	80,489	-	495,972
	Electric Installation	29,479	17,500		46,979
	Fans & Air-Coolers	39,580	-		39,580
	Survey Instruments	16,513,363	-	234,540	16,747,903
	Cycle	680			680
	Library Books	33,805	1,745		35,550
	Vessel Speed Boat	3,155,336	-		3,155,336
	Generator Set	36,100			36,100
	Computer	4,060,614	96,190		4,156,804
	Terminals- Pandu	471,670,062	35,663,065	-	507,333,127
	Night Navigation Equip.	13,079,910	-	(619,356)	12,460,554
	Barges	133,745,241	-		133,745,241
	Vessels - Ordinary	177,923,392	7,236,606	(1,000,000)	184,159,998
	Pandu Terminal	32,491,017	3,362,872		35,853,889
	Vessels Dredging Unit	687,965,738	257,238,857	-	945,204,595
	CRANE	44,969,796			44,969,796
	Air Conditioner	103,450	-		103,450
	Building	-		-	-
	TOTAL (D)	**1,589,099,664**	**304,014,127**	**(1,384,816)**	**1,891,728,975**

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

SCHEDULE-II

ON 31ST MARCH 2013

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2013	NET BLOCK AS ON 31.03.2013
AS ON 31.3.2012	FOR THE YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
-				35,051,542
841,769	-	-	841,769	44,306
413,223	32,181	-	445,404	62,990
248,028	17,274	-	265,302	98,359
29,867	1,796		31,663	6,138
67,079	6,334	-	73,413	59,935
31,279	-		31,279	1,646
-			-	-
9,737	1,981	-	11,718	29,981
60,649	-	-	60,649	1,313
13,077,167	1,017,165	-	14,094,332	7,319,674
207,309,046	23,964,403	-	231,273,449	111,075,162
32,413,151	4,590,104		37,003,255	100,425,015
1,974,990	194,135		2,169,125	576,776
26,274,412	2,807,677		29,082,089	54,980,111
1,018,158	-		1,018,158	-
2,538			2,538	134
3,072,195	52,039	-	3,124,234	428,373
69,792	-		69,792	-
4,679,581	20,238		4,699,819	350,905
216,026	21,905		237,931	412,064
850,824	50,013		900,837	152,064
275,800	-	(275,800)	-	-
70,707,893	27,593,546	-	98,301,439	482,615,319
1,762,668	440,667		2,203,335	7,073,865
2,875,832	1,531,661	-	4,407,493	27,838,008
1,510,054	755,027		2,265,081	13,630,240
12,242,989	1,547,316		13,790,305	32,536,519
382,034,747	**64,645,462**	**(275,800)**	**446,404,409**	**874,770,439**
1,034,281	39,703		1,073,984	599,142
560,997	-		560,997	29,526
454,585	39,029		493,614	426,158
138,893	19,385	-	158,278	337,694
21,006	1,429		22,435	24,544
16,494	1,289		17,783	21,797
6,450,827	779,477	132,153	7,362,457	9,385,446
646	-		646	34
33,805	1,745		35,550	-
1,699,971	207,346		1,907,317	1,248,019
24,010	1,715		25,725	10,375
3,454,922	144,127		3,599,049	557,755
87,082,619	24,098,325	451,425	111,632,369	395,700,758
4,162,584	621,295	(294,194)	4,489,685	7,970,869
28,887,494	4,467,092		33,354,586	100,390,655
44,779,982	6,944,527	-	51,724,509	132,435,489
-			-	35,853,889
178,635,068	66,164,321		244,799,389	700,405,206
10,513,937	1,501,991		12,015,928	32,953,868
16,011	4,914		20,925	82,525
-	-	-	-	-
367,968,132	**105,037,710**	**289,384**	**473,295,226**	**1,418,433,749**

For and on behalf of the Authority

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2012	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
BHAGALPUR	Buoys	54,467			54,467
	Vehicle	152,658			152,658
	Furniture & Fixtures	182,158	-	-	182,158
	Office Equipment	49,525	2,765		52,290
	Electric Installation	3,227			3,227
	Fans & Air Coolers	5,899			5,899
	Survey Instruments	2,210,143	-		2,210,143
	Barges	561,255			561,255
	Cycle	701			701
	Library Books	22,014	-		22,014
	Communication Equipment	157,026			157,026
	Land	36,734			36,734
	Computers	211,197	-		211,197
	DGPS STATION	18,320,308	-	-	18,320,308
	Terminals-	609,463	2,097,000	-	2,706,463
	TOTAL (E)	22,576,775	2,099,765	-	24,676,540
KOCHI	Vehicle	383,614	-		383,614
	Furniture & Fixtures	660,094	19,920		680,014
	Office Equipment	311,981	-		311,981
	Fans & Air Coolers	49,925	-		49,925
	Air-Conditioner	67,595	-		67,595
	Survey Instruments	10,868,270	13,300	(1,614,540)	9,267,030
	Communication Equipment	734,727	-		734,727
	Generator	354,969	-		354,969
	Computer	3,700,617	8,500		3,709,117
	Survey Launch	4,983,591	-		4,983,591
	SPEED BOATS	1,120,418	-	-	1,120,418
	Land (Terminals)	99,109,062	6,452,638		105,561,700
	Land Widening	107,533,525	102,613,902		210,147,427
	Library Books	19,847	-		19,847
	Building	3,968,162			3,968,162
	Terminal	257,198,260	13,883,756		271,082,016
	Dredger	144,491,818	41,023,953	-	185,515,771
	Night Navigation	29,899,328	325,162	(296,148)	29,928,342
	Foot Over Bridge Thottappally	2,188,615	-		2,188,615
	Fork Lifts	6,370,925	-		6,370,925
	Hydraulic Cranes	68,945,177			68,945,177
	Tempory Terminal	1,196,370	-		1,196,370
	TOTAL (F)	744,156,890	164,341,131	(1,910,688)	906,587,333
ALLAHABAD	Computer	255,569	45,415		300,984
	Furniture & Fixtures	154,341		-	154,341
	Office Equipment	63,554			63,554
	Fans & Air Coolers	12,155			12,155
	Library Books	22,425	4,000		26,425
	Electrical Installation	24,950			24,950
	Land	2,405,763			2,405,763
	TERMINAL		5,882,942		5,882,942
	Survey Instruments	4,072,378	-	-	4,072,378
	TOTAL (G)	7,011,135	5,932,357	-	12,943,492

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2013

SCHEDULE-II

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2013	NET BLOCK AS ON 31.03.2013
AS ON	FOR THE			
31.3.2012	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
52,612	-		52,612	1,855
151,776			151,776	882
128,977	8,653	-	137,630	44,528
39,994	2,484		42,478	9,812
1,892	153		2,045	1,182
5,899	-		5,899	-
1,358,661	104,982		1,463,643	746,500
554,410	-		554,410	6,845
650	16	-	666	35
22,014	-	-	22,014	-
157,026	-		157,026	-
			-	36,734
211,197	-		211,197	-
2,527,166	870,215	-	3,397,381	14,922,927
28,949	128,557	-	157,506	2,548,957
5,241,223	**1,115,060**	**-**	**6,356,283**	**18,320,257**
360,293	-		360,293	23,321
444,903	26,123		471,026	208,988
147,595	11,163		158,758	153,223
18,225	2,222		20,447	29,478
37,636	3,211		40,847	26,748
4,844,490	395,755	(525,453)	4,714,792	4,552,238
290,891	34,900		325,791	408,936
100,096	16,861		116,957	238,012
3,307,400	95,432		3,402,832	306,285
2,285,323	166,452		2,451,775	2,531,816
554,498	79,214		633,712	486,706
-	-		-	105,561,700
-	-		-	210,147,427
19,847	-		19,847	-
625,885	64,681		690,566	3,277,596
51,201,183	12,216,917		63,418,100	207,663,916
18,534,736	12,986,104	-	31,520,840	153,994,931
9,141,466	1,421,611	(70,264)	10,492,813	19,435,529
608,630	103,959		712,589	1,476,026
2,252,124	450,424		2,702,548	3,668,377
23,163,836	4,874,424		28,038,260	40,906,917
1,196,370	-		1,196,370	-
119,135,427	**32,949,453**	**(595,717)**	**151,489,163**	**755,098,170**
226,380	11,612	-	237,992	62,992
109,482	9,769	-	119,251	35,090
33,323	2,765		36,088	27,466
5,630	578		6,208	5,947
22,425	4,000		26,425	-
13,035	1,185		14,220	10,730
-			-	2,405,763
	279,440		279,440	5,603,502
2,206,081	159,063	-	2,365,144	1,707,234
2,616,356	**468,412**	**-**	**3,084,768**	**9,858,724**

For and on behalf of the Authority

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2012	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
VARANASI	Furniture & Fixtures	129,719	-		129,719
	Computer	275,505	33,000		308,505
	Office Equipment	53,297	-		53,297
	Fans & Air Coolers	5,875			5,875
	Vehicle	243,069			243,069
	Communication Equipment	59,764	6,193		65,957
	Library book	1,225	-		1,225
	Survey Instruments	2,484,913		-	2,484,913
	LAND		29,662,024		29,662,024
	TOTAL (H)	**3,253,367**	**29,701,217**	**-**	**32,954,584**
NINI	Furniture & Fixtures	3,508,642	36,000	-	3,544,642
	Generator Set	657,371	-	-	657,371
	Computer	1,308,702	53,800	-	1,362,502
	Office Equipment	1,122,919	60,690	-	1,183,609
	Air Conditioner	1,237,281	-	-	1,237,281
	Building/Workshop	54,563,546	7,861,000	(2,459,000)	59,965,546
	Hostel & kitchen	596,467	10,490		606,957
	Work SHOP WQUIPMENT	331,832			331,832
	Fire Mock up Equipments	3,007,560	2,224,306		5,231,866
	FRP Boat with OBM		528,962		528,962
	Water Cooler& Refigerator	341,183	26,390	-	367,573
	Temporay Structure	879,301	8,000		887,301
	Course Material & Equipments	330,116	114,467		444,583
	SIMULATOR	32,367,125	1,327,250	(1,963,000)	31,731,375
	Library book	88,056	410,123		498,179
	Software	3,023,100	85,300		3,108,400
	Electric Installation	101,676	-		101,676
	Fans & Air Coolers	1,895	-		1,895
	LAND	152,450,100	-		152,450,100
	TOTAL (I)	**255,916,872**	**12,746,778**	**(4,422,000)**	**264,241,650**
KALADAN	Furniture & Fixtures	63,845	-		63,845
	Temporay Structure	15,364	-		15,364
	Computer	243,452	-		243,452
	TOTAL (J)	**322,661**	**-**	**-**	**322,661**
	GRAND TOTAL (A+B+C+D+E+F+G+H+I+J)	**4,325,496,709**	**1,198,005,434**	**(25,246,169)**	**5,498,255,974**
	PREVIOUS YEAR	**3,846,949,729**	**501,988,779**	**23,441,799**	**4,325,496,709**

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2013

SCHEDULE-II

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2013	NET BLOCK AS ON 31.03.2013
AS ON	FOR THE			
31.3.2012	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
73,008	8,211	-	81,219	48,500
181,652	38,842	(43,302)	177,192	131,313
23,544	2,532		26,076	27,221
2,511	279		2,790	3,085
230,919	-		230,919	12,150
27,708	3,427		31,135	34,822
1,225	-		1,225	-
795,277	117,851	(151,342)	761,786	1,723,127
				29,662,024
1,335,844	**171,142**	**(194,644)**	**1,312,342**	**31,642,242**
1,921,314	224,376	-	2,145,690	1,398,952
249,800	31,225	-	281,025	376,346
733,306	125,001	-	858,307	504,195
296,634	56,221	-	352,855	830,754
280,605	58,774	-	339,379	897,902
7,550,507	977,438	(320,655)	8,207,290	51,758,256
60,377	28,831		89,208	517,749
47,286	15,763		63,049	268,783
282,888	248,512		531,400	4,700,466
-	37,398		37,398	491,564
129,649	17,461	-	147,110	220,463
879,301	8,000		887,301	-
330,116	114,467		444,583	-
2,664,594	1,776,958	(109,928)	4,331,624	27,399,751
88,056	410,123		498,179	-
490,045	503,872		993,917	2,114,483
4,830	4,830		9,660	92,016
90	90		180	1,715
			-	152,450,100
16,009,398	**4,639,340**	**(430,583)**	**20,218,155**	**244,023,495**
12,123	4,041		16,164	47,681
15,364	-		15,364	-
111,407	39,463		150,870	92,582
138,894	**43,504**	**-**	**182,398**	**140,263**
1,137,006,102	**259,959,807**	**(8,221,074)**	**1,388,744,835**	**4,109,511,139**
934,355,190	**197,913,351**	**4,737,561**	**1,137,006,102**	**3,188,490,607**

For and on behalf of the Authority

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

SCHEDULE - III

CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES AS ON 31.3.2013

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PARTICULARS		CURRENT YEAR (FIGURE IN RUPEES)
	a) STORES, SPARES & TOOLS (AT COST)		
37,645,000	1) Marine Spare Parts	28,687,365	
566,991	2) Permanent Stores	456,505	
-	3) Consumables & Marking Material		
105,781	4) Stationary	259,778	
8,542,232	5) POL Stock	9,360,397	
249,532	6) Others	270,389	**39,034,434**
	b) SUNDRY DEBTORS		
	1) Secured		
	2) Unsecured		
	-- Considered Good		
	1) more than 6 months		
	2) less than 6 months		
	-- Considered Doubtful		
	c) DEPOSITS, LOANS & ADVANCES		
5,440,940	1) Advance to staff	5,412,385	
60,332	2) Departmental Advance	98,339	
917,520,613	3) Advance to Contractors & Suppliers	947,708,145	
12,584,859	4) Deposits	13,842,260	
45,160,795	5) Claims Recoverable	55,381,930	
638,462	6) Prepaid Expenses	2,410,212	
4,027,866	7) Others	2,728,719	**1,027,581,990**
	d) CASH & BANK BALANCES		
22,724	1) Cash/Stamps in-hand	42,018	-
74,400,850	2) Cash with Scheduled Banks	161,667,844	-
-	3) Remittance in transit		
258,209,000	4) Short term deposit	152,525,821	**314,235,683**
1,365,175,977	**TOTAL**		**1,380,852,107**

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

SCHEDULE - IV

OPERATIONAL AND MAINTENANCE EXPENSES
FOR THE YEAR ENDED 31-3-2013

Previous Year (Rupees)	Particulars		Current Year (Figures in Rupees)
	NATIONAL WATERWAY NO.1		
	1. Pay & Allowances & Other		
73,899,230	Staff Costs	80,636,602	
	2. Works Expenses		
58,488,059	(i) Surveying	58,637,651	
110,900,860	(ii) Dredging	173,862,601	
14,431,186	(iii) Bandalling	15,332,239	
4,787,966	(iv) Aids to navigation & Channel marking	8,670,849	
22,792,082	(v) Terminal Facilities	22,299,835	
23,440,648	(vi) Repairs of Vessels	27,036,863	
33,082,046	(vii) Night Navigation	32,463,956	
-	(viii) River Training Work		
	3. Other Administrative & Misc.		
5,630,126	Expenses	4,657,085	**423,597,681**
	NATIONAL WATERWAY NO.2		
	1. Pay & Allowances & Other		
16,454,972	Staff Costs	18,358,069	
	2. Works Expenses		
8,620,380	(i) Surveying	16,315,927	
23,448,260	(ii) Bandalling	19,770,966	
6,453,620	(iii) Aids to navigation & Channel marking	5,386,285	
6,768,258	(iv) Terminals	8,217,380	
13,561,937	(v) Dredging	25,422,996	
4,392,665	(vi) Repairs of Vessels	5,066,716	
21,636,440	(vii) Night Navigation	25,277,098	
14,022,681	(viii) Protocol	12,599,543	
440,000	(ix) River Training Work	-	
23,425,478	(x) Training Expenses(NINI)	26,072,050	
	(xi) Bank Protection	683,000	
	3. Other Administrative & Misc.		
1,283,721	Expenses	1,600,318	**164,770,348**

Cont.....

SCHEDULE - IV

OPERATIONAL AND MAINTENANCE EXPENSES
FOR THE YEAR ENDED 31-3-2013

Previous Year (Rupees)	Particulars		Current Year (Figures in Rupees)
	NATIONAL WATERWAY NO.3		
	1. Pay & Allowances & Other		
9,312,820	Staff Costs	11,203,266	
	2. Works Expenses		
2,459,480	(i) Surveying	1,465,297	
53,516,685	(ii) Dredging	87,543,432	
-	(iii) Channel marking		
5,218,170	(iv) Night Navigation	7,637,350	
7,358,248	(v) Terminal Facilities	5,489,788	
1,952,946	(vi) Repair of vessel		-
-	(vii) Maintenance of lock gate		
-	(viii) Bank Protection		-
	3. Other Administrative & Misc.		
779,129	Expenses	695,418	**114,034,551**
	NATIONAL WATERWAY NO.4 & 5		
	1. Works Expenses		
	(i) Surveying	993,638	**993,638**
	(ii) Dredging		
	KALADAN PROJECT		
-	**1. Pay & Allowances & Other**	-	
1,187,591	staff Costs	229,000	
	2. Works Expenses		
5,009,679	(i) Surveying	2,291,948	
	(ii) Dredging		
	(iii) Terminal Facilites		
14,848,507	(iv) Other Consultancy	24,803,055	
	3. Other Administrative & Misc.		
1,087,504	Expenses	3,184,539	**30,508,542**
590,691,374	**TOTAL**		**733,904,760**

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

SCHEDULE - V

PAY & ALLOWANCES & OTHER STAFF COSTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2013

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PARTICULARS	CURRENT YEAR (FIGURES IN RUPEES)
	PAY & ALLOWANCES & OTHER STAFF COSTS	
50,288,485	i) Pay & Allowances	57,628,209
-	ii) Honorarium	63,300
2,455,509	iii) Medical Reimbursement	2,941,809
-	iv) Daily Wages	242,045
124,376	v) OTA	126,457
234,872	vi) Bonus	255,596
-	vii) Leave Salary & Pension Contribution (Dep.)	-
1,099,361		1,099,633
428,138	viii) Rent for Residence	1,112,279
68,776	ix) Liveries	39,604
561,004	x) Staff welfare Expenses	837,388
1,518,223	xi) Tuition fees	1,327,440
-	xii) Pension & Gratuity Contribution	5,054,620
687,390	xiii) Leave Encashment	625,463
146,452	xiv) New Employees Cont. to NPS	273,270
785,367	xv) LTC Exp.	1,956,283
58,397,953	**TOTAL**	**73,583,396**

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

SCHEDULE - VI

GENERAL & OTHER EXPENSES FOR THE YEAR ENDED31.03.2013

PREVIOUS YEAR (FIGURES IN RUPEES)	PARTICULARS	CURRENT YEAR (FIGURES IN RUPEES)
3,400,566	i) Repairs & Maintenance	3,024,764
1,160,351	ii) Staff Recruitment Expenses	589,546
920,599	iii) Postage, Telephone & Telegram	1,290,026
1,364,028	iv) Printing & Stationery	1,621,593
962,141	v) Vehicle Running & Maintenance	2,443,473
18,714	vi) Advertisement & Publicity	117,152
229,557	vii) Conveyance Reimbursement	221,600
5,481,017	viii) Travelling Expenses ---Inland	7,644,786
2,462,652	---Abroad	2,606,660
109,108	ix) Newspaper & Periodicals	147,303
111,738	x) Misc. Expenses	242,354
120,193	xi) Consumables	128,701
1,900,898	xii) Electricity & Water Charges	1,827,124
1,038,045	xiii) Audit Fees & expenses	925,087
389,420	xiv) Legal Charges	358,350
209,085	xv)Seminar & Workshop/Conference	263,623
210,800	xvi) Hindi Promotion	349,866
69,063	xvii) Authority meeting expenses	56,408
20,157,975	**TOTAL**	**23,858,416**

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

Schedule - VII

NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS AS ON 31.03.2013

1) Capital work in progress amounting to Rs.**12,050.21** lacs (previous year Rs.15,869.04 lacs) consists of following:

Sl. No.	Name of Party	Purpose	Amount
1.	Neptune Marine (P) Ltd.	Construction of Work boats	**71.97**
2.	CPWD - Guwahati	Construction of high level jetty Pandu	**3,196.97**
3.	CPWD - Kerala	Construction of terminals in NW-3 & Office	**946.35**
4.	CPWD - Patna	Construction of Office Building	**395.92**
5.	NSDRC	Design and modification of Hy. Surface dredger	**5.40**
6.	HDPE - Kolkata	Construction of Work Boat	**1,950.09**
7.	NF-Railway	Construction of BG siding at Pandu	**1,155.00**
8.	Elcome Marine Service (P) Ltd.,	Supply of DGPS for Dibrugarh & Silghat	**112.44**
9.	CPWD - Kolkata	Construction of GR Jetty	**2815.03**
10.	A. C. Roy & Co.	Construction of Multi purpose tug	**2.63**
11.	M/s A.C.Roy & Co.	Construction of Dumb Anchor Pontoons	**1.94**
12.	M/s Mojmul Islam	Construction of Accommodation Room at DGPS Dhubri	**24.76**
13.	M/s Elcome Marine Service Pvt. Ltd.	Supply of DGPS at Dhubri	**130.94**
14.	M/s ARI	Supply of Simulator	**19.63**
15.	M/s Bittu Enterprises	Electrical work at NINI	**3.93**
16.	India Institute of Technology	Preparation of Design	**2.67**
17.	A. Sharma Associates	Construction of Office Building Noida	**28.34**
18.	Ides incorporated Pvt. Ltd.	Construction of Office Building Noida	**7.28**
19.	Noida	Construction of Office Building Noida	**0.94**
20.	N. F. Railway	Demolition of quarter at Pandu.	**224.00**
21.	M/s D. P. Sharma	Boundary Wall at NINI	**39.70**
22.	CPWD - Patna	Construction of Annexe Building at NINI	**191.21**
23.	CPWD - Patna	Construction of Swimming Pool at NINI	**13.37**
24.	CPWD - Guwahati	Construction of office Building	**75.50**
25.	CPWD - Guwahati	Development of Pandu Port, Drains etc.	**216.92**
26.	M/s Anurag enterprises	Construction of office Building at Noida	**417.28**
		Grand Total	**12,050.21**

2) During the year 2012-13, the Authority has incurred the following expenditure in respect of chairperson and full time Members::

Salary	House Rent	Leave Salary & pension contribution	Medical reimbursement	Travelling Expenses		Total
				Foreign	Inland	
6565978	701336	763330	122298	671857	3278955	**12103754**
Previous Year -						
7082827	142500	1099361	74108	1382305	933986	**10715087**

During the year Chairperson has visited with Indian delegation to Netherlands from 11th & 13th June, 2012 & visited Bangladesh from 2nd - 3rd July, 2012, 2nd Chairman (Date of Joining 24.09.2012) visited to Sydney Australia from 5th & 16th March, 2013, Vice-Chairperson visit to Bangladesh for one day 4th December, 2012 & from 14th – 19th January, 2013, Member (Technical) has visited Netherland tour from 27th May – 2nd June, 2012.

3) Land costing Rs. 244.49 lacs (previous year Rs. 244.49 lacs) was acquired for construction of R & D –cum-Office complex at Noida and Rs. 21.34 lacs (previous year Rs. 21.34 lacs) was acquired for terminal at Kolkata on lease hold basis for 90 years and 15 years respectively Rs. 4.14 lacs (previous year Rs. 4.14 lacs) is being written off every year.

4) (i) ITAT has given decision for the assessment years 1988-89 to 1997-98 (excluding Assessment year 1990-91) ruling that the grant of the authority is not in revenue in nature hence not taxable. While giving effect to ITAT order, ACIT, Noida has issued fresh assessment order in which the misc. receipt of authority has been treated as income. Against the said order, authority has filed appeal with CIT (Appeals) Ghaziabad, and the same has been dismissed. Authority has filed further appeal with ITAT, New Delhi against the order of CIT. ITAT, New Delhi has passed orders to CIT (Appeals) to hear the case and review decision. CIT (Appeals) again dismissed the appeals and Authority has filed Appeals with ITAT, New Delhi against the orders of CIT (Appeals). ITAT has passed the order with the direction to AO to restore this issue and give the opportunity to the assessee and then to pass an order in accordance with the law. ACIT, Noida has passed the order, keeping earlier order valid. Authority has filed an appeal with CIT (Appeals) against the order of ACIT, Noida & same was dismissed. Authority has filled appeals with ITAT, New Delhi against order of CIT Appeals. However, appeal for A.Y 1990-91 is still pending with CIT (Appeals).

(ii) ACIT Noida has also imposed penalty in response to fresh assessment orders and raised demand. An appeal against the said penalty order was also filed with CIT (Appeals), Ghaziabad, and same was dismissed. Authority has filed appeals with ITAT, New Delhi against the order of CIT (Appeals) and same was disposed by ITAT as allowed for statistical purposes. ACIT Noida has been asked to refund the penalty amount of Rs.11.19 crores for the Assessment Year 1988-89, 89-90,91-92 to 1996-97 as per ITAT, New Delhi order. ACIT Noida has issued the order with the contention that no fresh adjudication of penalty U/s 271(1) (C) in view of ITAT direction is required. Against the order of ACIT, Noida, Authority has filed a application with ACIT, Noida under section 154 to review the matter as per direction of ITAT, New Delhi which is still not disposed off.

(iii) The Income Tax department has also filed an appeal in High Court of Allahabad against the order of ITAT, New Delhi for the assessment years 1988-89 to 1997-98.

5) A sum of Rs.4676.61 lacs (previous year 3469.26 lacs) towards cost of land for 11 terminals and land for widening of narrow canal made as advance to Govt. of Kerala. Out of above 12.3809 hects. of land were capitalized for Rs.3157.10 lacs till March, 2013. Authority is liable to pay interest and also enhancement of cost on land acquired as per the orders of Hon'ble courts.

6) A sum of Rs.3113.82 lacs (previous year Rs.3,198.71 lacs) has been paid as advance to CPWD. A sum of Rs.1191.60 lacs has been capitalized till date. The expenditure incurred till date Rs.946.35 lacs for the construction of Kollam Terminal (550.14 lacs), Alapuzha terminal (304.92 lacs) and chavara (9.45 lacs), Kakknad terminal (49.80 lacs), Kayamkulam (2.57 lacs) have been shown as capital work in progress. In addition an amount of Rs.43.00 lacs paid for construction of Maradu office complex; out of same Rs.29.39 lacs has been shown in capital work in progress.

7) A sum of Rs.1,660.00 lacs (previous year Rs.1,660.00 lacs) paid as deposit to Cochin port trust for construction of jetty at Bolgaty and Willingdon island out of same Rs1,519.28 lacs (previous year Rs.1,380.38 lacs) has been capitalized till date.

8) A sum of Rs.2,862 lacs (previous year Rs. 2,862 lacs) has been released as deposit to Executive Engineer, Patna Central Division-II, CPWD in connection with construction of high level general cargo berth at Gaighat, Patna. Out of this, a sum of Rs. 2,830.31 lacs (previous year Rs.2,645.41 lacs) has been capitalized during the year.

9) A sum of Rs.3,332.00 lacs (previous year Rs.3,332.00 lacs) has been released as deposit to CPWD-Guwahati in connection with construction of high level general cargo berth at Pandu, Guwahati. Out of this a sum of Rs.3196.97 lacs (previous year Rs.2861.51 lacs) has been charged to capital works in progress.

10) A sum of Rs.1,254 lacs (previous year Rs.1,254 lacs) has been released as deposit to NF Railway Guwahati in connection with construction of BG siding at Pandu Terminal and work of replacement of 28 units type – II quarters, Guwahati. Out of above Rs.1,379.00 lacs (previous year Rs.973.00 lacs) has been shown as capital works in progress.

11) A sum of Rs. 35.20 lacs (previous year Rs. 35.20 lacs) has been released as advance to DM-Allahabad for acquisition of land for Allahabad Terminal. During the FY 2005-06, an amount of Rs.24.06 lacs towards cost of 8.759 hectare land has been capitalized.

12) 53 nos. flats at Sector-34, Noida were taken over on 15.12.2002 from Director General of Light Houses & Light Ships (DGLL), Ministry of Shipping for staff of IWAI at a total transfer price of Rs.225.28 lacs plus transfer fee, stamp duty etc. The quarters have been taken over and repaired and allotted to IWAI employees. Hence, Rs. 307.33 lacs (previous year Rs. 307.33 lacs) has been capitalized. However, transfer in the name of IWAI could not be registered since the flats have not yet been registered in the name of first owner DGLL. After persuasion with DGLL for making payment of land rent, etc. to Noida, the initial registration is under process with Noida. Thereafter it will be transferred in the name of IWAI.

13) Two vessels namely MOT TUG III and Flat Turni have been declared condemned by the Authority. Their scrap value has been assessed as Rs. 18.75 lacs and Rs. 7.05 lacs respectively. For disposal of both the vessels open tender had been called. Due to some reasons, the work was not awarded to the highest bidder. Highest bidder has filed a case in lower court against the

decision of the Authority. The decision of court is awaited. MOT Tug-III has been received from CIWTC without cost. Hence, token value of Rs. 1.00 has been taken in accounts.

14) A Claim was lodged with M/s Oriental Insurance Co. for Rs.34.47 lacs towards loss of Buoys and Lights including penal interest since 2004. Insurance Company has agreed for Rs. 23.93 lacs only. Decision of Oriental Insurance Company is not acceptable to Authority and Authority has again asked the insurance company to settle the claim.

15) 47 nos. of Buoys with chain, anchor and accessories and 7 day marks have been lost at Kolkata region during 2002-2003. Authority has lodged the insurance claim of Rs. 28.91 lacs and a sum of Rs.5.92 lacs received from Insurance Agency. Balance of Rs.22.99 lacs is yet to be settled by Insurance Company.

16) During March 2005, the Authority has signed agreement with M/s HDPEL, Kolkata for construction and delivery of Floating Dry Dock at a cost of Rs. 873 lacs excluding taxes and cost of spare parts. The Authority has cancelled the contract and the amount released to HDPEL, Kolkata of Rs. 261.90 lacs against the contract. An amount of Rs.71.48 lacs has been adjusted against amount due for Liquidated Damages (LD) and repair of vessels for oil tanker and container vessels. Balance Rs.190.42 lacs shown as claim recoverable. For reviewing the project, a committee was formed and committee recommended that the work may be given to M/s HDPEL again. After this, the cost of project has been increased by HDPEL due to increase in steel price etc. The proposal was placed before the Authority and as discussed thereon, the rate quoted by HDPEL is to be properly justified. In the mean time, Authority is also trying to adjust the amount already paid without affecting overall progress of works assigned to the company.

17) A work was awarded to M/s Neptune Marine Pvt. Ltd. in 2003 for construction of Three number of work boats at the cost of Rs.359.85 lacs. As per contract Rs.161.93 lacs has been released including Rs.53.98 lacs against Bank Guarantee. In the F.Y. – 2008-09, Bank Guarantee of Rs.53.98 lacs has been invoked and fund received. Due to non compliance of Contract terms and conditions, the contract was terminated on 29.7.2009 and arbitrator has been appointed. One no. of work boat is in possession of Authority from 11.12.2008. The Work Boat is not as per requirement of IRS and IWT, Dte. Govt. of West Bengal. Necessary repair/modification has been taken over by Authority and same capitalized for Rs.122.90 lacs during the F. Y. 2012-13. Balance Rs.71.97 lacs has been shown in capital work in progress.

18) Authority has appointed M/s IL&FS Infrastructure Development corporation Ltd. as Project Development Organisation for identification and development of IWT projects on PPP mode. Authority has contributed Rs. 50,00,000/- towards 50% share in the initial corpus of the Project Development Fund for undertaking development of Projects. The contributed amount has been shown as investment.

19) Ministry of External Affairs (MEA), Govt. of India has appointed IWAI as Project Development consultant for implementation of multi modal transit transport facility on Kaladan river connecting the Sittwe port in Myanmar with the State of Mizoram in India. Agreement of the above assignment has been entered on 19.03.2009 between Authority and MEA. During the year an amount of Rs.305.10 lacs (previous year Rs.227.95 lacs) has been incurred as expenditure and an amount of Rs.34.73 lacs (previous year Rs.49.20 lacs) received as interest from Bank on the project. On consultancy fee service tax of Rs.120.72 lacs has been paid till date same has been asked for reimbursement from MEA, however the agreement is silent on tax issues.

20) Authority has taken three numbers of policies from LIC for pension, gratuity and leave encashment for IWAI employees. LIC has provided actuarial valuation for all three policies. As per actuarial valuation as on 31.03.2013, the fund for pension Rs.5,006.00 lacs (previous year Rs.3,865 lacs), gratuity Rs.377.83 (previous year Rs.639.67 lacs) and for leave encashment Rs.245.66 lacs (previous year Rs.486.97 lacs) is required. The actuarial valuation of LIC is not acceptable. Authority has asked LIC to provide corrected actuarial valuation on above fund, the same is still awaited.

Authority has established separate trust in the name of" IWAI – General Provident Fund" with effect from 24.05.2002 and "IWAI - employees Pension fund" with effect from 25.03.2003 for administering and managing the general provident fund and pension/Gratuity fund in respect of employees of Authority respectively. IWAI -employee pension fund is managed by LIC of India. As per IWAI employees Pension Fund account, a fund of Rs.3,924.00 lacs, Rs. 697.80 lacs available with trust for pension and gratuity fund respectively and Rs.536.67 lacs available with LIC for Leave encashment fund. For the F. Y. 2012-13, the corrected actuarial valuation is not provided by LIC. During the year, Rs.144.00 lacs and Rs.10.86 lacs has been provided towards pension and gratuity after considering current year contribution as per actuarial valuation certificate provided by LIC for the F. Y. 2011-12. For leave encashment provision is not provided since the available fund is meeting liability after considering current year contribution.

21) Authority has entered into share holders agreement in three JV projects with three companies namely (i) M/s Royal Logistics (ship) Ltd., Kolkata (ii) M/s SKS Waterways Ltd., Kolkata and (iii) M/s Vivada Logistics Pvt. Ltd. Kolkata. As per Share holders agreement with M/s Royal Logistics (ship) Ltd, Kolkata and M/s SKS Waterways Ltd, Kolkata the initial authorized share capital of each company is Rs. 5.00 lacs and same is required to be contributed in the ratio of 70% by J.V partner and 30% by IWAI. Accordingly, Authority has considering its share of Rs. 1.50 lacs each as initial authorized share capital in M/s Royal Logistics (ship) Ltd., Kolkata and M/s SKS Waterways Ltd. Kolkata.

22) A sum of Rs.42.20 lacs has been extracted by initiating RR proceedings by Kochi Corporation with the help of attachment by Revenue Tahsildar, Ernakulam from official Current Account of IWAI-Kochi towards enhanced amount of rent arrears of office building occupied by IWAI Kochi at 2347-N, Paramara Shopping complex, Paramara Road, Kochi-18 for the period 1st January 1999 to 31st August 2006. Authority has filed an appeal in High court Kerala against decision of Corporation of Kochi. The Case is still pending.

23) There are 3 Arbitration cases pending before the Arbitrators, two cases relate to capital dredging works in NW-3 having a contingent liability of Rs.2047 lacs and one case relates to construction of vessel involving Rs.1600 lacs damages approximately. Further, there are 4 cases in Hon'ble High Court of Kerala, 2 cases in lower courts Noida and Balasore and 14 service related cases pending in High Courts of Delhi, Allahabad, Guwahati and Patna and 2 cases of interest subsidy are pending in Delhi and Indore High Courts.

Apart from the above, there are 42 LAR cases and 13 LAA cases are pending in various sub courts and High Court of Kerala respectively for payment of higher compensation for land acquisition involving approximately an amount of Rs.640 lacs.

24) A MOU was entered with M/s ARI, Delhi for setting up maritime simulator centre at NINI, Patna. As per MOU, the Capital cost of simulator will be shared between IWAI and ARI in the ratio of

50:50 each and net revenue after running expenses shall also be shared equally. The cost of simulator unit has been capitalized and cost incurred by M/s ARI Rs.114.83 lacs (previous year Rs.104.77 lacs) shown as capital reserve and depreciation has been deducted on the same.

25) Authority has entered agreement to rent out 3rd Floor to Directorate General of Shipping, Mumbai, 4th Floor to Energy efficiency services ltd (ESL) and 6th Floor to container corporation of India Ltd. (CONCOR) @ Rs.78 per sq. ft. of covered area. The covered area of each floor is 8378.60 sq. ft. During the year a sum of Rs.40.00 lacs, Rs.58.82 lacs and Rs.117.64 lacs has been received from D.G. Shipping, ESL and CONCOR respectively as advance for construction of vertical expansion at Noida. The Authority has incurred the expenditure of Rs.456.52 lacs towards construction of vertical expansion of building. The Authority has also released secured advance of RS.58.08 lacs to the contractor against material available at site. As per terms & condition of agreement, the fund received from the above parties will be adjusted against the rent after completion of 3 years.

26) Authority has received grants under different budget heads in Plan and Non-Plan Rs.161.87 crores during the F.Y. 2012-13. Surplus fund of Rs.6.54 crores as on 01.04.2012 was also available with the authority in current financial year. During the year the Capital expenditure of Rs.83.05 crores and revenue expenditure of Rs.81.74 crores has been incurred by the authority.

27) Bank guarantees valued at Rs.2,181.69 lacs (previous year Rs.3,143.88 lacs) and Euro 1,32,178 (previous year Euro 61,423.20) have been received from the contractors / suppliers towards security deposit, Earnest money and mobilization advance against the works/ contracts awarded to them till 31' March 2013.

28) Annual Accounts of the authority prepared on the format approved by the Ministry of Shipping in consultation with C&AG since inception of the Authority.

29) In Companies Act schedule XIV, depreciation rate for some of the fixed assets used for inland waterways has not been provided. Hence, Authority is charging depreciation on Barges @ 3.34%, Terminals @ 4.75%, night navigation equipment @ 4.75%, crane @ 3.34%, and dredgers @ 7%.

30) Re-grouping and re-classification has been done where considered necessary.

31) All the figures are rounded off to the nearest rupee and figures in ( ) indicate negative figures.

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)	(DEEPAK DAS)	(JAYASHREE MUKHERJEE)
Executive Director (Finance)	Member (Finance)	Vice-Chairperson

Schedule - VIII

ACCOUNTING POLICIES

1. TREATMENT OF EXPENSES

Expenditure on hydrographic survey, techno-economic study, bandalling, bottom-panelling, dredging, temporary structure in channel marking and maintenance of vessels, etc. is treated as revenue expenditure whereas expenditure on permanent structures in channel marking, cost of vessels, survey launches, tugs, barges, dredgers, etc. is treated as capital expenditure.

2. DEPRECIATION

Depreciation has been provided on straight line method on the basis of rates in Schedule XIV of the Companies Act 1956 as per Notification No. 1/12/92-CL, V; Circular No. 14/93 dated 20.12.1993. Depreciation on library books has been charged @ 100 % on straight line method. Figures shown in brackets ( ) in column 5 and 9 of Schedule II indicate deduction from Gross Block and Depreciation respectively. Depreciation is charged for the whole year in the year of purchase and no depreciation is charged in the year of disposal/sale.

3. CAPITAL WORK IN PROGRESS

The work in progress is accounted on actual cost basis and includes payments made to contractors for work done and certified.

4. STORES, SPARES AND TOOLS

Stores, spares and tools are valued at lower of cost and net realizable value.

5. PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS

Income and expenditure in excess of Rs. 1000/- each for item relating to previous year/years is credited/debited as the case may be to this account.

6. PROVISIONS

(i) Provision for known liability is created in respect of any expenditure if the value exceeds Rs. 1000/-.

(ii) Provision for leave encashment on retirement in respect of regular employees is created as per Accounting Standard 15 issued by Institute of Chartered Accountant of India.

(iii) Provision for bonus is created on adhoc basis as declared by Central Government in previous year in respect of autonomous bodies.

(iv) Provision for pension contribution/gratuity has been made as per IWAI Employees Pension Fund Regulations, 1993.

7. TREATMENT OF GRANTS

The Authority will have no revenue generation except for grant from the Govt. till such time National Waterways become fully operational for public use and tariff rates, levies and fees are fixed. As such, out of grants received from the Government, expenditure incurred on revenue account is classified as revenue grant, payments towards assets are classified as capital grant and balance, if any, are treated as grants received in surplus (under current liabilities).

For and on behalf of the Authority

(S. JAYARAMAN)
Executive Director (Finance)

(DEEPAK DAS)
Member (Finance)

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

AUDIT REPORT OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA ON THE ACCOUNTS OF INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2013

We have audited the attached Balance Sheet of Inland Waterways Authority of India (Corporation) as at 31 March 2013 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date under section 23 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (IWAI Act, 1985) and Rule 28(3) of the Inland Waterways Authority of India Rules, 1986 (IWAI Rules, 1986) as amended in 2002 vide Notification No. GSR 449 dated 10 October 2002. These financial statements include the accounts of units/branches of the Corporation. These financial statements are the responsibility of the Corporation's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by managements as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides reasonable basis for our opinion.

Based on our audit, we report that;

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India under Section 34(2)(g) of the IWAI Act, 1985 and Rule 28(2) of the IWAI Rules, 1986;

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Corporation as required under Section 34(2)(g) of the IWAI Act, 1985 in so far as it appears from our examination of such books except that:

(A) Income & Expenditure Account

1. Administrative Expenses

Pay & Allowances & Other Staff Costs ₹ 7.36 crore

As per actuarial valuation certificate for retirement benefits furnished by LIC of India, the Authority was required to make provision for liability towards pension, gratuity and leave encashment to the extent of ₹ 50.06 crore, ₹ 3.78 crore and ₹ 2.46 crore, respectively. Against the above actuarial valuation, provision of ₹ 40.68

crore, ₹ 7.09 crore and ₹ 5.37 crore was available towards pension, gratuity and leave encashment, respectively. Thus, short provision of liability towards retirement benefits has resulted in understatement of expenses as well as provision for liability to the extent of ₹ 3.16 crore.

2. Prior Period Adjustment ₹ 0.45 crore

The above includes an amount of ₹ 0.82 crore, being expenses payable for the period 1997-2010 written off during the year 2012 -13. Instead of crediting miscellaneous receipts, the Management has credited the amount to prior period adjustments. This has resulted in overstatement of prior period adjustments by ₹ 0.82 crore and understatement of the miscellaneous receipts by the same amount.

(B) General
Notes forming part of Accounts (Schedule VII)
Note No.-20

The above Note is deficient to the extent that it did not disclose changes in the present value of the defined Benefit scheme and the assumptions employed for the calculations of Actuarial Valuation etc. as required under Para No. 119 and 120 of AS-15. This has resulted in violation of AS-15 'Employee Benefits'.

(C) Corrections made at the instance of Audit :-

The Management carried out following corrections in the Accounts at the instance of Audit due to Half Margins issued in Phase II:

(₹ in crore)

Head Of Accounts	Decrease	Increase
Profitability	1.22	-
Assets	0.80	1.25
Liabilities	-	1.68
Classification	10.97	
Amendments to Notes to Accounts / Other disclosure	6 Nos.	

Total Impact = **₹ 15.92 crore**

iv. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

v. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure-I to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Corporation as at 31 March 2013; and

b) In so far as it relates to the Income and Expenditure Account, of the income / expenditure for the year ended on 31 March 2013.

For and on behalf of the C&AG of India

(Vimalendra Patwardhan)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-Officio Member, Audit Board I
New Delhi

Place : New Delhi
Dated: 29 October 2013

Annexure-I

1. Internal Audit System

The Internal Audit is conducted periodically by a Chartered Accountancy firm and Audit Reports are submitted to the management on quarterly basis. The scope of the work and periodicity of the Internal Audit is commensurate with the size and nature of the organization.

2. Internal Control System

In view of the following deficiencies observed during the test check, the internal controls needs to be strengthened further:

a) Confirmation of outstanding balances under the head advance to contractors, expenses payable and claim recoverable were not obtained at the Guwahati unit.

b) Cash book was not maintained properly at Farakka office.

3. System of Physical verification of Fixed Assets

Test check of records revealed that physical verification of fixed assets was not conducted at Head Office (Noida) and Guwahati units. Test check further revealed that Fixed Assets Register was not maintained properly or updated regularly at Head Office (Noida), Varanasi and Guwahati units.

4. System of Physical verification of Inventory

Physical verification of inventories was conducted periodically.

5. Regularity in payment of Statutory Dues

Timely deposit of Statutory Dues to Government Accounts and submission of returns is in place.

Management Reply on Comments contained in C&AG Audit report on the Annual Accounts for the year ended 31st March' 2013

A. Income & Expenditure Account

1. Administrative Expenses
Pay & Allowances and other staff costs Rs.7.36 crores.

The Actuarial Valuation provided by LIC as on 31.03.2013, is not accepted because there is a big difference as compared to last year's valuation.

A letter has been issued to LIC with the last three years details. As per Actuarial Valuation, there is increase of 29.52% in pension, decrease of 40.94% in Gratuity and decrease of 49.48% in Leave encashment. To finalize Annual Accounts for the F. Y. 2012-13, the contributions maintained in Actuarial Valuation Certificate for current year has been considered and Rs.144.00 lakh and Rs.10.86 lakh has been provided for pension and gratuity contribution after considering the fund available with trust and LIC in above policies.

Actuarial Valuation Certificate will be obtained from LIC in F. Y. 2013-14 and will be included in Annual Accounts F. Y. 2013-14.

2. Prior period adjustment Rs.0.45 crores.

Long outstanding amount of Rs.82.33 lakhs in accounts was reviewed and all liabilities provided in previous years have been rectified by crediting prior period adjustment account in F. Y. 2012-13. It is to inform that in the previous years, provisions for expenditure were provided in the Annual Accounts. However, the same were not required to be paid. Hence, the entries were reversed in the Accounts in F. Y. 2012-13.

B. General
Notes forming part of Accounts (Schedule – VII)
Note no. – 20

As per AS – 15, the disclosure is not mandatory on the Authority. For employees retirement benefits pension, gratuity and leave encashment, the details are disclosed in para – 20 of Notes forming part of accounts for F. Y. 2012-13. Assumptions taken for valuation will be disclosed in Annual Account for F. Y. 2013-14.

Annex – 1

1. **Internal Audit System :**
Authority has engaged Chartered Accountant firm for Internal Audit of the Authority with detailed scope of work and compliance of Audit observation will be monitored more effectively through the Internal Auditors.

2. **Internal Control System :**
In view of the following deficiencies observed during the test check, the Internal control needs will be strengthened further:

a) Confirmation of outstanding balances under the head advance to contractor, expenses payable and claim recoverable has been ensured in Head Office. In Guwahati Office, the same will be ensured in F.Y. 2013-14.

b) Cash book at Farakka office will be maintained properly in F. Y. 2013-14.

3. **System of Physical verification of fixed assets :**
For Updation of fixed assets register and physical verification of fixed assets thereon action is being taken at Head Office and Guwahati Offices.

4. **System of Physical verification of Inventory :**
Need no comments.

5. **Regularity in payment of statutory dues :**
Need no comments.

Designd & Printed by:
Arkay Associates, E-3, Sector-3, NOIDA-201 301 (U.P.)
Ph. 0120-4282756, 9312501305